RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Dispatch Date - 02 OCTOBER 2017

अंक-4 (मासिक) वर्ष 13 अक्टूबर 2017 मूल्य 20/-

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

॥ दीपावल्ये नमो नम : ॥

नदी संरक्षण में महिला संगठन ने बढाऐं कदम

बृज चौरासी यात्रा - एक सार्थक पहल

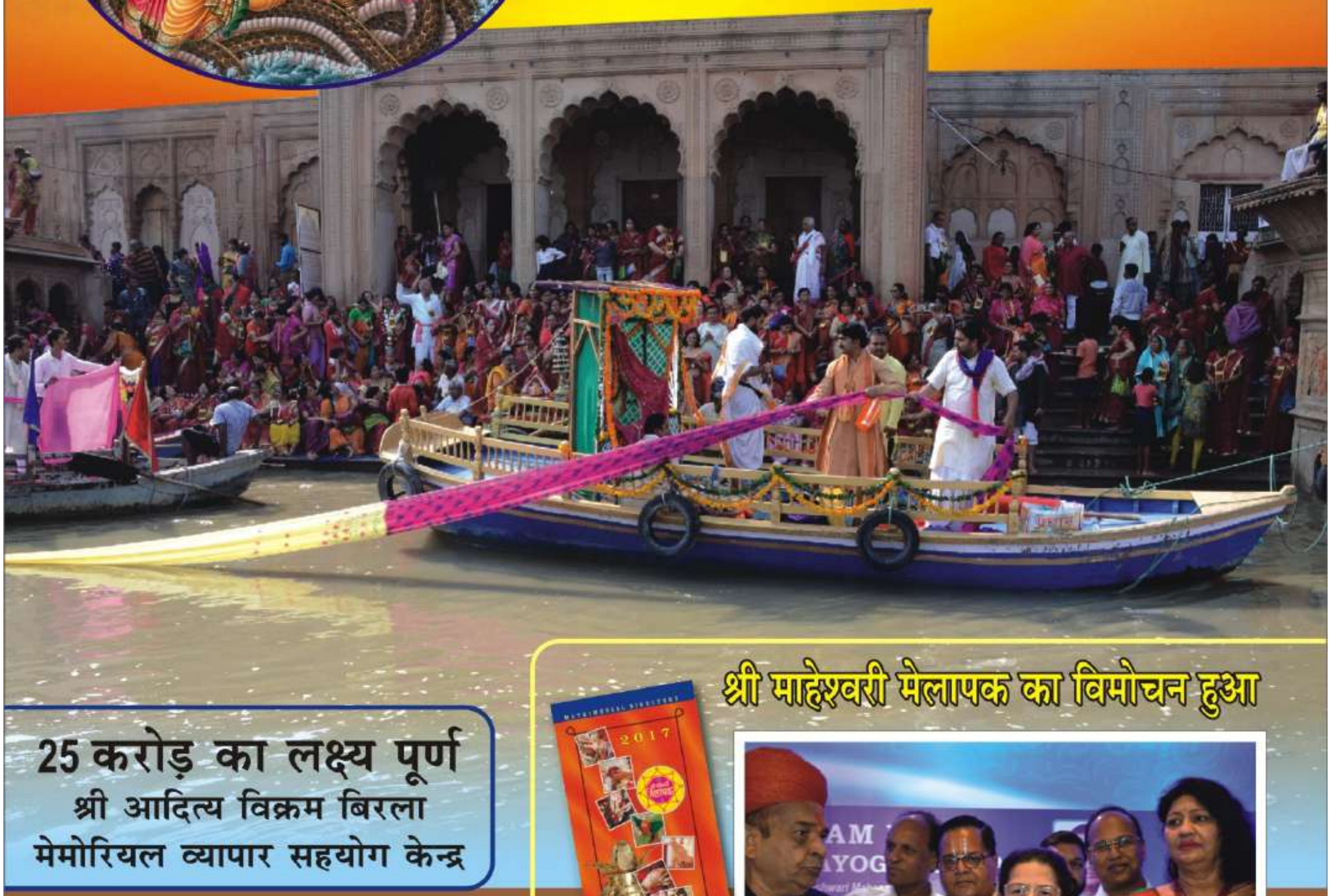

25 करोड़ का लक्ष्य पूर्ण

श्री आदित्य विक्रम बिरला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र

कन्या जन्मोत्सव पर समाज मनाऐगा उत्सव

श्री माहेश्वरी मेलापक का विमोचन हुआ

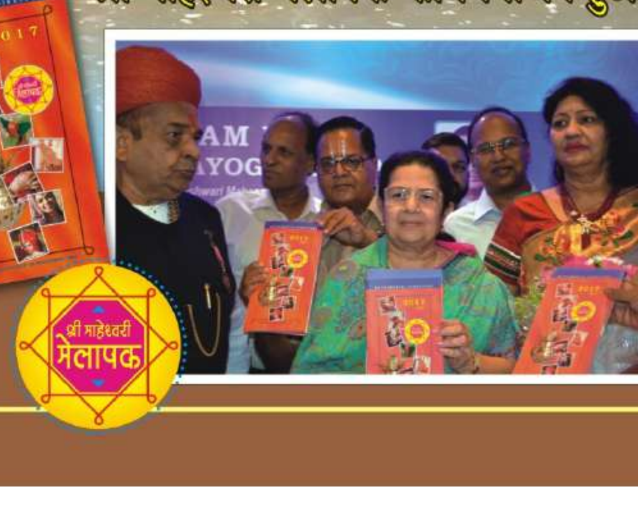

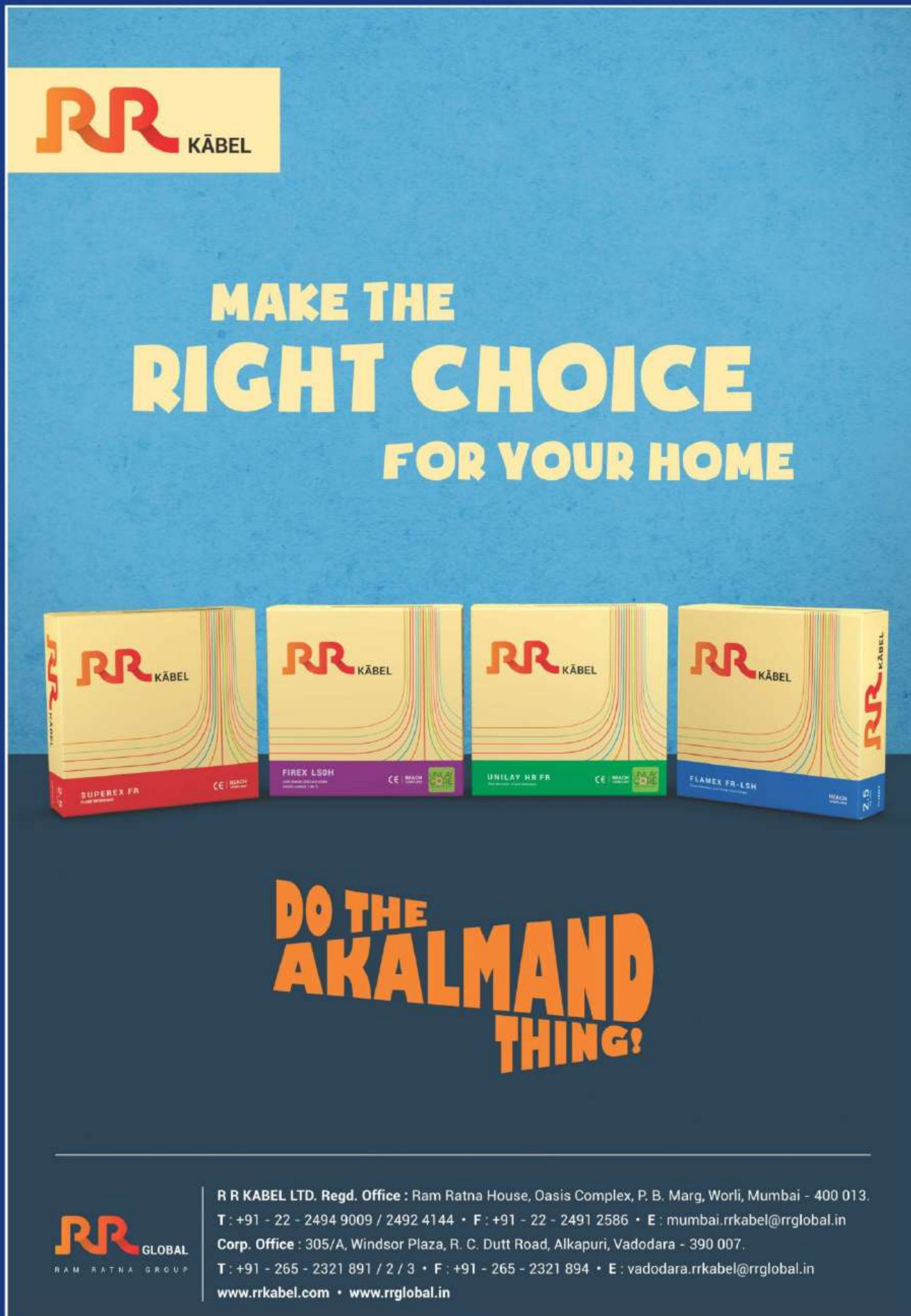

RR KĀBEL
MAKE THE
RIGHT CHOICE
FOR YOUR HOME
DO THE
AKALMAND
THING!
RR GLOBAL
RAM RATNA GROUP
R R KABEL LTD. Regd. Office : Ram Ratna House, Oasis Complex, P. B. Marg, Worli, Mumbai - 400 013.
T : +91 - 22 - 2494 9009 / 2492 4144 • F : +91 - 22 - 2491 2586 • E : mumbai.rrkabel@rrglobal.in
Corp. Office : 305/A, Windsor Plaza, R. C. Dutt Road, Alkapuri, Vadodara - 390 007.
T : +91 - 265 - 2321 891 / 2 / 3 • F : +91 - 265 - 2321 894 • E : vadodara.rrkabel@rrglobal.in
www.rrkabel.com • www.rrglobal.in

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

▸▸ अंक-4 ▸▸ अक्टूबर 2017 ▸▸ वर्ष-13

प्रेरणास्त्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)

अतिथि सम्पादक
अशोक सोमानी, रेवाड़ी

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
- PNB A/c. No. : 0459002100043471
  IFSC- PUNB0045900
- ICICI A/c. No. : 030005001198
  IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

नमस्तेस्यु महामाये श्रीपीठे सुरपूजिते।
शंखचक्रगदाहस्ते महालक्ष्मि नमोस्तु ते।।

हजारों हजार दीये जलाएँ
अपनी और अपनी परिवार की
समृद्धि के लिए
एक दीया जरूर जलाएँ
इस महान देश एवं समाज की
एकता, अखण्डता
और संस्कृति के लिए.

दीपपर्व पर
हार्दिक मंगलकामनाएं
श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार

ज्योर्तिमय जग कर दे

दीपावली की सभी को मंगलमय शुभकामनाएं। मां शक्ति की आराधना और विजयादशमी मनाने के बाद अब हम सबको बेसब्री से इंतजार है पांच दिनी दीपोत्सव का। दिवाली यानी रंग, रौनक, खुशियां और आनंद। जीवन का सतरंगी मिजाज दिवाली पर ही नजर आता है। खुशगवार मौसम में प्रफुल्लित मन का प्रमोद घर-आंगन में जब आतिशबाजी की तरह चटकता है तो उस पल के अहसास का कोई सानी नहीं। इस आनंदोत्सव को जीवन में लाने के लिए हमारे पूर्वजों ने देवी लक्ष्मी की परिकल्पना की। उनकी आराधना ही हमारे तन-मन को उत्साहित और उमंग से भरने के लिए काफी है। मन में उम्मीदों का उजियारा हो तो अंधेरे रास्ते में भी भय नहीं लगता। यही कारण है कि वेद गाता है ज्योर्ति मा सद्गमय। मुझे उजाले की ओर ले चलो। रवि गाता है ज्योर्तिमय जग कर दे।

वस्तुतः जीवन का अर्थ तभी लाइट है जब हम अंधेरे को उजाले से भर दें। यह अंधेरा किसी भी तरह का हो सकता है। दिवाली इस उजाले की उम्मीदें लेकर आती है। हम अपनी देहली पर दीया रखने के साथ पड़ोसी के यहां भी रख कर आते हैं ताकि उजाला चहुँ ओर हो सके। तथास्तु। समाज में यह रोशनी फैलाने का काम अभा माहेश्वरी महासभा और आदित्य-विक्रम बिड़ला संस्थान के दो प्रयत्नों से समाने आ रहा है। यहां सभा ने हाल ही में फैसला लिया है कि जिस परिवार में बेटी आएगी, उस घर समाज के सभी श्रेष्ठी जाएंगे, उत्सव मनाएंगे, बधाई देंगे। संभवतः दिवाली के मौके पर महालक्ष्मी की आराधना और स्वागत का इससे अच्छा कोई फैसला हो नहीं सकता। हमारी सांझी दुनिया के लिए भी यह फक्र और उल्लास का पल होगा। निश्चित ही बेटियों को लेकर यदि अब भी किसी के मन में कहीं कोई अंधेरा कोना है तो वहां उम्मीद का यह दीया रोशनी फैलाएगा। आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार संस्थान ने युवाओं को रोजगार के लिए दी जाने वाली आर्थिक मदद का दायरा बढ़ाकर 5 लाख करने के लिए आश्वास्त किया। निश्चित ही बेरोजगारी की अंधी सुरंग से गुजर रहे किसी युवा के लिए यह मदद पथ प्रकाश स्तंभ बन जाए। यह मदद उनके जीवन में रोशनी फैला सकती है। रोशनी के पर्व पर समाज ने यह दो दीये हमारी देहली पर रखे हैं। अब उन जिम्मेदारों को अपना फर्ज निभाना है। यह कि यह उजाला समाज के घर-घर पहुंचाए।

यह अंक दीपावली के साथ वरिष्ठ नागरिकों को भी समर्पित है जो हमारे घर के हर व्यक्ति को मार्ग प्रशस्त करने के लिए तत्पर रहते हैं। उनके अनुभव का प्रकाश हमारा पथ प्रदर्शक रहता है। महिला संगठन ने ब्रज यात्रा के माध्यम से यमुना सफाई अभियान से संपूर्ण देश को जल संपदा के संरक्षण और संवर्धन के लिये सजग करने का नया दीप जलाया है। इधर मप्र में युवा संगठन के चुनाव स्थगित करने का मुद्दा गहरा गया है। चुनाव निरस्त करने के अपने तर्क हो सकते हैं और इस फैसले के विरोध के अपने। किंतु समाज में ऐसी परिस्थिति न बने यह अत्यंत जरूरी है। यदि चुनाव हो जाते हैं तो समाज के युवा संगठन में भी नए पदाधिकारियों की आभा दैदिप्यमान हो जाती है। खैर! दीपावली के इस मौके पर समस्त पाठकों, विज्ञापनदाताओं, सहयोगियों और संरक्षकों के प्रति समस्त माहेश्वरी टाईम्स परिवार कृतज्ञ है, पुनः बधाई और शुभकामनाएं। जय महेश।

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

वरिष्ठ निभाएँ अपनी जिम्मेदारी

रेवाड़ी (हरियाणा) निवासी ख्यात व्यवसायी व समाजसेवी अशोक सोमानी का जन्म 28 नवंबर1953 को ख्यात समाजसेवी एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. श्री आर.डी. सोमानी के यहां रेवाड़ी जिले के छोटे से गाँव खोल में हुआ था। श्री सोमानी क्षेत्र के प्रतिष्ठित स्टोन निर्यातक व अभा माहेश्वरी महासभा उत्तरांचल के उपसभापति हैं। समाज में उनकी विशिष्ट पहचान एक ऐसे समर्पित समाजसेवी के रूप में है, जिन्होंने अपने प्रदेश संगठन हरियाणा-पंजाब-हिमाचल-जम्मू कश्मीर प्रादेशिक माहेश्वरी सभा को दो सत्रों तक प्रदेशाध्यक्ष के रूप में सेवा दी है। श्री सोमानी लंबे समय से समाज संगठन से संबद्ध होकर अपनी समर्पित सेवा दे रहे हैं। हरियाणा-पंजाब-हिमाचल-जम्मू कश्मीर प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के सतत दो वर्ष 2010-13 तथा वर्ष 2013-16 में प्रदेशाध्यक्ष रहे। वर्ष 2010 से अभा माहेश्वरी महासभा के कार्यसमिति सदस्य रहे व अब उत्तरांचल उपसभापति हैं। हरियाणा पंजाब प्रादेशिक ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं श्रीमती लीलावती सोमानी एजुकेशन ट्रस्ट के ट्रस्टी तथा श्री अभा माहेश्वरी सेवा सदन के ट्रस्टी के रूप में भी अपनी सेवा दे रहे हैं। लायंस क्लब के 2 सत्रों तक अध्यक्ष भी रहे हैं।

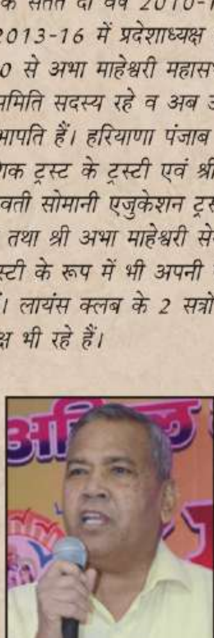

श्री माहेश्वरी टाईम्स समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का सतत रूप से निर्वहन करती रही है। इसी श्रृंखला में "वरिष्ठ विशेषांक" समाज के अनुभवों के वटवृक्ष या कहें जीवन की सार्थकता के शीर्ष स्तर पर पहुँचे महानुभावों को समर्पित है। वास्तव में भी देखा जाए तो वरिष्ठ न सिर्फ परिवार, समाज या मात्र देश की अमूल्य निधि हैं, बल्कि सम्पूर्ण विश्व की मानवीय सभ्यता के सच्चे संवाहक हैं। उन्हीं के लगाए पौधे ही तो युवा पीढ़ी के रूप में अपना योगदान दे रहे हैं। मेरे पैतृक छोटे से गाँव खोल ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान 11 स्वतंत्रता सेनानी दिए थे, जिनमें से एक मेरे आदरणीय पिताजी भी थे। अतः बचपन में ही पिता की राष्ट्र सेवा भावना देखने का सौभाग्य मिला। आज यदि कहीं मानवता की सेवा का जज्बा है तो वह पिताजी के उन्हीं संस्कारों का नतीजा है। इस महत्वपूर्ण विशेषांक के प्रकाशन में मुझे "अतिथि सम्पादक" के रूप में सेवा का जो अवसर प्राप्त हुआ है, इसे मैं अपना सौभाग्य समझता हूँ।

सर्वप्रथम तो मैं सम्पूर्ण समाज व समस्त युवा पीढ़ी से कहना चाहूँगा कि वे अपने परिवार के वरिष्ठों के महत्व को पहचानें। याद रखें आज यदि आप किसी सफलता के मुकाम पर हैं, तो कहीं न कहीं चाहे स्नेह-सम्बल के रूप में ही हो, लेकिन आपके वरिष्ठों के योगदान से आप इनकार नहीं कर सकते। जब आपने जीवन का पहला कदम रखा होगा तब भी आपकी अंगुली आपके माता-पिता या परिवार के किसी ऐसे बड़े ने ही सम्भाली होगी, जो आज वरिष्ठ की श्रेणी में शामिल हैं। चाहे आज आप समर्थ हैं और वे कमजोर, लेकिन उनके अंदर जो स्नेह का सागर था, वह तो आज भी उसी तरह हिलौरे ले रहा है, जैसा पहले लेता था। उनकी शारीरिक सामर्थ्य चाहे कम हो गई हो, लेकिन उनके पास अनुभव का एक ऐसा महासागर है, जो आपके जीवन के किसी न किसी मोड़ पर अवश्य ही काम आ सकता है और वह भी किसी अमूल्य सलाह की तरह। फिर हम आज जिस संस्कृति क्षरण की बात कर रहे हैं, उसकी जड़ें ही वरिष्ठों की उपेक्षा में निहित हैं। वरिष्ठ ही तो परिवार की वह पाठशाला हैं, जिनसे परिवार की नई पीढ़ी को संस्कारों का पाठ मिलता है और वह भी पूरे स्नेह व संबल के साथ। अतः न सिर्फ परिवार बल्कि समाज संगठनों को भी ऐसे वरिष्ठों की आवश्यकता है।

अब मैं समाज के वरिष्ठजनों से अनुरोध करता चाहता हूँ कि वे वरिष्ठ अवस्था को दायित्व से निवृत्ति की अवस्था न समझें। याद रखें हमारे शास्त्रों में तो इसे वानप्रस्थ अवस्था कहा गया है अर्थात वैराग्य लेने की अवस्था। इसे आधुनिक परिप्रेक्ष्य में समझना आवश्यक है। वैराग्य वास्तव में विराग है, अपने निजी हित व स्वार्थों से विराग। इस अवस्था तक पहुँचने में परिवार की लगभग सभी जिम्मेदारियाँ पूर्ण हो जाती हैं। अतः इस वैराग्य को स्वीकारना भी जरूरी है। इसे युग के अनुसार चुनें। इसके लिये आपको संन्यासी बनने की आवश्यकता नहीं है। आप अपनी विशेषज्ञता व क्षमता को समाज तथा राष्ट्र को निःस्वार्थ भाव से समर्पित कर इस मार्ग का अनुसरण कर सकते हैं। यह कठिन नहीं है बल्कि बहुत आसान है। मान लें आप डॉक्टर रहे हैं, लोगों की चिकित्सा बंद करने के स्थान पर निःस्वार्थ भाव से सेवा प्रारंभ कर दें। ठीक इसी तरह आप अपने किसी भी क्षेत्र का चयन कर सकते हैं। याद रखें पहले आप अपने परिवार के लिये जीते थे, अब आपके पास अपनी खुशी के लिये जीने का समय है और इसे गँवाएँ बिल्कुल नहीं। दिल्ली प्रदेश के सम्पन्न चुनावों के लिये प्रदेशाध्यक्ष श्री एस.एन. चाँडक व निर्वाचित पदाधिकारियों को हार्दिक शुभकामनाऐं देता हूँ। सुदर्शन बृज चौरासी यात्रा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कांता जी गगरानी व शर्मिला जी राठी के नेतृत्व में सफलतापूर्वक सम्पन्न होने के लिए मैं महिला संगठन को शुभकामनाऐं देता हूँ।

सभी स्वजनों के दीपपर्व के पावन अवसर पर माता महालक्ष्मी के स्वागत की तैयारी कर ली होगी। समस्त पाठकों व समाजजनों को दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। मैं कामना करता हूँ कि यह दीप पर्व सम्पूर्ण समाज में नवीन सद्भावना व उत्साह का संचार करे। इसके साथ ही वरिष्ठ विशेषांक के प्रकाशन पर मैं समाज के समस्त वरिष्ठजनों को नमन करता हूँ।

अशोक सोमानी,
अतिथि सम्पादक

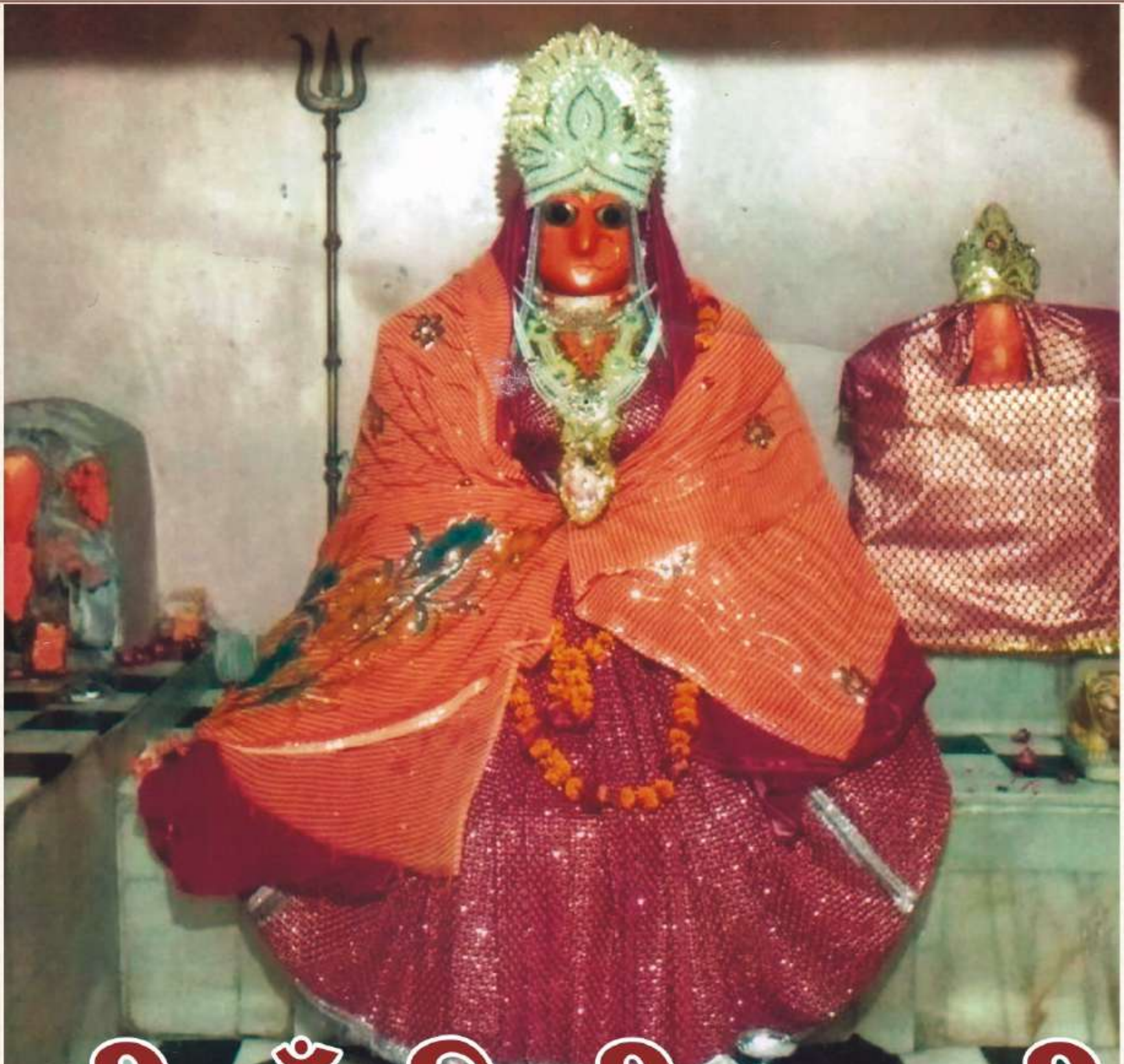

श्री चाँदसिनी माताजी

श्री चाँदसिनी माताजी माहेश्वरी जाति के न्याती, फोफलिया, दांडी, निकलंद बंधुओं की कुलदेवी हैं।

चाँदसिनी माताजी का मंदिर राजस्थान में टोंक जिले के करीब मालपुरा तहसील के टोरदी सागर गाँव से 3 किमी दूरी पर मोहिनी गिरी पहाड़ की तलहटी पर स्थित है। यह मंदिर करीब 5000 वर्ष पुराना है। टोरडी सागर गाँव मालपुरा (टोंक) से 15 किमी दूर टोडा रायसिंह रोड पर है। टोरडी सागर ग्राम भीलवाड़ा से 150 किमी, अजमेर से 90 किमी और जयपुर से 90 किमी की दूरी पर है। इस मंदिर की देखभाल व पूजा-अर्चना श्यामसुंदर जोशी करते हैं। इस काम में उनके पुत्र अरविंद जोशी भी सहायता करते हैं। माँ का तेजस्वी आकर्षक रूप मन को बड़ी शांति देता है। माँ के दर्शन करने पर बड़ी प्रसन्नता महसूस होती है। यह मंदिर मोहिनी गिरी पहाड़ी की तहलटी में होने पर भी किसी भक्त ने यहाँ बिजली की सुविधा उपलब्ध कराई है। मंदिर के समीप ही धर्मशाला का निर्माण भी किया जा रहा है।

विशेष आयोजन- अश्विन शुक्ल पक्ष की चैत्र नवरात्रि में भगवती दर्शन का यहाँ तांता लगा रहता है। अपनी मनोकामना पूर्ण होने पर भक्त लोग माताजी को सवामणि का भोग लगाते हैं। यहाँ मंदिर में अखंड ज्योति जलती है। साप्ताहिक पाठ होता है। जानवरों और पक्षियों के लिए दाना डालना आदि गतिविधियाँ चलती हैं। माताजी को अभिषेक, पूजन, आरती कर भोग लगाया जाता है। केवल न्याती, फोफलिया, दांडी, निकलंद परिवार के सदस्यों से ही पूजा करवाई जाती है। अन्य लोगों को भी दर्शन करवाया जाता है। आसपास के गांवों के लोगों की भी माताजी में अटूट श्रद्धा है।

सम्पर्क- कुलदेवी माताजी की जानकारी एवं वहाँ पर जाने पर पूजा के लिए श्री अरविंद श्यामसुंदर जोशी, ग्राम टोरडी सागर, तहसील मालपुरा जिला टोंक से संपर्क किया जा सकता है। इसके साथ ही लक्ष्मीकांत न्याती, जलगाँव (महाराष्ट्र) मो. 09404058431, 07875063581 से भी संपर्क किया जा सकता है।

रोजगार के लिए पूरा किया 25 करोड़ का ऐतिहासिक लक्ष्य

श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र की 18वीं बैठक सम्पन्न, कोष वृद्धि के साथ बढ़ेगा सेवा का दायरा

मुंबई. नवउद्यमियों व व्यवसायियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्थापित संस्था श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र की 18वीं वार्षिक साधारण सभा गत 23 सितंबर को मुंबई के "मे फेयर बैंक्वेट हॉल" में सम्पन्न हुई। इस बैठक में संस्था की सेवा को आम समाजजन तक पहुँचाने के साथ ही डिफाल्टरों से वसूली जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विशेष चर्चा हुई। इसी अवसर पर संस्थाध्यक्ष पद्मभूषण श्रीमती राजश्री बिरला का जन्मदिवस भी मनाया गया।

केंद्र सदस्यों की वार्षिक साधारण सभा को पद्मभूषण श्रीमती राजश्री बिरला की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मुंबई एवं अन्य प्रदेशों से सदस्यों के अलावा केंद्र से जुड़े हुए अनेक सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित थे। बैठक का संचालन केंद्र मंत्री कस्तूरचंद बाहेती ने किया। बैठक में केंद्र कार्याध्यक्ष बंशीलाल राठी, महासभा के सभापति श्यामसुंदर सोनी, केंद्र के अर्थमंत्री हरिकृष्ण झँवर, सहमंत्री श्यामसुंदर काबरा, महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना गगडानी, महासभा के अर्थमंत्री आरएल काबरा, माहेश्वरी बोर्ड के चेयरमैन लक्ष्मीनारायण सोमानी, आनंद राठी सहित कई गणमान्यजन मौजूद थे। कस्तूरचंद बाहेती द्वारा सभी उपस्थित बंधुओं का परिचय करवाया गया, साथ ही नये सदस्यों को सदस्यता सर्टिफिकेट (शील्ड) प्रदान कर सम्मानित किया गया। सभी सदस्यों ने इस अवसर पर श्रीमती बिड़ला को पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्मदिन की शुभकामनाएँ दीं।

श्रीमती बिरला ने की सराहना

केंद्राध्यक्ष श्रीमती राजश्री बिरला ने केंद्र योजना की सफलता की सराहना करते हुए बताया कि योजना से लाभान्वित अनेक बंधुओं ने अपना आर्थिक उन्नयन कर जीवन स्तर सुधारा है। यह हम सभी के लिए हर्ष एवं गौरव का विषय है कि यह संस्था के सहयोग से ही संभव हुआ है। आपने बताया कि वैश्वीकरण के युग में आज व्यवसाय प्रणाली में काफी बदलाव आये है जिसकी वजह विशेषतः लघु व्यापारियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। अतः कार्यशाला, प्रशिक्षण शिविर, आधुनिक व्यवसायों की जानकारी, सेमिनार, गोष्ठी आदि के आयोजन की दिशा में केंद्र भी प्रयासरत है। श्रीमती बिरला ने कार्याध्यक्ष बंशीलाल राठी एवं कस्तूरचंद बाहेती के केंद्र के प्रति समर्पित भाव से दिये जा रहे योगदान के लिए आभार व्यक्त किया।

25 करोड़ का लक्ष्य पूरा होने पर माना आभार

केंद्र ने श्री राठी के नेतृत्व में इस वर्ष के लिये 25 करोड़ रुपए का कोष संग्रहण लक्ष्य तय किया था। श्री राठी की वयोवृद्धावस्था के कारण यह कठिन लग रहा था, लेकिन इस अवस्था में भी उनकी सक्रियता तथा सहयोगियों के साथ से समय पूर्व ही यह ऐतिहासिक लक्ष्य पूर्ण हो चुका है। कार्याध्यक्ष श्री राठी ने सभी सहयोगी बंधुओं का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि आज केंद्र कोष रुपए 25 करोड़ का लक्ष्य पूर्ण कर चुका है। जिसके लिए मैं आप सभी को हृदय से धन्यवाद देता हूँ। विश्वास दिलाता हूँ कि आपका यह सहयोग समाजबंधुओं के आर्थिक उत्थान हेतु दीर्घकाल तक कारगर होगा। आपने केंद्र की स्थापना को लेकर अभी तक के सफर का ब्योरा देते हुए श्रीमती बिरला को सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। केंद्र योजना से इस वर्ष में जुड़े सभी दानदाता बंधुओं का भी धन्यवाद दिया। महासभा सभापति श्यामसुंदर सोनी ने भी संबोधित किया।

सहायता राशि 5 लाख तक होने की संभावना

बैठक में कुछ सदस्यों ने अधिकतम राशि 3 लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए करने का प्रस्ताव रखा। श्री राठी ने इस पर शीघ्र निर्णय लेने का आवश्वासन दिया। श्री बाहेती ने केंद्र की प्रगति रिपोर्ट पेश कर बताया कि अभी केंद्र योजना में करीब 870 दानदाताओं बंधुओं से 18.50 करोड़ का कॉरपस सहयोग प्राप्त हुआ है। केंद्र की अभी तक की बचत को मिलाकर केंद्र कोष करीब 25 करोड़ हो गया है। केंद्र द्वारा अभी तक विभिन्न प्रदेशों के करीब 53.25 परिवार रुपए 44.25 करोड़ की ऋण सहायता से लाभान्वित हुए हैं। केंद्र की बढ़ती हुई बकाया राशि को गंभीर विषय बताते हुए राशि वसूली हेतु आपने महासभा के सभापति जी के माध्यम से पदाधिकारीगण, प्रदेशाध्यक्ष, जिला एवं स्थानीय सभा के सहयोग के लिए निवेदन किया। श्यामसुंदर काबरा, मुंबई ने कहा कि हम सभी का प्रयास होना चाहिए कि योजना का लाभ अधिक से अधिक बंधु लेवें साथ ही उसकी वापसी की भी जिम्मेदारी लेवें। बिहारीलाल चांडक-खींवसर, पुरुषोत्तम सोमानी-निजामाबाद, आनंद राठी-मुंबई, आरएल काबरा-मुंबई, श्रीकिशन भंसाली-उस्मानाबाद, सूर्यप्रकाश लड्ढा-सोजत रोड, कल्पना गगडानी-डोंबिवली आदि ने सुझाव रखे।

महेश मेला के साथ सम्मान समारोह सम्पन्न

जयपुर. श्री माहेश्वरी समाज की 53वीं सामूहिक गोठ एवं महेश मेला गत 3 सितंबर को माहेश्वरी विद्यालय, विजय पथ, तिलक नगर पर सम्पन्न हुए। समाज अध्यक्ष सत्यनारायण काबरा ने बताया कि इस अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में देश की ख्यातनाम विभूतियों पद्मश्री बंशीलाल राठी (चेन्नई), महावीर प्रसाद तापड़िया (मुंबई) एवं आनंद राठी (मुंबई) को ''माहेश्वरी भारत गौरव'' सम्मान तथा श्री माहेश्वरी समाज जयपुर के संरक्षक आरडी बाहेती, पूर्व अध्यक्ष सीताराम मालपानी एवं बाबूलाल तोतला को ''माहेश्वरी समाज रत्न'' सम्मान से अलंकृत किया गया। महामंत्री संजय माहेश्वरी ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि रमेशचंद्र मनिहार (समाज संरक्षक एवं प्रमुखजवाहरात व्यवसायी), मेला उद्‌घाटनकर्ता प्रिंस राजेशकुमार लड्ढा (प्रमुख जवाहारात व्यवसायी, बैंकॉक), विशेष अतिथि नंदकिशोर बाहेती (प्रमुख उद्योगपति एवं समाजसेवी) एवं कमलकुमार काबरा (प्रमुख शेयर व्यवसायी एवं समाजसेवी) तथा स्वागताध्यक्ष रमेशचंद मान्धना (प्रमुख वित्त विशेषज्ञ एवं समाजसेवी) थे। संयोजक कमल मंत्री ने बताया कि समारोह स्थल को जयपुर के त्रिपोलिया बाजार की तरह सुसज्जित किया गया। इसमें सरगासूली एवं हवा महल की प्रतिकृति बनाई गई। उबर कैब द्वारा समाज बंधुओं को समारोह स्थल पर आने-जाने के लिए किराये में विशेष छूट दी गई। लगभग 12 हजार समाज बंधुओं ने गोठ में दाल-बाटी-चूरमा का आनंद लिया। इसमें बादाम का चूरमा विशेष आकर्षण रहा। 2 हजार व्यक्तियों को एक साथ टेबल-कुर्सी पर बैठाकर भोजन की व्यवस्था 5 ब्लॉक बनाकर की गई। बुफे में भोजन की पृथक व्यवस्था की गई। श्री माहेश्वरी नवयुवक मंडल द्वारा आयोजित महेश मेला के संयोजक संदीप कचौलिया ने बताया कि मेले में खाद्य सामग्री, गेम्स एवं डिस्प्ले के स्टॉल लगाये गये। नवयुवक मंडल अध्यक्ष चंद्रप्रकाश धूत (सीपी) ने बताया कि बाबा अमरनाथ की झाँकी एवं लकी ड्रॉ महेश मेला का मुख्य आकर्षण रहे। सविता राठी एवं महेश परवाल ने समारोह का प्रभावी मंच संचालन किया।

तीज मिलन समारोह सम्पन्न

आगरा. श्री माहेश्वरी महिला मंडल का तीज मिलन समारोह गत 22 अगस्त को पंचकुइया स्थित माथुर वैश्य भवन में मनाया गया। मुख्य अतिथि शर्मिला राठी सहसचिव (उत्तरांचल), कांता गगरानी उपाध्यक्ष (उत्तरांचल) अभा माहेश्वरी महिला संगठन ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विभिन्न कलात्मक स्पर्धाओं के साथ गायन, युगल नृत्य, हरियाली तीज क्वीन आदि प्रतियोगिता व रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मंत्री वीणा दुदानी ने मंडल का वार्षिक प्रतिवेदन पढ़ा। उसके बाद कुसुम सांवल ने समाज की योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम कुसुम सांवल व मंत्री वीणा दुदानी की देखरेख में सम्पन्न हुआ।

> **पैसा**
> आपका सेवक है,
> यदि आप उसका उपयोग जानते हैं।
> वह आपका स्वामी है,
> यदि आप उसका उपयोग नहीं जानते।

महिला संगठन की सेवा गतिविधियाँ

पुरुलिया. स्थानीय महिला संगठन अध्यक्ष कुसुम मल्ल व सचिव-अनु कोठारी के नेतृत्व में कई कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। संपादक जयश्री सारड़ा ने बताया कि प्रदेशाध्यक्ष नीलम भट्टड़ और संगठन मंत्री सरोज मालपानी का भी आगमन हुआ। उन्होंने पुरुलिया की सदस्याओं के साथ बैठक आयोजित की। संचारिका के अंतर्गत राष्ट्रीय संगठन की तरह 11 समिति बनाई गई। इसक अंतर्गत सुरभि द्वारा 29 जुलाई को पुरुलिया में तीज की धमोली का आयोजन हुआ। नीरा मल्ल और आरती राठी ने हास्य नाटक की प्रस्तुति दी। सुलेखा के अंतर्गत 6 कहानियां आईं। सुलेखा समिति की संयोजिका सरोज मालपानी द्वारा रूपा चांडक, आभा मल्ल व रश्मि पसारी की कहानी का चयन किया गया। प्रदेश स्तर के लिए रूपा चांडक की कहानी भेजी गई। माहेश्वरी महिला समिति ने हर वर्ष की तरह राम मंदिर में शृंगार करवाया।

108वें श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ की तैयारी प्रारंभ

गत 28 सितंबर को हुआ कार्यक्रम स्थल का भूमिपूजन, 5 से 10 नवंबर तक होगा भव्य आयोजन

इंदौर. अनंत श्री विभूषित जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामीश्रीश्री कांताचार्यजी महाराज के 108 श्री लक्ष्मीनारायण यज्ञ के संकल्प की पूर्णाहुति दशहरा मैदान इंदौर पर आगामी 5 से 10 नवंबर को आयोजित 108वें महायज्ञ से होगी। इसके लिए आयोजन स्थल का भूमिपूजन गत 28 सितंबर को प्रातः 10 बजे हुआ।

108 वाँ श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ समिति द्वारा इसका आयोजन अनंत विभूषित जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्रीकांताचार्य जी महाराज तथा अनंत विभूषित जगदगुरु रामानुजाचार्य श्री नागोरिया पीठाधीश्वर स्वामी श्री विष्णुप्रपन्नाचार्य जी महाराज के परम सान्निध्य में किया जाएगा। इस महायज्ञ का भूमिपूजन गत 28 सितंबर को दोनों ही स्वामीजी के सान्निध्य में कृष्णमुरारी मोघे अध्यक्ष म.प्र. गृह निर्माण मण्डल, कैलाश शर्मा, भाजपा नगर अध्यक्ष, सुदर्शन गुप्ता विधायक, महेन्द्र हार्डिया विधायक, जीतू पटवारी विधायक, प्रमोद टण्डन नगर अध्यक्ष कांग्रेस, शंकरलाल ललवानी अध्यक्ष इन्दौर विकास प्राधिकरण, मधु वर्मा पूर्व अध्यक्ष इन्दौर विकास प्राधिकरण, मुख्य आयोजन समिति के अध्यक्ष रमेश मेंदोला, कार्यकारी अध्यक्ष रणछोड़दास गनेड़ीवाल, महामंत्री गोपाल न्याती, संयोजक सत्यनारायण राठी, उपाध्यक्ष रामेश्वरलाल असावा, भारतभूषण छाजेड़ अहमदाबाद, गिरधारीलाल सारडा व बासु टीबडेवाला,मंत्री संतोष मानधनिया व ओमप्रकाश बियानी, कोषाध्यक्ष धनराज कोठारी, सहकोषाध्यक्ष आर.आर. गुप्ता, प्रचार मंत्री रामस्वरूप मूंदडा व दिनेश जोशी आदि की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

अतिथियों का स्वागत आयोजन समिति की ओर से किया गया। भूमिपूजन के पश्चात समस्त आगंतुकों के लिये भोजन प्रसादी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में देश के कोन-कोने से आए श्रद्धालु उपस्थित थे। इस महायज्ञ के अंतर्गत 1 से 9 नवंबर तक मलूक पीठाधीश्वर संत श्री राजेंद्रदासजी महाराज के श्रीमुख से श्रीराम कथा का आयोजन भी होगा।

36 वर्ष पूर्व लिया था संकल्प

जगदगुरु श्री कांताचार्यजी ने अयोध्या में रामजन्म भूमि की मुक्ति की कामना लेकर 1981 में 108 श्री लक्ष्मीनारायण यज्ञ का संकल्प लिया और इसकी शुरुआत काशी से की। रामजन्म भूमि की आंशिक मुक्ति के बाद स्वामीजी ने अपने संकल्पित यज्ञों का सिलसिला जारी रखा, इसका लक्ष्य अब जनकल्याण व राष्ट्र कल्याण हो गया। वर्ष 1995 से वे लगातार यज्ञ के इस सिलसिले को जारी रखते हुए हैं। उनका मानना है कि कलयुग में भगवान वेंकटेशन साक्षात प्रभु हैं और यज्ञ कर्मक्षेत्र है जो सामाजिक सोच को बदलकर ब्रह्म को पहचान कराने का एकमात्र साधन है। नई पीढ़ी को आत्मज्ञान के साथ-साथ भगवान में विश्वास की भावना को उदय कराना ही हमारे देश की संस्कृति रही है। इसी संस्कृति की स्थापित करने का लक्ष्य लेकर स्वामीजी ने आत्मचिंतन कर अपनी आत्मा की आवाज को पहचाना तथा प्राणीमात्र के कल्याण हेतु इस महान लक्ष्य को पूर्ण करने में अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया।

उज्जैन में की दिव्यदेश की स्थापना

जगदगुरु स्वामी श्री श्रीकांताचार्य महाराज ने अपने सांसारिक जीवन का त्याग कर वर्ष 1974 में अयोध्या निवासी ब्रह्मलीन जगदगुरु रामानुजाचार्य श्री रामनारायणचार्य से दीक्षा ली थी। दीक्षा के पश्चात उन्होंने धर्म का प्रचार ही अपना लक्ष्य बना लिया और इसके लिए देश भ्रमण पर निकल पड़े। आज के आधुनिक युग में धर्म का भीषण ह्रास हुआ है जो राष्ट्र के गौरव में प्रश्नचिह्न लगाता है। अपनी संस्कृति को स्थापित करने का लक्ष्य लेकर अपने भ्रमण के दौरान स्वामीजी 1985 में उज्जैन आए और यहीं के होकर रह गए। आपने यहाँ दिव्यदेश तिरुपति धाम मंदिर की स्थापना की गई जो आज अपनी भव्यता के साथ दक्षिण भारतीय संस्कृति की धरोहर है जहाँ भगवान वेंकटेशन अपनी संरचनाओं के साथ विराजित हैं।

कैसे बने सहयोगी

इस महायज्ञ में कोई भी श्रद्धालु सहयोगी बन सकते हैं। इसके लिये अपनी सहयोग राशि 108 वां श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ समिति इंदौर के नाम से देय चेक, ड्राफ्ट द्वारा अथवा आरटीजीएस से सीधे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया खेल प्रशाल शाखा इंदौर के खाता क्रमांक 36920619921 आईएफएससी कोड एसबीआईएन 0030340 में सीधे जमा की जा सकती है।

बस्तर के सुदूर क्षेत्र में पहुँचा संगठन

अभा संगठन मंत्री ने किया तीन दिवसीय छग प्रवास, जाने वनांचल के समाजजनों के हाल

सुकमा (छग). सुकमा को लेकर जो भी भ्रांतियां थीं वो यहां आने से दूर हो जाती हैं। सुकमा की पहचान को देश के कोने-कोने तक पहुंचाने मे यहां के माहेश्वरी समाज के बंधुओं ने अहम भूमिका निभाई है। उक्त उद्‌गार प्रदेश माहेश्वरी सभा द्वारा आयोजित संगठन आपके द्वार के तहत आयोजित बैठक में अखिल भारतीय माहेश्वरी सभा के संगठन मंत्री अजय काबरा ने व्यक्त किये। संगठन आपके द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री काबरा, उपसभापति (मध्यांचल) मोहनलाल राठी, अ.भा.मा. म.स. के कार्यसमिति सदस्य ब्रजकिशोर सूरजन, डीडी भूतड़ा व कार्यकारी मंडल सदस्य श्याम सोमानी के सान्निध्य में धमतरी व बस्तर जिले का दौरा किया। इसमें छग प्रादेशिक सभा अध्यक्ष विट्ठलदास भूतड़ा, प्रदेश मंत्री नारायण राठी व संगठन मंत्री राजकुमार राठी के नेतृत्व में प्रदेश सभा के सभी पदाधिकारी व छह जिलाध्यक्ष, जिला सचिव, महिला व युवा संगठन पदाधिकारी शामिल हुए। प्रदेश सभा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में आठ से दस वाहनों के काफिले के साथ धमतरी व बस्तर जिले के जहाँ एक ओर स्थित दूरस्थ वनांचल क्षेत्र गीदम, तोंगपाल, सुकमा,दंतेवाड़ा, कोंडागाँव, केशकाल, कांकेर जैसे क्षेत्र के संगठनों का भ्रमण किया गया, वहीं दूसरी ओर अभनपुर, कुरुद, राजिम, धमतरी, जगदलपुर जैसे शहरी क्षेत्रों का भी भ्रमण किया गया।

जैसा सुना उसके विपरीत निकला

श्री काबरा ने कहा सुकमा को लेकर जो देश के अंदर विभिन्न तरह की भ्रांतियां हैं। वो यहां आने से दूर हो जाती हैं। भले ही सुकमा को दूसरे नामों से जाना जाता हो लेकिन यहां के लोगों ने व्यापारिक, सामाजिक व राजनीतिक क्षेत्र में कई आयामों को तय किया है। सुकमा माहेश्वरी समाज के कई बंधु आज देश-विदेश में देश के साथ गांव व समाज का नाम रोशन कर रहे हैं। श्री काबरा ने कहा कि माहेश्वरी समाज भले ही संख्या बल में अन्य से कम हो लेकिन आज समाज ने देश के विकास में कदम से कदम मिलाकर कई आयाम तय किए हैं।

प्रथम बार वन क्षेत्र भ्रमण

इस दौरान बहुत ही सादगीपूर्वक जाजम शैली में दरी लगाकर बैठक आयोजित कर समाजबंधुओं की समस्याएं सुनी। छत्तीसगढ़प्रदेश के स्वर्णिम इतिहास में यह अपने तरह का पहला दौरा था, जिसमें इतनी बड़ी संख्या में पदाधिकारियों द्वारा पूरे तीन दिन संगठन आपके द्वार कार्यक्रम के तहत दोनों जिले के प्रायः सभी संगठनों में पहुँचने का प्रयास किया गया। श्री काबरा ने समाजबंधुओं द्वारा महासभा से संबंधित दिए सुझावों को महासभा में रखने का आश्वासन दिया। चित्रकूट, तीरथगढ़ जैसे सुरम्य नैसर्गिक जलप्रपातों, बारसुर में 12वीं सदी के गणेशजी के मंदिर, दंतेवाड़ा के दंतेश्वरी मंदिर में माताजी के दर्शन किए। प्रदेश महामंत्री नारायण राठी ने संगठन आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान स्थानीय महिला संगठन व युवा संगठन के साथियों का अभूतपूर्व सहभागिता व सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का प्रयास

छग प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष विट्ठल दास भुतड़ा ने आयोजित कार्यक्रम ''संगठन आपके द्वार'' के उद्देश्य के बारे मे बताते हुए कहा कि संगठन की यही सोच रही है कि प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारी समाज के उन वर्गों तक जाएं जो अंतिम छोर पर बस कर विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं। श्री भूतड़ा ने कहा बस्तर के कई क्षेत्रों में आने पर ऐसा लगता है जैसे कि राजस्थान का ही दूसरा रूप हो। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बहुचर्चित छग से रामेश्वरम यात्रा की पुस्तिका का विमोचन किया गया। यात्रा प्रभारी व धमतरी जिला संगठन अध्यक्ष नंदकिशोर राठी ने इस आयोजन के बारे में विस्तार से बताया।

With Best Compliments from
Narayan Lahoti
Rasbihari Lahoti
Manufacturers of Alum
Ganpati
Chemicals & Minerals
Office
Ganpati Complex, Main Road, Bhandara (MS.)-441904
Ph. 07184-254119 (O), 202021 (F)
Work
Gat No. 89/1, Village- Ashok Nagar,
National Highway No. ,
Post-Shahapur, Dist. Bhandara (MS.)

With Best Compliments
Maheshwari
Steel Traders
Deals in : Plates, Channel, Joist &
Other Structural Items
Delaler of : Kamdhenu TMT, SAIL TMT
Exclusive Dealer of :
ACC Cement
Murlidhar Rathi
9009992403
Ashok Rathi
9826166215
G.E. Road, Pulgaon Naka, Durg-491001 (C.G.)
Ph. 0788-2210538, 4031520

संगठन आपके द्वार पहुंचा संगरिया

संगरिया. अभा माहेश्वरी महासभा के प्रकल्प संगठन आपके द्वार कार्यक्रम के तहत उत्तर राजस्थान प्रादेशिक सभा व हनुमानगढ़ जिला संगठन की टीम ने संगरिया का दौरा किया। कार्यक्रम की शुरुआत जिला उपाध्यक्ष कृष्णकुमार करवा ने की। प्रदेशाध्यक्ष सोहनलाल गट्टाणी ने महासभा के आर्थिक सर्वेक्षण व जनगणना कार्यक्रम के बारे में बताते हुए कहा कि इससे समाज की सही संख्या व जरूरतमंद परिवारों का आवश्यक डाटा प्राप्त हो सकेगा व इससे कमजोर परिवारों को संबल प्रदान करने का कार्य गति से किया जा सकेगा। प्रदेश महामंत्री किशन मूंधड़ा ने समाज की योजनाओं के बारे में जानकारी दी। प्रदेश संगठन मंत्री मदनगोपाल लड्ढा ने वर्तमान सत्र की योजनाओं, कार्यकारिणी सदस्य सुनीलकुमार राठी ने जिले में प्रदान की जा रही पेंशन योजनाओं, जिलाध्यक्ष शिवभगवान ढुढाणी ने जिले की इकाइयों के गठन के बारे में, जिला सदस्य ओमप्रकाश करवा ने युवक-युवतियों के विवाह प्रसंग में हो रही देरी के लिए सुधार नीति बनाने, सचिव लखन करवा ने समाज योजनाओं की जानकारी के लिए आभार जताया। प्रदेश प्रवक्ता कपिल करवा ने समाज की औद्योगिक इकाइयों में समाज के युवाओं को नौकरी में प्राथमिकता देने की मांग की। इस अवसर पर स्थानीय अध्यक्ष सीताराम सोमानी, संरक्षक कृष्णभगवान बिहाणी, प्रदेश उपाध्यक्ष विजय थिरानी, अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के सदस्य रतनलाल लाहोटी, जिला महामंत्री राधेश्याम लखोटिया, जिला उपाध्यक्ष कृष्णकुमार करवा, स्थानीय उपाध्यक्ष पवन राठी, युवा संगठन के अध्यक्ष महेश लखोटिया, उपाध्यक्ष पवन सोमानी, कोषाध्यक्ष नवीन पेड़ीवाल आदि उपस्थित थे।

मूंदड़ा–भंडारी सम्मानित

सुमिता मूंधड़ा

मालेगांव. नासिक जिलास्तर कहानी लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सुमिता राजकुमार मूंधड़ा को एवं नासिक जिलास्तर सेल्फी प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त करने पर बीना भंडारी को सम्मानित किया गया। गायत्री मर्दा ने मंडल को माइक भेंट किया। वंदना जाजू, शारदा लाहोटी, सुमिता मूंधड़ा, किरण जाजू, भगवती भूतड़ा आदि सदस्याओं का सहयोग रहा। नाशिक जिलास्तरीय कहानी लेखन स्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सुमिता राजकुमार मूंधड़ा को येवला में प्रशस्ति पत्र और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। श्रीमती मूंधड़ा ने कविता और लेखन के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।

सोनी बने संगठन मंत्री

भीलवाड़ा. हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड रामपुरा आगूचा माइंस में कार्यरत मजदूरों के पथ प्रदर्शक एवं आगूचा खान मजदूर संघ के महामंत्री महेंद्रकुमार सोनी को राष्ट्रीय खान मजदूर महासंघ का संगठन मंत्री चुना गया। इस उपलब्धि पर सामाजिक व राजनीतिक संस्थाओं, स्नेहीजनों व परिजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

गणेशोत्सव का किया आयोजन

अहमदाबाद. माहेश्वरी सखी संगठन ने सुचिता समिति के अंतर्गत गणेशोत्सव मनाया गया। इसमें दो स्पर्धाएँ रखी गईं। सभी प्रतियोगियों ने बहुत ही सुंदर-सुंदर गणेशजी के कोलाज बनाए। इसमें वेस्ट चीजों का उपयोग किया गया। विजेता प्रथम अनुभा कोठारी, द्वितीय गोपिका नावंदर व तृतीय भाग्यश्री मूंदड़ा रहीं। विनायकजी की कहानी में प्रथम भाग्यश्री मूंदड़ा, द्वितीय सुमन मूंदड़ा, तृतीय टीना राठी और चतुर्थ मधु मूंदड़ा रहीं। निर्णय पुष्पलता मालपानी एवं सुनीता अग्रवाल ने दिया।

> "गलती नीम की नहीं की वो कड़वा है,
> खुदगर्ज तो जुबां है
> जिसे सिर्फ मीठा पसंद है।"

कार्यशाला 'खिलती कलियां' का आयोजन

चंद्रपुर. स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा 11 से 21 वर्षीय किशोरियों के लिए स्वास्थ्य संबंधी व अवांछनीय तत्वों द्वारा आने वाली समस्याओं से संबंधित कार्यशाला 'खिलती कलियाँ' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम सत्र में अकोला निवासी ख्यात चिकित्सक डॉ. वंदना बागड़ी ने बचाव के उपायों पर चर्चा की, जिसे किशोरियों ने बहुत सराहा। द्वितीय सत्र में महिलाओं को होने वाले स्तन कैंसर व अन्य बीमारियों से संबंधित विषयों पर डॉ. बागड़ी ने मार्गदर्शन दिया। डॉ. रुजुता मुंधड़ा ने भी महिलाओं से चर्चा की। महिला मंडल अध्यक्ष निर्मला जाजू के निर्देशन में पूजा मुंधड़ा, दीपा जाजू, हर्षा तोषनीवाल, मोनिका सोमानी, पूजा माहेश्वरी, आरती चांडक, रक्षा नावंधर, किरण चांडक, दुर्गा सारडा, तृप्ता बजाज, स्वाति माहेश्वरी, राधा भट्टड़, श्यामल जाजू, कविता लोहिया, पायल सारड़ा आदि का सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन पूजा मुंधड़ा ने किया।

पुरी तीर्थ यात्रियों को मिलेगी श्री माहेश्वरी सेवा कुंज की सौगात

भुवनेश्वर. श्री अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट (द्वारका-गुजरात) की ओर से पुरी में तीर्थ यात्रियों की सुविधा के लिए श्री माहेश्वरी सेवा कुंज भवन बनाने की योजना को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आधुनिक सुविधाओं से युक्त सुसज्जित भवन के निर्माण के लिए ट्रस्ट की ओर से 36 हजार वर्गफीट की जमीन का चयन कर खरीद लिया गया।

यह जमीन न्यूज मरीन ड्राइव रोड पर ब्लू-लीली होटल एवं रिसोर्ट के पास, समुद्र किनारे से 250 मीटर की दूरी पर और श्री जगन्नाथ मंदिर से करीबन तीन किमी दूरी पर स्थित है। प्राकृतिक सौंदर्य सहित उक्त स्थल के आसपास कई होटल व रिसोर्ट भी मौजूद हैं, जिससे सभी मूलभूत सुविधाओं का लाभ पुरी में आने वाले यात्रियों को मिल सकेगा। योजना के तहत प्रथम चरण में यहां पर अत्याधुनिक 60 एसी कमरों, एक एसी सत्संग हॉल, रसोईघर व भोजन के लिए एसी हॉल का निर्माण होगा। इस धाम में आने वाले यात्रियों एवं समाज के बंधुओं, पारिवारिक उत्सवों का आयोजन करने वालों को इस भवन का पूरा-पूरा लाभ मिल सकेगा। गत चार सितंबर को इस भूखंड के शुद्धिकरण के लिए पूजा का आयोजन पुरी भवन के संयोजक लालचंद मोहता द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष रामस्वरूप जेथल्या, द्वारका प्रसाद धूत, माहेश्वरी सेवा सदन के कार्यसमिति सदस्य संपतमल बिड़ला व कैलाश करवा, पुरी भवन के सहसंयोजक घनश्याम पेड़ीवाल, हीरालाल चांडक, कृष्णाराम पंडा व उनके सहयोगी उपस्थित थे। शंकरलाल मूंधड़ा, सत्यनारायण लाठी, अशोक झँवर, नंदकिशोर माहेश्वरी, महावीरप्रसाद राठी, सत्यनारायण झँवर सहित क्षेत्र के कई समाजजन मौजूद थे।

सभापति ने किया उस्मानाबाद का भ्रमण

उस्मानाबाद. अभा माहेश्वरी महासभा के सभापति श्यामसुंदर सोनी ने गत 29 जुलाई को अपनी पूरी टीम के साथ सुबह 10 से रात 11 बजे तक उस्मानाबाद जिले के माहेश्वरी परिवारों के साथ वार्तालाप किया। इस अवसर पर समाजजनों को संबोधित करते हुए श्री सोनी ने हर माहेश्वरी परिवार का सामाजिक, आर्थिक सर्वेक्षण करने के उद्देश्य तथा उसकी आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने सामाजिक कार्यकर्ता श्रीकिशन भंसाली के कार्यों का उल्लेख करते हुए उनका भी अभिनंदन किया। प्रदेशाध्यक्ष मधुसूदन गांधी ने प्रदेश सभा की विभिन्न समितियों के उद्देश्य की जानकारी देकर उसका लाभ लेने का आह्वान किया। उपाध्यक्ष अशोक बंग ने समाज के प्रतिभावान छात्रों का प्रशासकीय सेवा में जाने के लिए प्रयास करने का आह्वान करते हुए इन छात्रों के लिए महासभा द्वारा प्रशिक्षण, छात्रावास, छात्रवृत्ति आदि के लिए सहयोग देने की घोषणा की। दक्षिणांचल के संयुक्त मंत्री सतीश चरखा ने संगठन की मजबूती और आवश्यकता की जानकारी दी।

पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक सभा की बैठक सम्पन्न

थाना (बूंदी). पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा एवं बूंदी जिला माहेश्वरी सभा के कार्यकारी मंडल की बैठक जिला माहेश्वरी सभा बूंदी के आतिथ्य में स्थानीय माहेश्वरी भवन में आयोजित की गई। घनश्याम नकलक जिलाध्यक्ष एवं चंद्रभान लाठी जिला मंत्री ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि राजेशकृष्ण बिरला सदस्य कार्यसमिति महासभा व बालकृष्ण बांगड़ प्रदेशाध्यक्ष थे। कोटा जिला सभा मंत्री ओम गट्टानी, बारां जिला सभा मंत्री कमलेश सथुरिया व बूंदी जिलाध्यक्ष घनश्याम नकलक ने अपने-अपने जिलों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रदेश मंत्री घनश्याम लाठी ने बताया कि इस अवसर पर पुरुषोत्तम नुवाल उपाध्यक्ष, महावीर तोतला संयुक्त मंत्री, नरेंद्रमोहन मूंदड़ा कोषाध्यक्ष, सुरेशचंद्र काबरा सहमंत्री व सत्यनारायण सोमानी ने अपने विचार प्रकट किए।

नंदोत्सव का किया आयोजन

इंदौर. श्री दक्षिण क्षेत्र माहेश्वरी महिला मंडल ने गत 21 अगस्त को बालाजी वेंकटेश मंदिर गुमाश्ता नगर में नंदोत्सव मनाया। इसमें सैकड़ों महिलाओं ने उत्सव व भजनों का आनंद लिया। नंद बाबा व यशोदा, कुलदीप-निशा कचोलिया बने। अध्यक्ष अन्नपूर्णा मूंदड़ा, दीप्ति भूतड़ा, पिंकी काकानी, सुधा मूंधड़ा, साधना कचोलिया सहित महिला संगठन दक्षिण क्षेत्र, दक्षिण क्षेत्र समाज, दक्षिण क्षेत्र युवा संगठन आदि का योगदान रहा। जिले से प्रमिला भूतड़ा, मंजू भलिका और क्षेत्रीय संगठन अध्यक्ष कमलकिशोर बाहेती व सचिव रूपेश भूतड़ा उपस्थित थे। जानकारी संयोजक रचना लाठी, दीप्ति मंडोरा, राजकुमारी बजाज ने दी।

शिव वंदना व झूलोत्सव सम्पन्न

रायपुर (छग). माहेश्वरी समाज द्वारा श्री गोपाल मंदिर में तीज झूलों का उत्सव मनाया गया। सावन मास में भगवान महेश की पूजा की गई। इसमें अभिषेक, शृंगार आरती एवं प्रसादी का आयोजन किया गया। राजकुमार चितलांग्या, विजय दम्मानी, सुरेश बागड़ी, शिवरतन सादानी, राजकिशोर नत्थानी, बद्रीदास झँवर, ओमप्रकाश नागौरी, देवरतन बागड़ी आदि का सहयोग प्राप्त हुआ।

सिवनी के 'नायक' बने कलेक्टर डाड

सिवनी-मालवा. इन दिनों समूचे सिवनी मालवा जिले में माहेश्वरी समाज के कलेक्टर गोपाल डाड आमजन की चर्चाओं में हीरो बने हुए हैं। ताबड़तोड़ निर्णय लेना, दोषी व दागी नौकरशाह पर तत्काल कार्रवाई कर उन्हें दंडित करना उनकी कार्यशैली है। कलेक्टर श्री डाड की एसपी नायक के सहयोग से तैयार रणनीति का परिणाम ही है कि जिले में शांति व्यवस्था पूर्ण रूप से संजोए हुए हैं। बीते दिनों जो कार्रवाई कलेक्टर श्री डाड ने की उसने गैर जिम्मेदार अधिकारियों तथा कर्मचारियों में हड़कंप मचा दिया है। सभी समझ गए हैं कि समय रहते यदि दागी जिम्मेदार शासकीय अधिकारी एवं कर्मचारियों ने अपनी कार्यप्रणाली में सुधार नहीं किया तो उन पर भी कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित है।

कलेक्टर श्री डाड ने अपने समस्त विभागीय अमले के जिम्मेदारों को चेताया है कि समय सीमा में शिकायतों का निराकरण करें और किसी भी जनहित के कार्य में कोताही बरतकर लापरवाही पूर्ण कार्य न करें। वरना उसकी सारी जिम्मेदारी आपकी होगी। इसी के चलते श्री डाड ने बीते दिवस कार्य में लापरवाही के चलते एक आरआई को निलंबित कर दिया।

एबी ज्वेलर्स शोरूम का भव्य शुभारंभ

भीलवाड़ा. शहर के एमजी हॉस्पिटल रोड पर भगत टावर में कुंदन, डायमंड से लेकर सोना चांदी तक सभी तरह के आभूषण उपलब्ध कराने के लिए बहेड़िया परिवार के नवीनतम दो मंजिला शोरूम ए.बी. ज्वैलर्स का भव्य शुभारंभ गत 30 जुलाई को सीकर के रेवासाधाम पीठाधीश्वर जगतगुरु डॉ. स्वामी राघवाचार्य वेदांती अग्रपीठाधीश्वर के पावन सान्निध्य में विधि-विधानपूर्वक मंत्रोच्चार के साथ किया गया। दो मंजिला शोरूम पर विभिन्न प्रकार की आधुनिक ज्वैलरी का प्रदर्शन किया गया। शुभारंभ पर सांसद सुभाष बहेड़िया, विधायक विट्ठलशंकर अवस्थी, रामलाल गुर्जर, डॉक्टर बालूराम चौधरी, नगर विकास न्यास अध्यक्ष गोपाल खंडेलवाल, सभापति ललिता समदानी, भाजपा जिलाध्यक्ष दामोदर अग्रवाल, पूर्व नगर परिषद सभापति ओमप्रकाश नरानीवाल, अनिल बल्दवा, संगम ग्रुप के चेयरमैन रामपाल सोनी, महासभा के उपसभापति देवकरण गग्गड़, दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा अध्यक्ष कैलाश कोठारी आदि मौजूद थे। स्वागत बहेड़िया परिवार के आनंदीलाल, मुकुट बिहारी, मधुसूदन, रामप्रकाश, मनीष, निश्चल, आश्चर्य एवं रघुनंदन बहेड़िया ने किया।

महिला विभाग ने वितरित की सिलाई मशीने

हैदराबाद. माहेश्वरी समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद के महिला विभाग द्वारा जरूरतमंद महिलाओं को बेगम बाजार स्थित माहेश्वरी भवन में सिलाई मशीनें भेंट की गईं। अध्यक्ष शकुंतला नावंदर एवं मंत्री संतोष भंडारी ने बताया कि महिला विभाग द्वारा जरूरतमंद महिलाओं को स्वावलंबी बनाने हेतु प्रतिमाह सिलाई मशीनों का वितरण किया जाता है। इस बार संगीता लोया द्वारा सिलाई मशीनें भेंट की गईं। इस अवसर पर पुष्पा बूब, अनुराधा नावंदर, उर्मिला मूंदड़ा, अन्नपूर्णा राठी, गीता मालपानी, निर्मला बजाज, शोभा लाहोटी, गीता सारडा आदि का पूर्ण सहयोग रहा।

'जिंदगी का सफर' का हुआ आयोजन

नागपुर. नगर माहेश्वरी सभा नागपुर जोन 1 द्वारा गत 20 अगस्त को वसंतराव देशपांडे सभागृह में 'जिंदगी का सफर' एक म्यूजिकल मेलोडियस रोमांटिक गीतों पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किया गया। वसंतराव देशपांडे सभागृह में एक लाइव म्यूजिकल चैट प्रस्तुत की गयी जो अपने आप में एक अनूठा एवं यादगार आयोजन रहा। प्रस्तुति देने हेतु अकोला के चंद्रकांत तिवारी व उनके साथ सारेगामा में प्रस्तुति देने वाले कलाकार उपस्थित थे। कार्यक्रम में आमदार गिरीश व्यास, विदर्भ जनआंदोलन समिति के किशोर तिवारी, दयाशंकर तिवारी, जयप्रकाश गुप्ता, राजेश बागड़ी सहित कई गणमान्य पदाधिकारियों पूर्व अध्यक्ष रमेश मंत्री, नंदूबाबू सारडा आदि ने इस आयोजन का लुत्फ उठाया। नगर माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष पुरुषोत्तम मालू, व सचिव राजेश काबरा ने झोन 1 के पदाधिकारियों का आभार माना।

"बहस
सिर्फ यह सिद्ध करती है कि
'कौन सही है'
जब की बातचीत यह तय करती है कि
'क्या सही है'"

प्रादेशिक बैठक में किया प्रदेश की बहू को सम्मानित

दिल्ली. उत्तरांचल के अंतर्गत दिल्ली प्रदेशाध्यक्ष किरण लढा व सचिव श्यामा भांगड़िया, कार्यसमिति सदस्य उमा झंवर के नेतृत्व में प्रादेशिक बैठक आयोजित की गई। इस विशेष कार्यक्रम में महासभा द्वारा प्रदेश की बहू को सम्मानित किया गया। संस्था द्वारा सतत पौधारोपण महाअभियान चलाया जा रहा है। सुश्रिता समिति के अंतर्गत पश्चिमी क्षेत्र की सदस्याओं द्वारा मिट्टी के गणेश तैयार किये गए। सुलेखा समिति के अंतर्गत प्रादेशिक स्तर पर कहानी लेखन स्पर्धा आयोजित करवाई गई। संचारिका समिति के अंतर्गत फेसबुक व व्हाट्सएप पर सूचनाएं व रिपोर्ट्स अपलोड की जाती हैं। सुचिता समिति के अंतर्गत तीज उत्सव धूमधाम से मनाया। दक्षिणी क्षेत्र ने जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में नंदोत्सव व लड्डू गोपाल का स्नेह सम्मेलन गुरुग्राम में मनाया। दिल्ली प्रदेश ने 10 दिन चलने वाले गणपति महोत्सव में भगवान गणेश की पूजा-अर्चना, महाआरती व प्रसाद की सेवा भी की। उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र ने स्वतंत्रता दिवस पर झंडा फहराया व राष्ट्रगान गाया।

मूंदड़ा दम्पत्ति सचिव-सहसचिव

मालेगांव. लायंस क्लब ऑफ मालेगांव साउथ में समाजसेवी राजकुमार मूंधड़ा का सेक्रेटरी और सुमिता मूंधड़ा का ज्वाइंट सेक्रेटरी के पद पर नव-निर्वाचन हुआ। एमजेएफ डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन गिरीश मालपानी और पूर्व-अध्यक्ष लायन आशीष झंवर ने श्रीमती मूंधड़ा को लायंस क्लब द्वारा लायन लेडी ऑफ द ईयर 2016-17 के सम्मान से भी पुरस्कृत किया। मूंधड़ा दंपति कई अन्य सामाजिक संगठनों के भी सक्रिय और कार्यशील सदस्य हैं।

बेटी पैदा होने पर बांटेंगे मिठाई

इंदौर. माहेश्वरी समाज को बहू की चिंता सताने लगी है। समाज में एक हजार लड़कों पर लड़कियों की संख्या सिर्फ 800 रह गई है। लिंगानुपात दुरुस्त करने के लिए समाज ने हर स्तर पर प्रयास शुरू कर दिए हैं। स्थानीय समाज ने निर्णय लिया है कि इसी कड़ी में अब किसी भी घर में बेटी का जन्म होगा तो समाज ढोल-ताशे के साथ वहाँ जाकर खुशियाँ मनाऐगा। मिठाई बांटेंगे और हाथोहाथ बच्ची के नाम एफडी कराई जाएगी। बेटियों को प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा की व्यवस्था के लिए ट्रस्ट बनाया गया है। महासभा की साहित्य प्रकाश समिति के सदस्य रामस्वरूप मूंदड़ा ने बताया कि पांच करोड़ की राशि से महेश बल्दवा ट्रस्ट की स्थापना की गई है, जिसके जरिये बेटियों को प्राथमिक व मा.वि. शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी।

मालीवाल राष्ट्रपति पदक से सम्मानित

भीलवाड़ा. जेल उपाधीक्षक सुमन मालीवाल को मुख्यमंत्री वसुंधराराजे द्वारा गत 15 अगस्त को उनकी कर्तव्यनिष्ठा, परिश्रम, नवाचार, परिणामदायक कार्यशैली, धैर्य, साहस व प्रबंधन क्षमता के लिये राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया गया। श्रीमती मालीवाल द्वारा जयपुर, अजमेर एवं भीलवाड़ा कारागृह में बंदी सुधार व पुनरुत्थान, जयपुर कारागृह में आईटीआई में 2 नये ट्रेड प्रारंभ करवाने, नशा प्रवृत्ति रोकने, 700 गुर्जर आंदोलनकारियों को जेल में बंद करने पर उत्पन्न हुई गंभीर स्थिति को नियंत्रित करने, भीलवाड़ा कारागृह में 370 कैदियों को साक्षर करने, कैदियों को उच्च शिक्षित हेतु प्रेरित करने सहित कई उत्कृष्ट

बांगड़ मेमोरियल हॉस्पिटल का शुभारंभ

भीलवाड़ा. देवरिया बालाजी के निकट बृजेश बांगड़ मेमोरियल हॉस्पिटल का कंचन समूह के चेयरमैन लादूराम बांगड़ व उनकी पौत्री खुशी बांगड़ ने शुभारंभ किया। इस अवसर पर त्रिदिवसीय विशाल निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन भी किया गया। शुभारंभ के अवसर पर बांगड़ परिवार की विजयलक्ष्मी, कृष्ण गोपाल, मंजू देवी, दुर्गेश, नीलेश, जयेश, रितेश बांगड़, भारत, श्रीकांत न्याति सहित कई गणमान्यजन मौजूद थे।

मंत्री बने अध्यक्ष व लढ़ा सचिव

निम्बाहेड़ा. हाल ही में लायंस क्लब डिस्ट्रिक्ट 3233 ई 2 के चुनाव में जगदीश मंत्री अध्यक्ष व कैलाश लढ़ा सचिव निर्विरोध चुने गये। क्लब के कुल 61 सदस्यों में से 22 सदस्य माहेश्वरी समाज से ही हैं।

With Best Compliments

Maheshwari Traders

Stockist :
Submercible, Monoblock, Pump, G.I. Pipes, Black Pipes, PVC Pipes Fittings & Generator

Auth. Dealer :
Balaj, Crompton, Sabar, Bharat, Techmo, VSG & Dura Pumpset

Mahesh
93004 08651

G.E. Road, Ganjpara, Durg-491001 (C.G.)
Ph. 0788-2323051, 2210711

रामचरितमानस मास पारायण का आयोजन

पुणे. श्री माहेश्वरी बालाजी मंदिर पुणे में प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी श्री रामचरित मानस का मास पारायण आयोजित किया गया। संस्था अध्यक्ष सुरेश नावंदर ने सपत्नीक विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोगी बने रमेश जाजू, केसरमल राठी, घनश्याम मूंदड़ा, शकुंतला सोनी आदि का सम्मान किया गया। संस्था अध्यक्ष सुरेश नावंदर के साथ सत्यनारायण बजाज, श्याम राठी (शिवणे), जगदीश राठी तथा बालाजी मंडल की शकुंतला फोफलिया, शोभा भट्टड़, शकुंतला सोनी, उषा झँवर, मंगल नावंदर, अरुणा भट्टड़ आदि का सहयोग रहा।

जन्माष्टमी का हुआ आयोजन

मालेगांव. महालक्ष्मी माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा हरियाली तीज और कृष्ण जन्माष्टमी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। दोनों त्योहारों के अनुरूप कार्यक्रम स्थल को चुनड़ और छोटी-छोटी मटकियों से सजाया गया। सभी सदस्यों को लहरिया साड़ी और सोलह शृंगार की थीम दी गई। जन्माष्टमी उत्सव को नन्हे बाल-गोपालों की स्पर्धा के साथ मनाया गया। 5 वर्ष तक के छोटे बच्चे कृष्ण बनकर ठुमकते-ठुमकते आये और छोटे-छोटे कृष्ण संबंधी प्रश्नों का उत्तर बखूबी दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतियोगी बालकृष्ण ने मिलकर दही-हांडी फोड़ी। मंडल अध्यक्ष सरिता बाहेती ने कार्यक्रम का सूत्रभार संभाला।

भूतड़ा बनी नगर सेविका

अमरावती. भाजपा पार्टी की ओर से साईंनगर प्रभाग से डॉ. ओमप्रकाश भूतड़ा की धर्मपत्नी रेखा भूतड़ा नगरसेविका चुनी गई। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

सुदा को राजस्तरीय पुरस्कार

अमरावती. समाज की रंगोली कलाकार माधुरी सुदा को राज्यस्तरीय सह्याद्री कलोपासक विक्रमरत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें महिला, अनाथ, अपंग आदि की अपनी कलाकृति के माध्यम से सेवा के लिए गोविंद छावडे कला सांस्कृतिक मंत्री गोवा द्वारा यह पुरस्कार दिया गया।

डांगरा बने समाज अध्यक्ष

जैसलमेर. माहेश्वरी समाज की आमसभा में अमृतलाल डाँगरा को नए अध्यक्ष के रूप में चुना गया। इससे पहले की कार्यकारिणी का कार्यकाल समाप्त हो चुका था। इसमें मदनलाल डाँगरा अध्यक्ष व महेश भूतड़ा मंत्री थे।

समाज की प्रतिभाओं को सम्मान

सौंसर. गत 13 अगस्त को सौंसर तहसील माहेश्वरी सभा द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि अभा माहेश्वरी महासभा के सभापति श्यामसुंदर सोनी थे। छिंदवाड़ा जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष रमेश जखोटिया, सचिव नरेश बागानी, मध्यक्षेत्रीय माहेश्वरी सभा के सदस्य संजय राठी, उज्जैन जिला माहेश्वरी सभा के सचिव गोपाल मोहता नागदा, सौंसर तहसील माहेश्वरी सभा अध्यक्ष राजेंद्र सांवल आदि मंचासीन थे। इस अवसर पर तहसील के समस्त माहेश्वरी विद्यार्थी जिन्होंने 10वीं एवं 12वीं में 85 प्रतिशत के ऊपर अंक प्राप्त किये, उनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन अजय नाहर द्वारा किया गया एवं पुरस्कार वितरण व आभार प्रदर्शन राजेंद्र सांवल द्वारा किया गया। ओमप्रकाश बागाणी, ब्रिजकिशोर चांडक, सतीश जावंधिया, आशीष चाँडक का सहयोग सराहनीय रहा।

मूंदड़ा अध्यक्ष, मंत्री सचिव

राजसमंद. गत 9 अगस्त को श्री महेश प्रगति संस्थान राजसमंद का सिंजारा कार्यक्रम व आमसभा का आयोजन रामेश्वर महादेव, राजसमंद में किया गया। इसमें युवा संगठन के चुनाव अधिकारी हरकचंद मंत्री एवं भगवतीलाल असावा के सान्निध्य में कराए गए। अध्यक्ष गौरव मूंदड़ा, उपाध्यक्ष रुचित असावा, द्वितीय गौरव माहेश्वरी, सचिव अनिष मंत्री एवं कोषाध्यक्ष मुकेश फोफलिया चुने गए।

"लोगों के पास हर समस्या का 'समाधान' होता है.. बस 'समस्या' दूसरे की होनी चाहिये!"

अन्नक्षेत्र का मना वार्षिकोत्सव

बीकानेर. गत 06 अगस्त को जस्सूसर गेट के अंदर स्थित श्रीकृष्ण अन्नक्षेत्र का 20वां वार्षिकोत्सव आयोजित हुआ। अध्यक्षता नौखा के प्रमुख समाजसेवी श्रीनिवास झंवर ने की। विशिष्ट अतिथि समाजसेवी शशिमोहन मूंधड़ा व अभा साधुमार्गी जैन संघ अध्यक्ष जयचंदलाल डागा थे। स्वागतकर्ता प्रमुख समाजसेवी एवं बीकानेर जिला माहेश्वरी युवा संगठन अध्यक्ष जुगल राठी थे। अन्नक्षेत्र संयोजक मगनलाल चाँडक ने बताया कि 20 वर्ष पहले बाबूजी हनुमानदास चाँडक की प्रेरणा से 12 बोरी गेहूं से चालू किया गया यह सफर 50 बोरी प्रतिमाह तक पहुंच गया है। फिलहाल 200 परिवारों को गेहूं व रसोई सामान उपलब्ध करवाया जाता है। अंत में अन्नक्षेत्र सहसंयोजक नारायणदास डागा ने आगंतुकों का आभार माना।

गुजरात युवा संगठन की बैठक सम्पन्न

अहमदाबाद. शाहीबाग स्थित सरदार पटेल स्मारक भवन में गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी युवा संगठन की कार्यकारिणी सभा आयोजित हुई। इसमें सर्वसम्मति से अहमदाबाद के विकास मूंधड़ा अध्यक्ष एवं सुरेंद्रनगर के नरेश धनराज केला मंत्री मनोनीत किये गये। श्री मूंधड़ा पहले अहमदाबाद जिला के अध्यक्ष रह चुके हैं एवं श्री भूतड़ा भाजपा के सक्रिय सदस्य एवं आईटी सेल के सदस्य भी हैं। प्रांतीय महामंत्री कृष्णकुमार चांडक का मार्गदर्शन सराहनीय रहा।

नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम सम्पन्न

शुजालपुर. गत 20 अगस्त को उत्कृष्ट विद्यालय में सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि बबीता परमार प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष एवं विशेष अतिथि वंदना चौहान थीं। अध्यक्षता मधु मंडलोई द्वारा की गई। पाठ्यक्रम की विस्तृत जानकारी परामर्शदाता जया माहेश्वरी, शिवनारायण पाटीदार, अरविंद शर्मा एवं नरेंद्र सोनी द्वारा दी गई। इस अवसर पर इसके साथ ही प्रदेश उपाध्यक्ष एवं समस्त विद्यार्थियों द्वारा पौधारोपण कर पौधों को संरक्षित रखने का संकल्प भी लिया गया।

सुंदरकांड पाठ का हुआ आयोजन

उदयपुर. महेश महिला सोसायटी उदयपुर द्वारा सुंदरकांड पाठ संकटमोचन हनुमान मंदिर सेक्टर 11 पर रखा गया। भजन मंडली का स्वागत समाजसेवी ललिता मूंदड़ा एवं उपाध्यक्ष पूनम भदादा द्वारा किया गया। महेश महिला सोसायटी संरक्षक राकेश मूंदड़ा एवं अध्यक्ष मंजू मूंदड़ा का अभिनंदन पंडित श्यामसुंदर मोड़ द्वारा किया गया। सुंदरकांड पाठ सोसायटी द्वारा निरंतर होता रहेगा। इसी क्रम में अगला पाठ उमा काबरा के यहां आयोजित होगा। सचिव नीलम पेड़ीवाल द्वारा सभी भक्तों का आभार व्यक्त किया गया।

समाज समिति का वार्षिकोत्सव सम्पन्न

जोधपुर. श्री माहेश्वरी समाज समिति पश्चिमी क्षेत्र का वार्षिकोत्सव व साधारण सभा का आयोजन आदर्श वाटिका में किया गया। सहसचिव श्यामसुंदर व समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश लाहोटी ने बताया कि मुख्य अतिथि रामकुमार भूतड़ा कोषाध्यक्ष प्रदेश भाजपा राजस्थान तथा विशिष्ट अतिथि समाजसेवी सुरेश राठी व डॉ. पवन सारड़ा हृदय रोग विशेषज्ञ थे। तत्पश्चात समाजसेवी दामोदरदास लोहिया व रवि गांधी (डीआईजी बीएसएफ) को समाज गौरव से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पुखराज फोफलिया, अरुण बंग, राजेंद्र राठी, सुरेश भूतड़ा, नीरज मूंदड़ा, दिलीप लाहोटी, राधेश्याम धूत, गिरीश बंग आदि का सहयोग रहा। मंच संचालन अशोक लोहिया चार्ली द्वारा किया गया।

रक्तदान के लिए समिति सम्मानित

अमरावती. रक्तदान के क्षेत्र में निःस्वार्थ भाव से समर्पित "दिनेश बूब रक्तदान समिति" को गत दिनों बॉम्बे ब्लड ग्रुप द्वारा तासगांव राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। संस्था के नितिन, चिरंजीलाल व शारदा माहेश्वरी ने बताया कि संस्था को कोटा राजस्थान सहित महाराष्ट्र में कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। संस्था का अपना वाट्सअप ग्रुप है, जिसके द्वारा जरूरतमंदों को यथाशीघ्र आवश्यकता होने पर रक्तदान किया जाता है।

"गुस्सा बहुत चतुर है, अकसर कमज़ोर पर ही निकलता है?"

पत्नी की स्मृति में रक्त तुलादान

अमरावती. व्यक्तित्व विकास के राष्ट्रीय प्रशिक्षक एवं अभा माहेश्वरी महासभा के बाल संस्कार व संस्कृति संवर्धन प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय संयोजक अनिल राठी ने अपनी दिवंगत पत्नी स्व. श्रीमती सुमन की पुण्यतिथि पर गत 13 अगस्त को ऋणानुबंध रक्तदान रक्ततुला शिविर का आयोजन किया। इसमें उनके पुत्र 13 वर्षीय हेमांश, भाई हरीश के 4 वर्षी पुत्र रेणित तथा नाती 3 वर्षीय हरीश को स्व. श्रीमती सुमन की तस्वीर लेकर तराजू के एक पलड़े में बैठाया गया। इस रक्तदान शिविर का आयोजन श्री राठी की दादी की स्मृति में गठित श्रीमती सिराकवरी बाई राठी ट्रस्ट की ओर से जेसीआई सेंचुरियन, रोटरी क्लब ऑफ अमरावती व अंबानगरी योग परिवार व रक्तदान समिति के सहयोग से किया गया।

गणपति सजावट प्रतियोगिता सम्पन्न

चंद्रपुर. स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल की ओर से पहली बार गणपति सजावट प्रतियोगिता रखी गई। इसमें समाज के सभी लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। महिला मंडल अध्यक्ष निर्मला जाजू, किरण चांडक, पूजा मूंधड़ा, शील राठी, दीपा जाजू ने निर्णय के साथ ही घर-घर जाकर गणपतिजी के दर्शन किए। विजेता के रूप में कल्पना बजाज, मधु बियानी, दीपिका, सीमा सारडा, स्नेहा मूंधड़ा, संध्या भट्टड़ का चयन किया गया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह सम्पन्न

काटोल. प्रतिवर्षानुसार गत 15 अगस्त को महेश भवन में ध्वजारोहण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. बद्रीप्रसाद भूतड़ा ने की। मुख्य अतिथि गीतादेवी दरक थीं। अतिथियों के साथ काटोली तालुका माहेश्वरी मंडल अध्यक्ष मोहन सांवल, सचिव राकेश चांडक, माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष निलीमा चांडक आदि द्वारा तिरंगा फहराया गया। निश्चय बिसानी, दिनेश भूतड़ा, मोहन केला, राजू बियानी, विद्यादेवी चांडक, किरण भूतड़ा, उषा सांवल, शांता कपूरिया, सुनीता चांडक आदि उपस्थिति थीं। इस अवसर पर समाज की ओर से 10वीं व 12वीं में सर्वोच्च अंक प्राप्त विद्यार्थियों का सत्कार किया गया।

"
लक्ष्य निश्चित होने के बाद
खामोशी से अपना काम कीजिए,
आपकी सफलता स्वयं शोर मचा देगी?
'स्वयं मियाँ-मिट्ठु ना बनें'
"

पदयात्रियों को अल्पाहार के पैकेट वितरित

गंगापुर. तहसील माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा चारभुजा पदयात्रियों को अल्पाहार के पैकेट वितरित किये गये। इसके अंतर्गत चारभुजा जाने वाले 1500 यात्रियों को अल्पाहार वितरण किया गया। संगठन के मीडिया प्रभारी अभिषेक मंडोवरा ने बताया कि संगठन के नारायण लड्ढा, नीलेश सोमानी, संजय सोडानी, तहसील माहेश्वरी युवा संगठन अध्यक्ष राजेश समदानी, संरक्षक संदीप बाल्दी, नवनीत समदानी, भावेश न्याति, राकेश जागेटिया व रामबाबू मूंदड़ा आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय अवॉर्ड से राठी का सम्मान

नागदा. इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स कौंसिल द्वारा डॉ. राधकिरश्ना मेमोरियल अवॉर्ड 2017 मनोज राठी बरदान को मुम्बई में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी बलविंदरसिंह संधू के मुख्य आतिथ्य में दिया गया। श्री राठी को यह सम्मान नागदा में मोहनश्री विद्यापीठ निःशुल्क स्कूल संचालित करने पर दिया गया। उक्त जानकरी विपिन मोहता ने दी।

डोल ग्यारस का हुआ आयोजन

राजोद. माहेश्वरी समाज राजोद द्वारा ढोल ग्यारस धूमधाम से मनाई गई। नरसिंह मंदिर से झांकी शुरू होकर ग्राम के प्रमुख मार्गों से होकर कोटेश्वरी नदी पहुँची। यहाँ पर भगवान को स्नान करवा कर पुनः मंदिर ले जाया गया। इस मौके पर सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे। जानकारी आयुष बाहेती ने दी।

एक लाख पौधारोपण की शुरुआत

कटोल. माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गत 15 अगस्त को एक पौधा लगाकर पौधारोपण का संकल्प लिया गया। अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा 1 लाख पौधे लगाने का संकल्प लिया गया। इसकी शुरुआत 15 अगस्त से की गई। इस अवसर पर अध्यक्ष नीलिमा चाँडक, विद्यादेवी चाँडक, किरण भूतड़ा, वंदना नबीरा, उषा सांवल, शांता कपूरिया, रेखा भूतड़ा, रूपल दरक, लता टावरी, दीपा चाँडक सहित समाज की अनेक महिलाएँ मौजूद थीं।

लाड़ो अभियान की कार्यशाला सम्पन्न

शुजालपुर. गत 2 अगस्त को महिला एवं बाल विकास द्वारा शुजालपुर में लाड़ो अभियान के तहत कार्यशाला का आयोजन सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में किया गया। इस कार्यक्रम की अधिकारी नीलम चौहान ने किशोरियों को उनके अधिकार एवं संरक्षण के बारे में जानकारी दी। उपस्थित मंचासीन अतिथियों में से जया माहेश्वरी द्वारा किशोरियों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारियाँ प्रदान की गईं। इसके पश्चात सभी अतिथियों एवं बालिकाओं को बाल विवाह ना करने व आसपास होने पर महिला एवं बाल विकास को सूचित करने की शपथ दिलाई गई।

निःशुल्क नेत्र शिविर का हुआ आयोजन

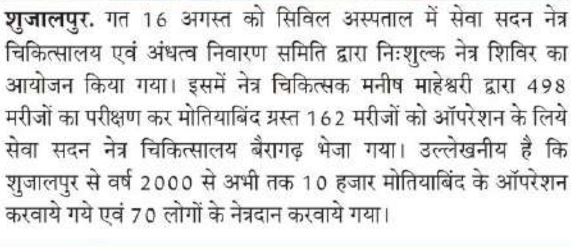

शुजालपुर. गत 16 अगस्त को सिविल अस्पताल में सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय एवं अंधत्व निवारण समिति द्वारा निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। इसमें नेत्र चिकित्सक मनीष माहेश्वरी द्वारा 498 मरीजों का परीक्षण कर मोतियाबिंद ग्रस्त 162 मरीजों को ऑपरेशन के लिये सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय बैरागढ़ भेजा गया। उल्लेखनीय है कि शुजालपुर से वर्ष 2000 से अभी तक 10 हजार मोतियाबिंद के ऑपरेशन करवाये गये एवं 70 लोगों के नेत्रदान करवाये गया।

एक्यूप्रेशर कैम्प का हुआ आयोजन

बीकानेर. श्री प्रीति क्लब और माहेश्वरी सदन के संयुक्त तत्वावधान में 'एक्यूप्रेशर कैंप' का आयोजन गत 10 सितंबर को हुआ। अतिथि पूर्व विधायक देवीसिंह भाटी थे। मार्गदर्शन डॉ. ललित सोमानी और नाड़ी वैद्य डॉ. प्रीति गुप्ता ने दिया। महामंत्री नारायणदास दम्माणी ने बताया कि श्री प्रीति क्लब द्वारा 15 दिवसीय यह एक्यूप्रेशर कैंप आयोजित किया गया है। क्लब संरक्षक मगन चांडक, अध्यक्ष घनश्याम कल्याणी, माहेश्वरी सदन के अध्यक्ष बृजमोहन चांडक, उपाध्यक्ष याज्ञवल्क दम्माणी, गोपीकिशन पेड़ीवाल एवं सक्रिय कार्यकर्ता अशोक बागड़ी, नारायण डागा, सुखदेव राठी, जगदीश कोठारी, राधेश्याम राठी, राजेंद्र चांडक, रमेश चांडक, कालू राठी आदि मौजूद थे।

जन्माष्टमी उत्सव का हुआ आयोजन

काटोल. राजस्थानी समाज की ओर से प्रतिवर्षानुसार राधा-कृष्ण मंदिर में जन्माष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया गया। रात 11 बजे से भजन मंडल द्वारा प्रस्तुति दी गई। रात 12 बजे लाला का जन्मोत्सव प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में सतीश राठी, अशोक हरवाल, प्रकाश राठी, श्री नबीरा, श्री केला, महेश बियानी आदि का सहयोग मिला।

बांगड़ मेडिकल सोसायटी का प्रीमियम में 50 फीसदी सहयोग

भीलवाड़ा. श्री बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी द्वारा 2 लाख से कम आय वाले परिवारों को चिकित्सा सहायता प्रदान की जाती है। सोसायटी का गठन अक्टूबर 2010 में किया गया। इसके द्वारा 12 अक्टूबर 2010 से 31 मार्च 2017 तक 1033 रोगियों को 5 करोड़ 24 लाख 42 हजार 184 रुपए का सहयोग प्रदान किया गया। अल्प आय वाले परिवारों को गंभीर बीमारी में एक लाख से कम आय वाले परिवारों को संगठन के द्वारा सामूहिक मेडिक्लेम पॉलिसी लिये जाने पर श्री बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी द्वारा वार्षिक किश्त का 50 प्रतिशत भुगतान किया जाता है। सभी जिला सभा एवं सभी प्रादेशिक माहेश्वरी सभा से अनुरोध किया गया कि एक लाख से कम आए वाले परिवारों को पॉलिसी लिये जाने बाबत प्रेरित कर अधिक से अधिक लाभ दिलाएँ।

रक्तदान पर भी सहयोग

इसी प्रकार समाज के संगठनों द्वारा संस्थान से पूर्व स्वीकृति प्राप्त कर श्री बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी के सौजन्य का बैनर लगाये जाने, रक्त संग्रहणकर्ता हॉस्पिटल का प्रमाण व उसके द्वारा प्रमाणित सूची प्रस्तुत किये जाने पर 50/- प्रति यूनिट की सहयोग राशि प्रदान की जाती है। इसके लिए कम से कम शहर में 100 यूनिट एवं गांवों में 70 यूनिट रक्तदान होना आवश्यक है।

कर्नाटक-गोवा प्रदेश की बैठक सम्पन्न

मैसूर. गत 6 अगस्त को बेंगलोर मैसूर माहेश्वरी जिला सभा के आतिथ्य में कर्नाटक-गोवा प्रदेश सभा के दशम सत्र की द्वितीय कार्यसमिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेशाध्यक्ष पुरुषोत्तम इनानी ने की तथा संचालन प्रदेश मंत्री रमेश बाहेती ने किया। इस बैठक में महासभा के आर्थिक सामाजिक सर्वेक्षण के कार्य को बढ़ाने का निर्णय भी हुआ। इसके लिए सभी पदाधिकारीगण, संभाग उपाध्यक्ष/संयुक्त सचिव, जिलाध्यक्षों को विशेष जिम्मेदारियां दी गईं। इस बैठक में प्रदेश सभा की नई वेबसाइट तथा मोबाइल एप का विमोचन किया गया। राजेंद्र मूंदड़ा व रामकिशोर जाजू द्वारा इसका प्रोजेक्टर द्वारा प्रेजेंटेशन दिया गया। बैठक को सफल बनाने में संभाग उपाध्यक्ष देवकीनंदन डागा, संयुक्त सचिव नवलकिशोर मालू, जिलाध्यक्ष बुलाकीदास लखानी, जिला सचिव कमल मूंदड़ा, निर्मल कासट, अनिल लड्डा आदि का सहयोग रहा।

तोषनीवाल अध्यक्ष एवं लखोटिया सचिव

राजसमंद. श्री महेश महिला प्रगति संस्थान राजसमंद में सिंजारा कार्यक्रम व आमसभा एवं चुनाव का आयोजन रामेश्वरी महादेव, राजसमंद में किया गया। चुनाव अधिकारी गीता काबरा एवं सुशीला असावा थीं। इस प्रक्रिया में दक्षिण राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की संयोजिका सरोज गट्टानी उपस्थित थीं। इसमें निर्विरोध रूप से अध्यक्ष उर्मिला तोषनीवाल, उपाध्यक्ष प्रथम मानकुंवर न्याती, द्वितीय सपना अजमेरा, सचिव लक्ष्मी लखोटिया तथा कोषाध्यक्ष राधिका लड्ढा चुनी गईं।

सोमानी अध्यक्ष मंडोवरा सचिव

राजसमंद. गत 9 अगस्त को श्री महेश प्रगति संस्थान राजसमंद का सिंजारा कार्यक्रम व आमसभा का आयोजन रामेश्वर महादेव, राजसमंद में किया गया। संस्थान के द्विवार्षिक चुनाव अधिकारी दामोदरलाल काहल्या एवं मुरलीधर तोषनीवाल के सान्निध्य में कराए गए। इसमें अध्यक्ष रामगोपाल सोमानी, उपाध्यक्ष प्रथम ओमप्रकाश मंत्री एवं द्वितीय कमलेश दरगड़, सचिव जगदीश मंडोवरा एवं कोषाध्यक्ष सुनील लखोटिया निर्विरोध चुने गये।

महिला मंडल के चुनाव सम्पन्न

इंदौर. श्री माहेश्वरी डीडवाना महिला मंडल (140 घर) के सप्तम सत्र के त्रिवार्षिक चुनाव निर्विरोध सम्पन्न हुए। इसमें सर्वानुमति से अध्यक्ष डॉ. वीणा सोनी, सचिव आशा सिंगी, उपाध्यक्ष सुषमा मालू व रामी राठी, सहसचिव सुधा मालपानी, कोषाध्यक्ष ज्योति मूंदड़ा, प्रचार मंत्री सुधा मालू, संगठन मंत्री सविता भागड़िया चुनी गईं। कार्यसमिति सदस्यों का भी निर्वाचन हुआ।

लड्डू गोपाल का किया मनोहारी श्रृंगार

उज्जैन. माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा गोलामंडी स्थित माहेश्वरी भवन में स्थानीय स्तर पर लड्डू गोपाल सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महिलाओं ने भगवान लड्डू गोपाल का आकर्षक श्रृंगार किया। इस प्रतियोगिता में करीब 50 महिलाओं ने भाग लिया। इनमें प्रथम विजेता नर्मदा सारडा, द्वितीय शीतल मूंदड़ा, तृतीय हेमलता गाँधी रहीं। प्रोत्साहन पुरस्कार विनीता बियाणी को दिया गया। कृष्णा जाजू, शारदा भंडारी, शोभा मूंदड़ा, शांता मंडोवरा सहित अनेक महिलाएँ मौजूद थीं।

“ 'वेद'
पढ़ना आसान हो सकता है
लेकिन
जिस दिन आपने किसी की
'वेदना'
को पढ़लिया तो समझो
आपने ईश्वर को पा लिया। ”

बेटी के जन्म को उत्सव के रूप में मनाएगा माहेश्वरी समाज

राजिम. प्रदेश सभा द्वारा आयोजित 3 दिवसीय 'संगठन आपके द्वार' कार्यक्रम का समापन राजिम में हुआ। प्रदेश संगठन मंत्री राजकुमार राठी से प्राप्त जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय संगठन मंत्री अजय काबरा ने कहा कि बेटी के जन्म को स्थानीय संगठन, जिला संगठन व प्रदेश सभा द्वारा उत्सव के रूप में मनाया जाएगा। 2 से अधिक बेटी को जन्म देने वाली माँ का सम्मान किया जाएगा। हर कार्यक्रम में किसी भी प्रकार के फूल-माला व स्मृति चिह्न का प्रयोग बंद कर दिया जाए। प्रदेशाध्यक्ष विट्ठल भूतड़ा ने अखिल भारतीय व प्रदेश सभा द्वारा समाजहित में चलती जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य बृजकिशोर सूरजन ने संगठन के योगदान पर प्रकाश डाला। प्रमुख रूप से महामंत्री नारायण राठी, संगठन मंत्री राजकुमार राठी, उपाध्यक्ष विजय दम्मानी, अशोक राठी, नरेंद्र लोहिया, संयुक्त मंत्री राधेश्याम राठी, सुशील लाहोटी, रामकिशन मूंदड़ा, जिलाध्यक्ष प्रकाश लड्ढा, राजकुमार गांधी, शरद राठी, डॉ.रमेश भट्टड़, नंदकिशोर राठी, जगदीश राठी सहित कई समाजबंधु मौजूद थे।

प्रतीक माहेश्वरी का सम्मान

धार. लोक सेवा केंद्र के संचालक प्रतीक माहेश्वरी का जिले के 13 लोक सेवा केंद्रों में सर्वश्रेष्ठ प्रगति कार्य करने पर स्वतंत्रता दिवस समारोह में धार जिला कलेक्टर श्री शुक्ल एवं जिला पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र सिंह द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

सर्वांगीण विकास का लक्ष्य पूरा करें

हैदाराबाद. सामान्य आदमी की वित्तीय जरूरतों को नियमानुसार पूरा कर समाज के सर्वांगीण विकास का लक्ष्य पूरा करने में सहकारी क्षेत्र की बैंक सशक्त भूमिका का निर्वहन कर रही हैं। उपरोक्त उद्‌गार तेलंगाना स्टेट को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक्स एवं क्रेडिट सोसायटीज फेडरेशन की साधारण सभा में उपस्थित सहकारी बैंकों के प्रतिनिधियों के समक्ष फेडरेशन के चेयरमैन रमेशकुमार बंग ने व्यक्त किए। श्री बंग ने कहा कि फेडरेशन द्वारा नियामक संस्थाओं के समक्ष प्रदेश के सहकारी बैंकों एवं क्रेडिट सोसायटीज के लिए उत्पन्न कठिनाइयों के समाधान के सार्थक प्रयास किए गए हैं। फेडरेशन के उपाध्यक्ष कृष्णमूर्ति ने बताया कि फेडरेशन अपने सदस्यों का समुचित प्रतिनिधित्व कर प्रदेश में सहकारिता आंदोलन को सुदृढ़ बनाने में सक्षमता से काम कर रहा है।

नगर युवा संगठन पोरवाल के हवाले

भीलवाड़ा. नगर माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष पद के लिए गत 10 सितंबर को हरणी महादेव रोड रामेश्वरम भवन में चुनाव हुए। चुनाव अधिकारी केदार जागेटिया ने बताया कि चुनाव कराने में राजेंद्र बिरला, सुभाष बाहेती, राजेंद्र कचोलिया का सहयोग रहा। इसमें हरीश पोरवाल 12 वोट से जीते व अध्यक्ष निर्वाचित किये गए। क्षेत्रीय युवा संगठन के चुनाव में हुए लड़ाई के कारण इस बार परिचय पत्र के माध्यम से मतदाताओं को प्रवेश दिलाया गया एवं मोबाइल को चुनाव क्षेत्र से बाहर रखवाया गया। इतना सब होने के बावजूद भी गेट के बाहर प्रत्याशियों के समर्थकों में विवाद हो गया। इस कारण पुलिस बल भी पहुंचा। अनेक युवाओं ने आरोप लगाए कि युवा संगठन के चुनाव में उच्च पदस्थ व्यक्तियों की दखलंदाजी के कारण झगड़े की नौबत आती है।

महेश बैंक ई-पेमेंट के लिए पुरस्कृत

हैदराबाद. दक्षिण भारत की अग्रणी बहुराज्यीय अनुसूचित सहकारी बैंक महेश बैंक को मुंबई से प्रकाशित होने वाली पत्रिका "बैंकिंग फ्रंटीयर्स" द्वारा श्रेष्ठ मोबाइल एप एवं श्रेष्ठ ई पेमेंट सेवाओं के लिए पुरस्कृत किया गया। उपरोक्त पुरस्कार जयपुर में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में बैंक की ओर से चेयरमैन इमीरेट्स रमेशकुमार बंग एवं प्रबंधक निदेशक उमेशचंद्र असावा ने प्राप्त किए। प्रबंधक उमेशचंद्र असावा ने बताया कि वर्तमान में बैंक चार राज्यों में विस्तारित 43 शाखाओं के साथ ग्राहकों की सेवा कर रहा है।

झूलोत्सव का हुआ आयोजन

कांटाफोड़. नागोरी पीठाधिपति रामानुजाचार्य स्वामी श्री विष्णु प्रपन्नाचार्यजी के सान्निध्य में दो दिवसीय झूलोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें प्रथम दिवस भगवान को नौका विहार करवाया गया। द्वितीय दिवस को महिला मंडल द्वारा प्रभु की लीलाओं को दर्शाया गया। जन्माष्टमी पर घर-घर में झाँकियां बनाई गईं। साथ ही डोल ग्यारस को आनंदोत्सव भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इसमें इंदौर के गायक अक्षत बल्दवा को मंगला सिंगी, अध्यक्ष मीना नागोरी व साधना बियाणी द्वारा सम्मानित किया गया।

युवा संगठन के बताये आर्थिक विकास के सूत्र

वरंगल. स्थानीय माहेश्वरी युवा संगठन के आतिथ्य में सेबी द्वारा प्रायोजित आर्थिक अवगाहन शिविर प्रगतिशील मारवाड़ी समाज के भवन में गत 17 सितंबर को आयोजित हुआ। नंदकिशोर बजाज ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि माहेश्वरी समाज अध्यक्ष प्रहलाद सोनी, विशेष अतिथि समाज के वरिष्ठ सदस्य नारायणदास शर्मा, प्रादेशिक युवा संगठन उपाध्यक्ष कमल डोडिया व डॉ. विष्णुकुमार बल्दवा थे। मुख्य वक्ता डॉ. विष्णुकुमार थे। उन्होंने आर्थिक लक्ष्य प्राप्त करने के सूत्र बताये। आर्थिक विषयों से जुड़ी जानकारी जैसे कि लंबी अवधि तक निवेश करने के फायदे के बारे में जानकारी दी गई। युवा समाज अध्यक्ष आदित्य बजाज, मंत्री प्रतीक लाहोटी, निवर्तमान अध्यक्ष संदीप मूंदड़ा ने अतिथि स्वागत किया। अंत में नंदकिशोर बजाज ने आभार माना।

> "जिंदगी हमें बहुत खूबसूरत दोस्त देती है लेकिन अच्छे दोस्त हमें खूबसूरत जिंदगी देते हैं.."

With Best Compliments From

RATHI Enterprises

Sika — Waterproofing and Construction Chemicals Since 1910

BENELAVE™ — Better Bathrooms. Better Relationships

tradeco india

Dealer - Borewell, Submersible Pump Set
Single Phase
Domestic Pumps,
Single Phase Jet Pumps

TEXMO — AQUATEX

MANISH MARKETING CO.

Ther Supreme Industries Ltd.
(Plastic Piping Division)

Address : G.E. Road, Ganj Para, Durg (Chhattisgarh)
Ph. : 0788-2211208, 2210333
E-mail : manishmarketingcompany@yahoo.com

Raju
Mo. 94252-37702

पर्यावरण रक्षा के सूत्रधार थे श्रीकृष्ण

नागपुर. भगवान श्रीकृष्ण पर्यावरण रक्षा के प्रथम सूत्रधार थे। पांच हजार साल पहले गिरिराज पूजन के माध्यम से श्रीकृष्ण ने पर्यावरण रक्षा का बिगुल बजाकर वन, पर्वत एवं नदियों की शुद्धि पर बल दिया था। यह उद्बोधन गोविंद डागा परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के अंतर्गत व्यासपीठ से श्रीधाम वृंदावन से पधारे गोस्वामी श्री आनंदवल्लभ महाराज ने दिया। पार्षद मनीषा धवड़, श्याम डागा, संजय डागा, राजेश डागा, योगेश डागा, अनिरुद्ध डागा, जुगलकिशोर डागा, श्रीकंवर डागा ने पूजा अर्चना की। राजेश डागा, संजय डागा, अशोक कोठारी, देवकिशन कोठारी आदि ने विशेष आरती की।

भूतड़ा बनी नागरिक सहकारी बैंक डायरेक्टर

जोधपुर. हाल ही में सम्पन्न हुए जोधपुर नागरिक सहकारी बैंक लि. के संचालक मंडल के चुनाव में प्रियंका भूतड़ा (गट्टानी) ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की। उल्लेखनीय है कि प्रियंका, डी.के. भूतड़ा पूर्व उपमंत्री माहेश्वरी समाज जोधपुर की सुपौत्री हैं। प्रियंका एमबीए पास हैं तथा पूर्व में आदर्श क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसायटी में अधिकारी के पद पर कार्य कर चुकी हैं।

तीज महोत्सव का हुआ आयोजन

वाराणसी. माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा समाज की युवतियों, बहुओं और महिलाओं के लिए तीज के अवसर पर बालीवुड की थीम पर 'तीज की शाम' बॉलीवुड के नाम आयोजित किया गया। इस अवसर पर हिंदी फिल्मों के नए और पुराने सदाबहार गीतों पर केंद्रित गीतों की महफिल नाच मेरी जान और सांग ट्विस्टर बॉलीवुड पंचेस गेम्स का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का सबसे बड़ा आकर्षण 20 वर्ष के आयु वर्ग की युवतियों, बहुओं से लेकर 70 वर्ष की आयु वर्ग की वरिष्ठ महिलाओं की अपने-अपने वर्ग में मनोहारी एकल और समूह नृत्यों की प्रस्तुति रही। सभी सहभागियों और विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत और सम्मानित किया गया। आगंतुकों का स्वागत संगठन की अध्यक्ष पारू झँवर ने किया व आभार मंत्री पूनम सोमानी ने माना। संचालन प्रीति झँवर और सरोज भरानी ने किया। कार्यक्रम का संयोजन सविता दुजारी, इंदू चाँडक, पूनम मानधनी, मधु मल्ल, प्रिया करवा और प्रेमा लड्डा ने किया। अलका बाहेती, रेखा सोमानी, सुनीता राठी, जयश्री धूत, सुषमा कोठारी, सविता जाजू, राजकुमार चितलांग्या, चंद्रकला मल्ल, शकुंतला सोमानी आदि ने सहयोग दिया।

सिंजारा उत्सव का हुआ आयोजन

सूरत. श्री माहेश्वरी महिला मंडल (मैन) ने गत 4 अगस्त को तीज सिंजारा उत्सव मनाया। इसमें सत्तू सजाओ प्रतियोगिता एवम राजस्थानी लोकनृत्य के साथ रैम्प वॉक भी रखा। कार्यक्रम 55 सदस्यों द्वारा प्रस्तुत किया गया। कोरियोग्राफी श्रेया एवम एंकरिंग ज्योति बियानी ने की। सत्तू सजाओ प्रतियोगिता में प्रथम ममता सोमानी एवम द्वितीय श्वेता झँवर, सोलह सिंगार में प्रथम वंदना जखोटिया एवं द्वितीय श्वेता झँवर रही। 35 वर्ष उम्र के ऊपर में पुष्पा जैथलिया प्रथम रहीं। राजस्थानी लोकनृत्य में प्रथम हेमा राठी, द्वितीय मनीषा डागा, तृतीय भारती मालपानी रही। ग्रुप विनर में मंजीरा डांस विजेता रहा। कार्यक्रम में 500 सदस्यों की उपस्थिति रही। अंत में अल्पाहार की व्यवस्था भी थी।

सातुड़ी तीज का हुआ आयोजन

धार. स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गत 10 अगस्त को सातुड़ी तीज पर सत्तू सजाकर नीमड़ी की पूजा की गई। इसमें महिलाएँ पति की लंबी उम्र की कामना करती हैं। आयोजन में वैश्य समाज जिला उपाध्यक्ष सुनीता माहेश्वरी, संगीता राठी, पद्मा पलोड़, रूपाली माहेश्वरी, मंजू पोरवाल, अनुपमा बांगड़, ज्योति माहेश्वरी, कविता परवाल, शिखा परवाल, सुशीला गिलड़ा, मंजू गिलड़ा, रेखा माहेश्वरी आदि कई सदस्याएँ मौजूद थीं। जानकारी रूपाली माहेश्वरी ने दी।

बच्छ बारस पर सामूहिक पूजन

हबड़ा (शिवपुर). स्थानीय तारा भवन में बच्छ बारस गोवत्स पूजा धूमधाम से कराकर मनाई गई। इसके लिये खटाल से गाय का बछड़ा लाकर पूजन किया गया। विशेष सहयोगी राज-मनोज बिहाणी, नेमीचंद जी आदि का सहयोग रहा।

मूंदड़ा अध्यक्ष व सोमानी मंत्री

चारभुजा. श्री सिंगोली श्याम चारभुजा माहेश्वरी धर्मशाला समिति के गत 10 सितंबर को धर्मशाला में चुनाव हुए। चुनाव अधिकारी देवेंद्र सोमानी व राजेंद्र पोरवाल ने बताया कि इसमें 5 पदों के लिए चुनाव कराए गए। अध्यक्ष दुर्गालाल मूंदड़ा भीलवाड़ा, मंत्री जगदीश सोमानी बरुंदनी, उपमंत्री संदीप सोनी काछोला, उपाध्यक्ष कैलाश मंत्री बेंगू, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश लड्ढा बरुंदनी चुने गए। इस चुनाव में भीलवाड़ा जिले के अलावा बूंदी, कोटा, नीमच आदि जिलों से भी मतदाता पहुंचे।

चौरासी कोस ब्रजयात्रा का हुआ आयोजन

छिंदवाड़ा. माहेश्वरी महिला मंडल की ओर से 121 वैष्णवों की चौरासी कोस ब्रजयात्रा तुलसीदास इंदौर वाले के सान्निध्य में गत दिनों राधाष्टमी के दिन आयोजित की गई। इसमें छिंदवाड़ा, चौरई, बैतूल, इटारसी, विदिशा, पिपरिया, नागपुर, इंदौर, सिवनी, भोपाल, सोंसर, इरोड, अमेरिका, मुंबई, चेन्नई, विदर्भ आदि जगहों से भक्तगण शामिल हुए। गिरिराजजी का कुंडवाडा 30 अगस्त एवं यमुनाजी का उत्सव 7 सितंबर को आयोजित हुआ। श्रद्धा स्वरूप चौरासी कोस की 14 दिवसीय ब्रज यात्रा 9 सितंबर को उत्सव के साथ संपन्न हुई।

आगाल बने बैंक डायरेक्टर

उदयपुर. समाज के वरिष्ठ सदस्य व पूर्व जिला शिक्षाधिकारी शिवनारायण आगाल उदयपुर अरबन को ऑपरेटिव बैंक में निविरोध डायरेक्टर चुने गये। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है।

“ **औरत**

खुद एक बहुत बड़ी ताकत है,
इतनी बड़ी ताकत है
की मर्द पैदा करती है। ”

म.प्र. पश्चिमांचल युवा संगठन की चुनाव प्रक्रिया निरस्त

चुनाव के दौरान विवाद की स्थितियों से चुनाव अधिकारी आहत राष्ट्रीय अध्यक्ष ने जारी किये प्रक्रिया निरस्ती के आदेश

मप्र पश्चिमांचल युवा संगठन में चल रही चुनाव प्रक्रिया को राष्ट्रीय संगठन ने एक आदेश जारी कर निरस्त कर दिया है। अब संगठन द्वारा एक तदर्थ समिति बनाकर शेष सत्र के कार्यों को गति दी जाएगी।

प्रदेश में चल रही चुनाव प्रक्रिया के दौरान जगह-जगह बन रही विवाद की स्थितियों के कारण चुनाव अधिकारियों ने राष्ट्रीय संगठन से चुनाव प्रक्रिया को सम्पन्न करवाने में असमर्थता व्यक्त की थी। इन स्थितियों से चुनाव अधिकारी आहत थे। अपने प्रेषित पत्र में प्रदेश के चुनाव अधिकारी विनय मालानी ने दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि निर्वाचन अधिकारी के रूप में जो जिम्मेदारी मुझे मिली थी, उसको निभाने के लिए मैंने भरसक प्रयाए किए और उसमें सकारात्मक सोच रखने वाले अधिकतम युवाओं का पूरा सहयोग भी मिला। इसके परिणामस्वरूप प्रदेश के सभी जिलों में सर्वानुमति से पदाधिकारियों का चयन हुआ। परंतु कुछ साथियों को यह शांतिपूर्ण प्रक्रिया मंजूर नहीं थी और उन्होंने इसे बाधित करने के लिये सभी तरह के जतन किये। चुनाव अधिकारियों पर अनुचित आरोप भी लगाये गये। इसी प्रकार चुनाव अधिकारी सम्पत मोदानी ने भी वर्तमान स्थिति में चुनाव करवाने में असमर्थता जताई।

राष्ट्रीय अध्यक्ष काल्या ने अपनाया कड़ा रुख

इन स्थितियों से राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या काफी खिन्न हुए। उन्होंने पत्र प्रेषित कर इस चुनावी प्रक्रिया को निरस्त करते हुए कहा कि मप्र पश्चिमांचल माहेश्वरी युवा संगठन के नवीन सत्र हेतु जिला संगठन से प्रदेशस्तर तक की निर्वाचन प्रक्रिया चुनाव अधिकारियों के सक्रिय प्रयासों से चल रही थी। उक्त प्रक्रिया पर कुछ साथियों द्वारा वाट्सअप ग्रुप में अनुचित शब्दावली का प्रयोग करते हुए पोस्ट की जा रही थी जो कतई स्वीकार योग्य नहीं है। विवादास्पद स्थिति को ध्यान में रखते हुए मप्र पश्चिमांचल माहेश्वरी युवा संगठन की नवीन सत्र हेतु चल रही निर्वाचन प्रक्रिया को स्थगित किया जाता है। मप्र पश्चिमांचल माहेश्वरी युवा संगठन के कार्य संचालन हेतु जल्द ही सभी पक्षों से बातचीत कर समन्वय बनाकर राष्ट्रीय संगठन द्वारा एक तदर्थ समिति गठित की जाएगी, जो शेष सत्र के कार्यों को आगे बढ़ाएगी।

फैसले के विरोध में भी उठे स्वर

प्रदेश में चुनाव प्रक्रिया स्थगित कर तदर्थ समिति गठित करने के फैसले का भी कई लोग विरोध कर रहे हैं। उनका मत है कि वास्तव में ऐसी स्थिति नहीं है, जिसके कारण चुनाव प्रक्रिया निरस्त की जाऐ। यह प्रदेश के लिये हानिकारक कदम है। उनका मत है कि इससे प्रदेश से प्रतिनिधित्व छिन गया है। विधानानुसार जो पदाधिकारी जिला संगठन में सतत् 2 सत्रों तक प्रतिनिधित्व करते है, उनमें से ही प्रदेश प्रतिनिधि का निर्वाचन होता है। स्थिति यह है कि प्रदेश के गत वर्ष भी चुनाव नहीं हुएऔर इस वर्ष भी इस निर्णय से चुनाव नहीं हो पाऐंगे। इससे प्रदेश से प्रतिनिधित्व का अवसर छिन जाऐगा।

सेवल्या माता का होगा रातीजगा

बागौर. प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सोनी परिवारों की कुलदेवी श्री सेवल्या माता का विशाल जागरण (रातीजगा) आगामी 27 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा। कैलाशचंद्र कोठारी ने बताया कि इस अवसर पर आयोजित विशाल भजन संध्या में स्वर कोकिला डॉ. सुमन सोनी, भीलवाड़ा रात्रि 7 बजे से मंदिर प्रांगण में भजनों की प्रस्तुति देंगी। श्री सेवल्या माता परिवार की वार्षिक बैठक अगले दिन 28 अक्टूबर को प्रातः 9 बजे आयोजित होगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्यामसुंदर सोनी सभापति अभा मा. महासभा व रामपाल सोनी पूर्व सभापति अभा माहेश्वरी महासभा रहेंगे। इसी दिन महाप्रसादी (भंडारे) का आयोजन मध्याह्न 12 बजे से होगा। आंगतुकों के ठहरने की व्यवस्था नवनिर्मित ''श्री सेवल्या कुंज'' बागौर में रहेगी।

माहेश्वरी बनी परिषद समिति सदस्य

शुजालपुर. समाजसेवी जया माहेश्वरी को सिविल हास्पिटल शुजालपुर में आंतरिक परिवाद समिति में 3 वर्ष के लिए सदस्य नियुक्त किया गया। इस नियुक्ति पर सभी स्टाफ कर्मचारियों द्वारा हर्ष व्यक्त किया गया।

श्राद्धपक्ष में की पितृसेवा

सूरत. श्री माहेश्वरी महिला मंडल मैन ने पितृपक्ष में वृद्धाश्रम जाकर भोजन, मिठाई, नमकीन का सदस्यों ने वितरण किया। इसके साथ ही आवश्यकता के अनुसार दवाइयां उपलब्ध करवाईं। इसके साथ ही संगठन द्वारा गत दिनों सूरत के नजदीक तपोवन फॉर्म में पिकनिक का आयोजन किया गया। इसमें 70 सदस्यों ने मौज-मस्ती, खेलकूद, डांस, फनी सेल्फी एवं शानदार खाने के साथ पिकनिक का जमकर आनंद लिया।

> "इंसानियत इंसान को इंसान बना देती है,
> कठिन परिश्रम हर मुश्किल को आसान बना देती है,
> कौन जाता है मंदिरों में पत्थरों को पूजने
> आस्था है जो इन्हें भगवान बना देती है।"

गोशाला में पशु चिकित्सा प्रारंभ

बड़नगर (उज्जैन). श्री गौन्नास निवारणीय गोपाल गोशाला प्रांगण में नवनिर्मित सर्वसुविधायुक्त मप्र के प्रथम अत्याधुनिक कामधेनु पशु चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र का शुभारंभ संत पं. कमलकिशोर नागर के सान्निध्य में हुआ। संस्थाध्यक्ष डॉ. वासुदेव काबरा ने बताया कि समारोह के अतिथि विधायक मुकेश पंड्या, अभा माहेश्वरी महासभा के उपसभापति (उत्तरांचल) अशोक सोमानी, राष्ट्रीय एकता परिषद उपाध्यक्ष रमेश शर्मा, मप्र काबुलीचना एसोसिएशन अध्यक्ष दिलीप अग्रवाल (इंदौर) आदि थे। संस्था पदाधिकारियों द्वारा अतिथियों का उपरना ओढ़ाकर सम्मान किया गया। नवनिर्मित पशु चिकित्सालय में सुसज्जित सर्वसुविधायुक्त एसी, ऑपरेशन थियेटर, डॉक्टरों के निवास, पैरामेडिकल स्टाफ निवास, पशु वार्ड, सोनोग्राफी मशीन, एक्स-रे, हेमोटोलॉजी, सिरोलॉजी, कलर डॉप्लर, जैसी व्यवस्था की गई।

तीज का हुआ सामूहिक उद्यापन

रायपुर. गत 26 जुलाई को माहेश्वरी युवा मंडल (युवा समिति) द्वारा छोटी तीज हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर 10 महिलाओं के सामूहिक उद्यापन का भी आयोजन किया गया। इसमें करीब 200 महिलाएँ शामिल हुईं। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष रेखा हुरकट सहित नीलिमा लड्ढा, नीना राठी, सविता केला, प्रीति राठी, निधि सारडा, हेमा गाँधी, सुरुचि नत्थानी, पूजा बल्दुआ सहित कई सदस्याएँ मौजूद थीं।

With Best Compliments From

Dwarka Sarda (Kothari)
09860608787

KOTHARI
METAL INDUSTRIES

Mfg. : Brass & Copper Utensils
Circles & Sheets

Station Road, Bhandara - 441904
Tel (O) 07184-252087 (F) 07184-252287
E-mail : kothari.metal@gmail.com

तीज के सिंजारा का हुआ आयोजन

एडंरोल. तहसील माहेश्वरी महिला संगठन की ओर से तीज तीन सिंजारा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें आईं महिलाओं का कुमकुम तथा मेहंदी कोन देकर स्वागत किया गया। झूलों का सावन के गीतों के साथ आनंद किया गया। महेश पूजन प्रदेशाध्यक्ष ज्योत्सना लाहोटी, जिला सचिव सुमति नवाल तथा तालुका अध्यक्ष मीना मानुधने के हाथों हुआ। सभी सखियों ने मिलकर चिरमी गेम का आनंद लिया। इसी दरमियान तीन पीढ़ियों की सिंजार नाटिका भी प्रस्तुत की गई। संचालन अर्चना लड्ढा ने किया। सचिव विद्या काबरा ने आभार माना। इसमें सरिता मंत्री, स्वाति काबरा, ममता बिरला, स्नेहा राठी, रोहिणी मंत्री आदि ने सहयोग दिया

सावन का रंगारंग कार्यक्रम आयोजित

रायपुर. माहेश्वरी युवा मंडल (महिला समिति) द्वारा सावन का रंगारंग कार्यक्रम गत 21 जुलाई को वृंदावन हॉल, सिविल लाइन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। इसका लक्ष्य महिलाओं की छिपी प्रतिभाओं को आकार देना व अवसर देना है। इसमें 80 प्रतियोगियों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि उषा बागड़ी व विशिष्टि अतिथि आशा राठी, मध्यांचल उपाध्यक्ष ज्योति राठी एवं कार्यसमिति सदस्य उषा मोहता थीं। युवा मंडल की अध्यक्षा रेखा हुरकट एवं सचिव संगीता राठी आदि विशेष रूप से मौजूद थीं। कार्यक्रम की संयोजिका सुरुचि नत्थानी एवं पूजा बल्दुआ थीं। उपाध्यक्ष नीलिमा लड्ढा, कोषाध्यक्ष नीना राठी, सहसचिव सविता केला, प्रचार प्रसार प्रीति राठी सहित समस्त सदस्याओं का सहयोग रहा।

तोषनीवाल सेवा गौरव से सम्मानित

परभणी. स्व. सत्यनारायण कालानी स्मृति सेवा ट्रस्ट की ओर से मराठवाड़ा स्तरीय सेवा गौरव पुरस्कार का 17वें वर्ष में आयोजन हुआ। समारोह के अध्यक्ष लोकमत समूह के चीफ एडिटर राजेंद्र दर्डा तथा प्रमुख वक्ता हरिप्रसाद सोमानी (रोटरी इंटरनेशनल के भूतपूर्व प्रांतपाल) थे। इस बार का सेवा गौरव पुरस्कार महाराष्ट्र प्रदेश के संगठन मंत्री ब्रिजगोपाल तोषनीवाल को दिया गया।

जम्मा जागरण का आयोजन

अमरावती. श्री रामदेव बाबा भक्त परिवार दभा (बडनेरा) द्वारा विशाल जम्मा जागरण का आयोजन आगामी 2 अक्टूबर को श्री बालाजी धाम यवतमाल रोड दाभा (बडनेरा) में किया जाएगा। इसका आयोजन रामदेव बाबा भक्त परिवार द्वारा शाम 7 बजे से उक्त स्थान पर होगा। आयोजन समिति ने समस्त श्रद्धालुओं से इस अवसर का लाभ लेने की अपील की।

युवक–युवती परिचय सम्मेलन

खामगाँव. श्री महेश समिति खामगाँव द्वारा माहेश्वरी विवाह योग्य युवक-युवती (उच्च शिक्षित/प्रोफेशनल/शिक्षित) परिचय सम्मेलन का आयोजन 16 से 17 दिसंबर को श्री हरि लांस खामगाँव में किया जा रहा है। समिति द्वारा परिचय सम्मेलन का यह तृतीय आयोजन होगा। इस तृतीय परिचय सम्मेलन में प्रथम पंजीयन कराने वाले 150 युवक व 150 युवती ही शामिल हो सकेंगे। इस में 17 दिसंबर को पहले दिन सहभागी युवक-युवतियों का मेल मिलाप कार्यक्रम रहेगा। साथ ही विधवा, विधुर, दिव्यांग एवं तलाकशुदा का परिचय सत्र भी आयोजित होगा। समिति द्वारा इस अवसर पर परिचय पुस्तिका का प्रकाशन भी किया जाएगा। इसका विमोचन परिचय सम्मेलन के दिन होगा। बायोडाटा भेजने की अंतिम तिथि 30 नवंबर 2017 रखी गई है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समिति सदस्य रतन राठी, जगदीश झँवर, डॉ. विजय टॉवरी, नीलेश भैया, सतीश भट्टड़, विजय चांडक, नवलकिशोर लोहिया, जितेंद्र झँवर एवं माहेश्वरी मंडल, महिला मंडल, युवक मंडल, बहु-बेटी मंडल, श्री महेश परिवार योगदान देंगे। अधिक जानकारी के लिये सहसंयोजक नंदकिशोर चांडक व समिति संयोजक कृष्णाकांत भट्टड़ से संपर्क कर सकते हैं।

संगठन आपके द्वार में भ्रमण

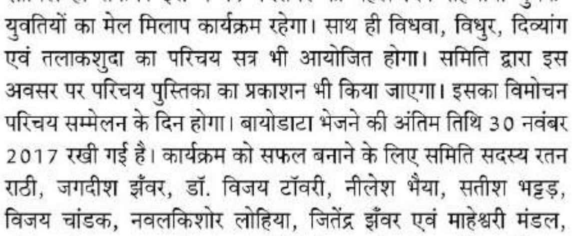

बुलढाणा. महासभा के निर्देशानुसार संगठन आपके द्वार अभियान अंतर्गत विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन के नेतृत्व में प्रथम चरण में 9 और 10 सितंबर को वाशीम जिला भ्रमण तथा दूसरे चरण में बुलढाणा जिला भ्रमण 16 और 17 सितंबर को किया गया। इसमें प्रदेश अध्यक्ष मदन मालपाणी के साथ जिलाध्यक्ष श्री भाला, जिला सचिव श्री सातल, महासभा सदस्य किशोर बाहेती, श्री सोनी सहित कई सदस्य शामिल थे। उक्त जानकारी मदन मालपाणी ने दी।

मानधना भामाशाह सम्मान से सम्मानित

जोधपुर. वरिष्ठ गौसेवी जोरावरमल मानधना के सुपुत्र कमलकिशोर मानधना पिछले दो वर्षों से समाजसेवा में योगदान दे रहे हैं। इसके लिये उन्होंने अपने क्षेत्र के स्कूल, पार्क व अस्पताल का चयन किया है। उन्होंने हाल ही में ज्वाला विहार पार्क, राजकीय उच्च मावि सुराणी व ज्वाला विहार पार्क में ठंडे पानी की मशीन लगवाई है व छत पंखे, कुर्सियाँ, ग्रीन बोर्ड, बच्चों की पौशाख, स्वेटर व बच्चों की जरूरत की चीजें स्वयं व जनसहयोग से उपलब्ध करवाई हैं। उनकी सेवा को देखते हुए उन्हें गत 15 अगस्त को राजकीय आदर्श उमावि सुराणी में भामाशाह सम्मान से सम्मानित किया गया।

> " हमारी जिंदगी में जो भी होगा
> भले ही लेट होगा,
> पर जब भी होगा
> एकदम लेटेस्ट होगा। "

एक सौ एक पौधों का किया रोपण

कैथून (कोटा). कोटा नगर माहेश्वरी युवा संगठन ने गत दिनों कैथून में दो स्थानों पर 101 पौधों का रोपण किया। संगठन के सचिव योगेश सांभरिया ने बताया कि सुबह 11 बजे श्री विभीषण मंदिर व धर्मशाला परिसर तथा श्री वैद्यनाथ मंदिर परिसर में विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण किया गया। संगठन अध्यक्ष मोहित शारदा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माहेश्वरी समाज कोटा के अध्यक्ष राजेशकृष्ण बिरला थे। अध्यक्षता माहेश्वरी सेवा संस्थान नया कोटा के अध्यक्ष महेशचंद अजमेरा ने की। विशिष्ट अतिथि जिला कोटा माहेश्वरी सभा के सचिव ओमप्रकाश गट्टानी, विठ्ठलदास मूंदड़ा, प्रमोद भंडारी, व्यापार महासंघ कैथून अध्यक्ष नरेश जैन एवं पूर्वी प्रादेशिक राजस्थान युवा संगठन के मंत्री गौरव आगीवाल थे। संगठन के प्रचार-प्रसार मंत्री राहुल सांभरिया ने बताया कि कार्यक्रम में स्थानीय समाज के अध्यक्ष त्रिलोकचंद झँवर, उपाध्यक्ष कन्हैयालाल सांभरिया, कोषाध्यक्ष गोपीवल्लभ सांभरिया, गिरिराज गट्टानी, सत्यनारायण गट्टानी, ओमप्रकाश गट्टानी, रमेशचंद सांभरिया और युवा संगठन जिला कोटा माहेश्वरी युवा संगठन अध्यक्ष विजय चौधरी, उपाध्यक्ष मितेश काहाल्या व गोविंद सांभरिया सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद थे।

पूर्वी राजस्थान सभा की बैठक सम्पन्न

बूंदी. पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा एवं बूंदी जिला माहेश्वरी सभा के कार्यकारी मंडल की बैठक जिला माहेश्वरी सभा बूंदी के आतिथ्य में श्री माहेश्वरी भवन बूंदी में आयोजित की गई। तत्पश्चात उपस्थित पदाधिकारियों एवं कोटा माहेश्वरी समाज के विभिन्न संगठनों के अध्यक्ष-सचिव की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। मुख्य अतिथि राजेशकृष्ण बिरला सदस्य कार्यसमिति अभा माहेश्वरी महासभा थे। अध्यक्षता बालकृष्ण बांगड़ प्रदेशाध्यक्ष ने की। इसमें 29 अक्टूबर को कोटा के सभी संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में माहेश्वरी पंचायत कोटा द्वारा अन्नकूट महोत्सव के साथ प्रदेश सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया। प्रदेश के सभी परिवारों को व्यक्तिगत आमंत्रण पत्र भेजने का निर्णय भी लिया गया।

राठी पुनः सर्वसम्मति से बने अध्यक्ष

अमरावती. ख्यात व्यवसायी व समाजसेवी अशोक-तुलसीदास राठी शहर की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्था श्री ब्रजलाल बियाणी शिक्षण समिति के सर्वसम्मति से पुनः अध्यक्ष निर्वाचित हुए। उल्लेखनीय है कि श्री राठी वर्ष 2006 से सतत रूप से सर्वसम्मति से अध्यक्ष निर्वाचित होते रहे हैं। आप गत 5 वर्ष से राजस्थानी हितकारक मंडल के सदस्य भी हैं।

दिल्ली की बागडोर चांडक के हाथ

नईदिल्ली. दिल्ली प्रदेश माहेश्वरी समाज का गठन कंस्टीट्यूशन क्लब रफी मार्ग दिल्ली में आठ जिला सभाओं के अध्यक्ष एवं उत्तरांचल के उपसभापति अशोक सोमानी, महासभा के चुनाव अधिकारी प्रकाश बाहेती एवं पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से हुआ। इसमें डॉ. एसएन चांडक को दिल्ली प्रदेश का अध्यक्ष चुना गया। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में समाज का संगठन पिछले कई वर्षों से ज्यादा सक्रिय नहीं था। डॉ. चाँडक की टीम ने पिछले 6 माह में अथक परिश्रम कर 2165 परिवारों के फॉर्म भरवाकर अभूतपूर्व कार्य किया है। जिसकी दिल्ली और भारतवर्ष के अन्य राज्यों में भी भूरि-भूरि प्रशंसा हो रही है। किशनगढ़ में भी माहेश्वरी महासभा की कार्यसमिति बैठक में आप स्वागाध्यक्ष थे। प्रदेश चुनावों में सचिव अनूप माहेश्वरी, मनीष भंसाली व अशोक करनानी उपाध्यक्ष, अनूप माहेश्वरी महामंत्री, सुशील तापड़िया संगठन मंत्री, जुगल मूंदड़ा व महेश तापड़िया सहसचिव, ओम तापड़िया कोषाध्यक्ष चुने गए। इसके साथ ही 13 कार्यकारिणी सदस्य भी चुने गए।

राजस्थान बुक ऑफ रिकॉडर्स का महिला सशक्तिकरण अंक

जोधपुर. राजस्थान बुक ऑफ रिकॉड्र्स द्वारा प्रदेश की संघर्षशील महिलाओं पर आधारित 'महिला सशक्तीकरण' पुस्तक का प्रकाशन किया जाएगा। जमीन से जुड़ी हुई बेहद संघर्षशील और असामान्य कार्य करके समाज को ऊंचाई देने वाली 12-15 महिलाओं का विस्तृत विवरण इसमें शामिल किया जाएगा। जिन महिलाओं का ब्योरा लिया जाएगा उनका मूलतः राजस्थान की जन्मभूमि से होना अनिवार्य है। राजस्थान की ऐसी महिला जिसने संघर्ष कर समाज में जगह बनाई है। उनकी जानकारी स्वाति जैसलमेरिया को मो. नंबर 7014911645 और विकास चांडक जोधपुर को मो. नंबर 7976319092 पर दी जा सकती है।

बड़ी मारवाड़ माहेश्वरी पंचायत के चुनाव सम्पन्न

नागपुर. गत दिनों संस्था की बड़ी मारवाड़ माहेश्वरी पंचायत भवन के चुनाव सम्पन्न हुए। इस चुनाव में सहकार पैनल को एक तरफा मतादेश प्राप्त हुआ। इसमें अध्यक्ष पुरुषोत्तम मालू, उपाध्यक्ष कमल तापड़िया, सचिव रामअवतार तोतला, सहसचिव गिरधरलाल इनानी व विजयकुमार सारडा तथा कोषाध्यक्ष नंदकिशोर बजाज चुने गए। नवीन कार्यकारिणी में रमणलाल बाहेती, हरिप्रसाद झँवर, दिलीप सारडा, मधुसूदन सारडा, गोविंद पसारी, सुनील भूतड़ा, नरसिंग सारडा, संतोष काबरा, पवन बियाणी, मनोज लटुरिया, कमल कलंत्री तथा दिनेश सारडा कार्यकारिणी सदस्य चुने गए।

महेश क्रेडिट सोसायटी ने की लाभांश की घोषणा

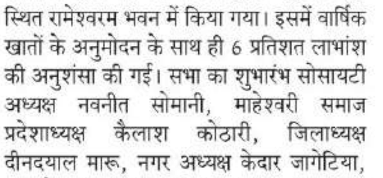

भीलवाड़ा. भीलवाड़ा महेश क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड की पाँचवीं वार्षिक सामान्य सभा का आयोजन हरनी महादेव रोड स्थित रामेश्वरम भवन में किया गया। इसमें वार्षिक खातों के अनुमोदन के साथ ही 6 प्रतिशत लाभांश की अनुशंसा की गई। सभा का शुभारंभ सोसायटी अध्यक्ष नवनीत सोमानी, माहेश्वरी समाज प्रदेशाध्यक्ष कैलाश कोठारी, जिलाध्यक्ष दीनदयाल मारू, नगर अध्यक्ष केदार जागेटिया, मंत्री केदार गगरानी एवं समस्त संचालक मंडल सदस्यों ने किया। उपाध्यक्ष जगदीश कोगटा ने सभा का संचालन किया। सहसचिव श्यामसुंदर नौलखा ने सोसायटी द्वारा चलाई जा रही ऋण योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कोषाध्यक्ष रामस्वरूप राठी, निर्देशक केसी अजमेरा, उत्सवलाल काबरा, गोपाल अजमेरा, रामकुमार जागेटिया, रामस्वरूप मालानी, नवरतन मल सहित कई सदस्य मौजूद थे। सचिव आलोक पलोड़ ने सभी का आभार माना।

निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर सम्पन्न

डोंबिवली. गत 3 सितंबर को स्व. गिरधारीलाल तोषणीवाल चतुर्थ स्मृति दिवस पर श्री गजानन शिक्षक प्रसारक मंडल एलदरी कैम्प एवं राष्ट्रीय नेत्र विजन फाउंडेशन ऑफ इंडिया तथा उदयगिरी लायंस नेत्र रूग्नालय उदगीर द्वारा जिंतूर (जिला परभणी) में "निशुल्क" मोतियाबिंद चिकित्सा एवं ऑपरेशन शिविर आयोजित किया गया। इसमें 297 लोगों की आँखों की जाँच कर 105 लोगों को मोतियाबिंदु का ऑपरेशन करने हेतु उदगीर ले जाकर ऑपरेशन करवाया गया। समारोह की अध्यक्षता महेश चैतन्य महाराज ने की। प्रमुख अतिथि पुलिस उपअधीक्षक अनिल घेड़ीकर, नगर परिषद जिंतूर के मुख्याधिकारी अनिल सोनटक्के, उदगीर के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. विजय शेलके, डॉ. ज्योति शेलके आदि उपस्थित थे। गोविंदप्रसाद तोषनीवाल, रमण तोषणनीवाल, सचिन तोषनीवाल, पंकज तोषनीवाल, रमेश मूंदड़ा, कनक पतसंस्था के व्यवस्थापक गजानन घुगे, दिनकर मस्के आदि समस्त सदस्यों का सहयोग रहा।

> "
> **शब्द**
> चाहे कितने ही हो हमारे पास मगर
> किसी के मन को खुश न कर सके
> तो सब व्यर्थ है !
> "

निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

गंगापुर. तहसील माहेश्वरी युवा संगठन गंगापुर और बृजेश बांगड़ मेमोरियल हॉस्पिटल भीलवाड़ा के संयुक्त तत्वावधान में गत 24 सितंबर को माहेश्वरी सेवा संस्थान में एक मेगा निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शुभारंभ दुर्गेश बांगड़ चेयरमैन बृजेश बांगड़ मेमोरियल हॉस्पिटल भीलवाड़ा, थाना अधिकारी बंशीलाल पंडेर, प्रदेश अध्यक्ष सीपी नामधराणी, प्रदेश महामंत्री जगदीश लड्ढा, गंगापुर तहसील अध्यक्ष मनोहर सोमाणी, नगर माहेश्वरी समाज अध्यक्ष शांतिलाल समदानी सहित माहेश्वरी समाज के वरिष्ठजनों ने किया।

शिविर में 612 रोगियों को निःशुल्क जांच की गई। साथ ही 236 रोगियों की शुगर, अस्थि घनत्व, मोटापे की भी निःशुल्क जांच की गई। शिविर में फिजियोथैरेपी व डाइटेशन की भी निःशुल्क सुविधा उपलब्ध थीं। सचिव दामोदर लड्ढा, उपाध्यक्ष संयज सोडानी, चिकित्सा सचिव नीलेश सोमाणी, विकास लड्ढा, अभिषेक सोमाणी, राहुल आगाल, शुभम बहेड़िया सहित संगठन के कई सदस्य उपस्थित थे।

भजन संध्या का हुआ आयोजन

नागदा. विनोद अग्रवाल की भजन संध्या का आयोजन श्रीकृष्ण आयोजन समिति एव लायंस क्लब नागदा ग्रेटर द्वारा किया गया। अध्यक्ष घनश्याम-सुनीता राठी व सचिव सौरभ-श्रुति मोहता के नेतृत्व में लायंस सदस्यों द्वारा ग्रेसिम खेल परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में गोविंद मोहता, झमक राठी, अशोक बिसानी, सतीश बजाज, गोपाल मोहता एवं आयोजन समिति के सदस्यों द्वारा सक्रिय सहयोग दिया गया। जानकारी विपिन मोहता द्वारा दी गयी।

उपवास के व्यंजन बनाने के सिखाये गुर

नागपुर. माहेश्वरी महिला समिति द्वार गत 22 सितंबर को दोपहर 2.30 से 5 बजे तक उपवास के भिन्न-भिन्न स्वादिष्ट व्यंजनों की कार्यशाला आयोजित की गई। विधिवत शुरुआत महिला समिति की पूर्व अध्यक्षा रूपा चांडक, अध्यक्ष डॉ. विद्या लड्ढा, सचिव उर्मिला चांडक, प्रशिक्षिका पूनम राठी एवं रीना नबीरा द्वारा की गई। विविधा क्लासेस की संचालिका एवं कार्यशाला प्रशिक्षिका पूनम राठी ने नागपुर की उनकी 521वीं कार्यशाला में उपवास के अंगूरी दही बड़ा, कटलेट, इडली, मिसल, भेल, पनीर बॉल्स, आलूबडा, श्रीखंड, दही पुडिंग, आमखंड इत्यादि व्यंजन बनाना सिखाए। सहयोग रीना नबीरा एवं सुशीला भैय्या ने दिया। सचिव उर्मिला चांडक ने सभी का आभार माना। संयोजिका सुशीला भैय्या, शोभा माहेश्वरी, किरण राठी थीं। सरिता सारडा, वीना गट्टानी, सविता मूंदडा, किरण भट्टड़, रेखा राठी, मीता गट्टानी, जया बंग, जया मोकाती, साधना नबीरा आदि का विशेष सहयोग रहा। जानकारी प्रचार मंत्री आरती चांडक ने दी।

"अपने देश में राय देने वालों की कोई कमी नहीं है, इस पर आपकी क्या राय है?"

नवंबर में होगा युवक-युवती परिचय सम्मेलन

जालना. माहेश्वरी विवाह समिति द्वारा आगामी 12 नवंबर को शिक्षित, उच्च शिक्षित तथा सभी वर्गों के लिए सप्तम युवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। अध्यक्ष कांतिलाल राठी व सचिव सुनील बियाणी ने बताया कि इसके लिये 20 अक्टूबर तक 1 हजार रुपए तथा इसके पश्चात 25 अक्टूबर तक 1500 रुपए शुल्क के साथ पंजीयन करवाया जा सकता है। 25 अक्टूबर के बाद आवेदन स्वीकार नहीं होंगे। प्रत्याशी के साथ दो अभिभावकों को प्रवेश दिया जाएगा। परिचय सम्मेलन उक्त दिनांक को महेश भवन तथा ज्वाला लॉन्स मंठा रोड पर सुबह 8 से शाम 5.30 बजे तक आयोजित होगा। अधिक जानकारी के लिये कोषाध्यक्ष बालाप्रसाद लोहिया, सहसचिव श्यामसुंदर मंत्री आदि से भी सम्पर्क किया जा सकता है।

With Best Compliments From
Shri Krishna Udyog
Mfg of Brass Circles & Utensils
Mfg. of Stone less Rio
Udyog Bagar Bhandara - 441904
Ph. : 07184-252217, 252117

बैंक की प्रथम साधारण सभा सम्पन्न

बेंगलुरु. स्थानीय माहेश्वरी भवन में माहेश्वरी सौहार्द्र क्रेडिट को-ऑपरेटिव लिमिटेड (एमएससीसीएल) माहेश्वरी बैंक की प्रथम वार्षिक साधारण सभा का आयोजन हुआ। अध्यक्ष नंदकिशोर मालू ने सभी शेयरधारकों का सहयोगी भूमिका पर आभार व्यक्त किया गया। उन्होंने कहा कि आगामी दो वर्षों में सभी शेयरधारकों को उनके शेयर पर अत्यधिक लाभ प्रदान करने के प्रयास किए जाएंगे। उपाध्यक्ष सुरेशकुमार लखोटिया ने दिवंगत शेयरधारकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए गत वर्ष की विशेष साधारण सभा की रिपोर्ट प्रस्तुत की। इससे पूर्व भगवान महेश की प्रतिमा का पूजन व दीप प्रज्वलन अध्यक्ष नंदकिशोर मालू, उपाध्यक्ष सुरेशकुमार लखोटिया, माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष बसंतकुमार सारडा व सीईओ नागराज ने किया। हरिकिशन सारडा ने महेश वंदना की तथा चंद्रप्रकाश मालपानी ने सभी का आभार जताया। भगवान लाहोटी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

तीजोत्सव का हुआ आयोजन

कानपुर. श्री माहेश्वरी महिला मंडल के तत्वावधान में 'तीजोत्सव' का कार्यक्रम गत 27 अगस्त को कोठारी गुजरात भवन, नयागंज में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राष्ट्रीय संगठन मंत्री मंजू बांगड़ व विशिष्ट अतिथि समाजसेविका एकता बंग ने किया। 'खुशबू एक रंग अनेक की' थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में अनेकता में एकता का परिचय देते हुए विभिन्न प्रांतों की वेशभूषा में नृत्य व नाटिका प्रस्तुत किये गये। तीज क्वीन तथा प्राकृतिक अनाज द्वारा रंगोली बनाओं प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। अतिथि स्वागत अध्यख अंजू जाजू ने किया। कार्यक्रम का संचालन मंडल की मंत्री करुणा अटल ने किया। इस अवसर पर प्रीति तोषनीवाल, शालिनी तोषनीवाल, सीमा झँवर, नीलम मंत्री, सुमन डागा, आरती, रिचा, कविता, तुषिता, सरिता गट्टानी सहित कई सदस्याएँ मौजूद थीं।

> “ अगर आप तेज चाहते है
> तो अकेले चलिये।
> लेकिन आप आप बहुत
> आगे चलना चाहते है
> तो सबके साथ चलिये। ”

अनुज के नहीं मिलने पर एसपी से मिले समाजबंधु

पिपरिया. होशंगाबाद हरदा जिला माहेश्वरी सभा तथा वैश्य महासम्मेलन मप्र के पदाधिकारियों ने जिला पुलिस अधीक्षक से मिल बनखेड़ी से 12 सितंबर 2017 को लापता हुए अनुज सातल का अभी तक कोई सुराग नहीं मिलने पर शीघ्र तलाशी अभियान तेज करने की मांग की। इस दौरान एसपी अरविंद सक्सेना को दिये ज्ञापन में उन्होंने बताया कि बनखेड़ी से ब्रजेश सातल का पुत्र 15 वर्षीय अनुज 12 सितंबर से निवास लापता है। शिकायत बनखेड़ी पुलिस थाने में की गई। इस अवसर पर माहेश्वरी समाज के प्रदेशाध्यक्ष विजय राठी, वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश महामंत्री भगवानदास अग्रवाल, प्रदेश माहेश्वरी सभा के संयुक्त मंत्री अजय धुरका, होशंगाबाद हरदा जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष बालकिशन टावरी, सचिव अमित बिसानी, कोषाध्यक्ष गोपाल माहेश्वरी, संगठन मंत्री राजेश माहेश्वरी, प्रदेश माहेश्वरी सभा के पूर्व उपाध्यक्ष घनश्यामदास डांगरा, बनखेड़ी माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष राजेश माहेश्वरी, पिपरिया माहेश्वरी समाज कार्यसमिति सदस्य राकेश भट्टर, ओमप्रकाश सातल सहित माहेश्वरी समाजजन मौजूद थे।

गौसेवा के लिए श्रीमद्‌भागवत कथा

मालेगांव. गत 7 से 13 सितंबर तक पितृपक्ष में गोमाता की सेवार्थ श्रीमद्भागवतकथा का आयोजन किया गया। मालेगांव की सभी गोशाला संस्थाओं और श्री महालक्ष्मी माहेश्वरी महिला मंडल ने कथा के लिए भरपूर सहयोग दिया। वास्तु विशारद मोहनलाल व्यास कथा वक्ता थे। महालक्ष्मी माहेश्वरी महिला मंडल सदस्य सरिता बाहेती, शारदा लाहोटी, वंदना जाजू, सुमिता मूंधड़ा, नंदा पोरवाल, शमा जाजू, अंजू दरक, सुनीता भाला, किरण जाजू आदि ने बहुमूल्य सहयोग दिया। मंडल अध्यक्ष सरिता-कैलाश बाहेती को गोशाला समिति ने उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। अभा माहेश्वरी महासभा के कार्यकारिणी सदस्य श्यामसुंदर लखोटिया, ओम सारडा, महेश पाटोदिया, राजू सर्राफ, कैलाश बाहेती, रामरतन काबरा, नथमल मनिहार, हीरालाल जाजू, गोविंद लाहोटी आदि का योगदान रहा। पितृपक्ष अमावस्या को पिंजरापोल गोशाला के साथ दाभाड़ी व कुकाणा गोशालाओं में भी गौमाताओं को लापसी, केला और पालक की सवामणी दी गई।

इस बार डेढ़ वर्षीय मुहूर्त के साथ श्री विक्रमादित्य पंचांग का हुआ प्रकाशन

देशभर के विद्वान ज्योतिषियों द्वारा प्रमाणित मुहूर्त के सरलीकरण ने बनाया घर का पंडित

उज्जैन। प्रतिष्ठित ऋषि-मुनि प्रकाशन द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी संवत्सर "विरोधकृत" के संवत् 2074-75, (सन् 2017-18) के लिये प्रकाशित कार्तिकादि "श्री विक्रमादित्य पंचांग" का प्रकाशन किया गया है। इसका विमोचन गत दिवस श्री उदासीन आश्रम के अलख मेहरधाम के गादीपति महंत श्री आत्मादास जी महाराज के कर कमलों से सम्पन्न हुआ।

विमोचन कार्यक्रम का आयोजन ऋषि-मुनि प्रकाशन के कार्यालय पर हुआ। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में आचार्य श्री श्रीराम तिवारी जी, संत अमरदास जी, संदीप कुलश्रेष्ठ, कैलाश डागा, नवल माहेश्वरी, सुनील जैन, जयप्रकाश राठी, मुनि बाहेती, अक्षय आमेरिया, अखिलेश शर्मा आदि उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत प्रकाशक पुष्कर बाहेती ने किया। श्री बाहेती ने पंचांग की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह पंचांग विशेष विद्वानों द्वारा ग्रह लाघवीय पद्धति से तैयार किया गया है। सटिक कालगणना के कारण इसे देशभर के ख्यात ज्योतिष विद्वानों द्वारा प्रमाणित है। हमेशा से ही अत्यंत सरल रूप में स्पष्ट कर लगभग सभी विशिष्ट अवसरों के सरल मुहूर्त देना "श्री विक्रमादित्य पंचांग" की विशेषता रही है। यही कारण है कि यह पाठकों के बीच "घर का पंडित" के रूप में प्रतिष्ठित है। इसी विशेषता के साथ इस बार इसमें डेढ़वर्ष के मुहूर्त दिये गये हैं, जिससे पाठकगण अग्रिम रूप से किसी कार्यक्रम का मुहूर्त देखकर अपनी योजना बना सकते हैं।

अब फिर आयेंगे रिश्ते आपके द्वार...
श्री माहेश्वरी मेलापक 2017 (द्वितीय)
छपकर तैयार...

उच्च शिक्षित विवाह योग्य युवक-युवतियों की विश्वस्तरीय डायरेक्ट्री

श्री माहेश्वरी मेलापक

अभी तक 1000 से भी अधिक
सफल रिश्तों की सौगात के बाद
फिर लिखेगी सफलता का नया इतिहास

यदि आपने बुक नहीं करवाई है
अपनी प्रति
तो आज ही बुक कराएँ
कहीं मौका न चूक जाए.
प्रतियाँ सीमित

Rs. 750/-

पृथक् से प्रति बुक करवाने के लिए
शुल्क 750/- (डाक खर्च सहित)
अब रिश्ते आयेंगे आपके द्वार

90, विद्या नगर (टेढ़ी खजूर दरगाह के पीछे), साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
दूरभाष : 0734-2526561, 2526761, मोबाइल : 094250-91161
E-mail : srimaheshwarimelapak@gmail.com

Bank A/c Details :
Name : SRI MAHESHWARI MELAPAK
SBI A/c No. : 31725815057 / IFSC : SBIN0030062

डांडिया रास का कार्यक्रम

चेन्नई. श्री माहेश्वरी महिला मंडल ने डांडिया रास का कार्यक्रम गत 23 सितंबर को रखा। डांडिया एवं गरबा में 400 से भी ज्यादा लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। लोगों के मनोरंजन हेतु लाइव बैंड, नेल आर्ट, टैटू आदि की व्यवस्था भी रखी गई। मंडल की ओर से हाईटी की व्यवस्था भी रखी गई। लकी ड्रॉ के विजेताओं को मंडल ने पुरस्कृत किया। जज ममता शाह एवं दिव्या शाह थीं। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में पूरी कमेटी का भरपूर सहयोग मिला।

"कहते है, हो जाता है,
संगत का असर....पर..
काँटों को आज तक
नहीं आया
महकने का
सलीका...!!!"

माहेश्वरी पेढ़ी ने की 22% लाभांश की घोषणा

इंदौर. श्री माहेश्वरी सहकारी पेढ़ी मर्यादित की 57वीं वार्षिक साधारण सभा गत 10 सितंबर को संपन्न हुई। अध्यक्ष लक्ष्मण मुछाल ने बताया कि संस्था को वर्ष 2016-17 से "अ" श्रेणी प्राप्त हुई है। इसके साथ ही संस्था ने सदस्यों को 22 प्रतिशत लाभांश देने की घोषणा की। इसके अतिरिक्त सदस्यों एवं परिवार के लिये विशेष रियायती दर पर हेल्थ चेकअप योजना मेडीकेयर हास्पिटल में चालू की गई है। यह योजना 15 सितंबर से 31 दिसंबर 2017 तक चालू रहेगी। संस्था द्वारा रुपए 12 हजार तक जमानती ऋण एवं सात लाख रुपए तक कार ऋण भी तुरंत उपलब्ध कराया जाता है। सदन में बालकिशन राठी ने प्रस्ताव रखा कि 75 वर्ष से अधिक उम्र वाले सदस्यों का साधारण सभा में सम्मान किया जाए, जिसे स्वीकृति प्रदान की गई। कार्यक्रम का संचालन सुनील सोनी ने किया। आभार मनोजकुमार कुइया ने माना। संचालक ईश्वर बाहेती, सुषमा मालू, मधुसूदन भलिका, सूर्यप्रकाश झँवर, प्रो. एससी मूंदड़ा, कमल लड्डा, उषा झँवर आदि मौजूद थे।

डांडिया गरबा का हुआ आयोजन

पिपरिया. नवरात्रि के दौरान प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी शहर में गरबा एवं डांडिया उत्सव का आयोजन आराध्या ग्रुप द्वारा रुचिका मालपानी एवं पायल बल्दवा के निर्देशन में किया गया। आयोजन में प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन की सचिव अनिता जावंधिया, सहसचिव राजश्री राठी, वरिष्ठ समाजसेवी कृष्णा मालपानी, अनिता सोनी, अभा कार्यसमिति सदस्य शोभा भट्टर, जिला सचिव आशा मालपानी, महिला परिषद बीना मूंदड़ा, माहेश्वरी प्रदेश सभा संयुक्त मंत्री अजय घुरका, भाजपा मंडल गोपाल दुदानी आदि विशेष रूप से मौजूद थे। इस दौरान गरबा एवं डांडिया उत्सव में फूड फेस्टिवल का आयोजन भी रखा गया। समापन के पूर्व गरबा डांडिया खेलने वालों के बीच लकी ड्रॉ का आयोजन भी हुआ। इसमें प्रथम पुरस्कार 1500 रुपए, द्वितीय 1 हजार, तृतीय 700, चतुर्थ 500 व सांत्वना पुरस्कार 200 रुपए सहित कई आकर्षक इनाम दिए गए।

ऋषिमुनि समूह द्वारा काल गणना की
प्राचीन नगरी उज्जयिनी से प्रकाशित

श्री विक्रमादित्य पञ्चाङ्ग

इतना सरल की अपने घर के पंडित आप खुद बन जाए

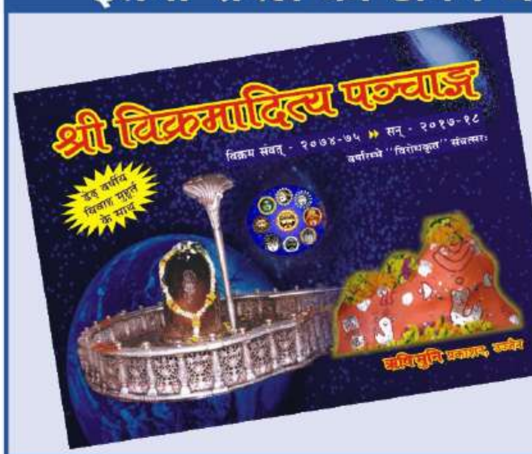

व्रत–पर्व देखना हो या शुभ मुहूर्त या
विवाह के लिए पत्रिका का करना हो मिलान
कहीं जाने की जरूरत नहीं,
स्वयं देखें अपने पञ्चाङ्ग में

डेढ़ वर्षीय
विवाह मुहूर्त
के साथ

90, विद्या नगर, टेढ़ी खजूर दरगाह के पीछे, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
फोन - 0734-2526761, मो. 094250-91161, 98275-59522

सभी प्रमुख बुक स्टॉलों पर उपलब्ध

श्री माहेश्वरी मेलापक 2017 का विमोचन

फिर उत्कृष्ट बायोडाटा का संग्रह, आम समाजजन भी खरीद सकेंगे डायरेक्ट्री

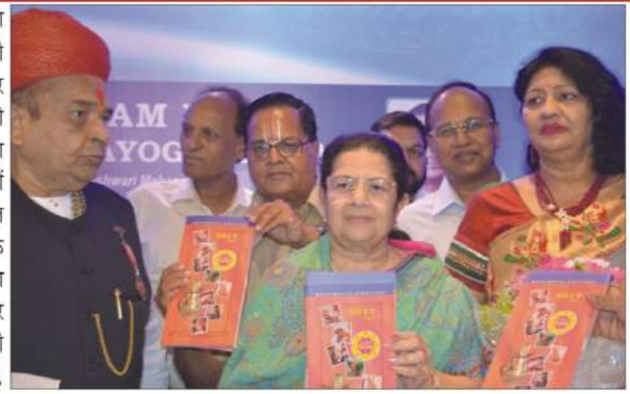

मुंबई. श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र की बैठक मुंबई में हुई। इसी अवसर पर संस्था अध्यक्ष व बिड़ला समूह की प्रमुख राजश्री बिड़ला तथा कार्याध्यक्ष बंशीलाल राठी के हाथों ऋषि-मुनि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित समाज की अंतर्राष्ट्रीय वैवाहिक डायरेक्ट्री श्री माहेश्वरी मेलापक का विमोचन हुआ। इस अवसर पर सम्पादक व प्रकाशक पुष्कर बाहेती के साथ प्रदेशाध्यक्ष राजेंद्र ईनानी, महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना गगडानी, जीरापुर बालाजी मंदिर के संस्थापक ओमप्रकाश मूंदड़ा, महासभा कार्यकारी मण्डल सदस्य रविन्द्र राठी माहेश्वरी समाज उज्जैन जिलाध्यक्ष वासुदेव काबरा, संस्था महेश सेवा ट्रस्ट अध्यक्ष जयप्रकाश राठी, नवल माहेश्वरी, रोहित सोमानी सहित कई गणमान्यजन मौजूद थे।

अनुकूल बायोडाटा का संग्रह

सम्पादक श्री बाहेती ने बताया कि श्री माहेश्वरी मेलापक वर्तमान दौर में समाज में वैवाहिक रिश्ते तय करने में आ रही परेशानियों का एक समुचित समाधान सिद्ध होगी। यह आशा करते हैं। इसमें दिए गए बायोडाटा को विदेश में बसे समाजजनों से संग्रहित कर विभिन्न वर्गों में विभाजित किया गया है, जिससे आसानी से अपने अनुकूल बायोडाटा तक पहुँचा जा सकता है। समाज की बेटियों को अपनी बेटी की तरह सम्मान देते हुए उनके बायोडटा का गतवर्षानुसार इस वर्ष भी "आपकी बेटी हमारी बेटी" योजना के अंतर्गत निःशुल्क प्रकाशन किया गया है। ऐसे समाजजन जो अपने परिवार या अपने रिश्तेदार के विवाह योग्य पुत्र-पुत्री के लिये रिश्ते तलाश रहे हैं, लेकिन उनके परिवार का कोई बायोडाटा श्री माहेश्वरी मेलापक में प्रकाशित नहीं है। यदि वो श्री माहेश्वरी मेलापक प्राप्त करना चाहते हैं, तो प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिय ऋषि-मुनि कार्यालय के श्री माहेश्वरी मेलापक विभाग के मो. 9425091161 पर संपर्क कर सकते हैं।

ऊर्जिता के लिए चयनित महिला खिलाड़ियों का सम्मान

पिपरिया. माहेश्वरी महिला परिषद की महिलाओं ने अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में खेल गतिविधियों में अपनी प्रतिभागिता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सेमीफाइनल में इंदौर में आयोजित शतरंज, बैडमिंटन व कैरम में स्थान बनाते हुए इनका दिसंबर से कोलकाता में आयोजित होने वाले खेल महोत्सव ऊर्जिता हेतु चयन हुआ। चयन होने पर पिपरिया आगमन पर प्रदेश सचिव अनिता जावंधिया के मुख्य आतिथ्य, अखिल भारतीय माहेवरी महिला संगठन की कार्यसमिति सदस्य शोभा भट्टर, जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष बालकिशन टावरी, प्रदेश माहेश्वरी सभा के संयुक्त मंत्री अजय घुरका, प्रदेश महिला संगठन की सहसचिव राजश्री राठी, प्रदेश योगा समिति की संयोजिका शिखा जावंधिया, माहेश्वरी महिला संगठन की जिला सचिव आशा मालपानी के विशेष आतिथ्य, माहेश्वरी महिला परिषद की अध्यक्ष बीना मूंदड़ा, सचिव अरुणा मूंदड़ा की उपस्थित में पिपरिया आगमन पर पूरी टीम का भव्य स्वागत श्रीफल भेंटकर किया गया। परिषद की शुभांगी-आदित्य मालपानी शतरंज, नीला-अनिरुद्ध राठी, शिल्पा-विवेक भट्टर, अनामिका-विकास जेठा, प्रियंका-बालकिशन टावरी व निकिता-नवनीत गोदानी का बैडमिंटन में तथा श्वेता-विजित भट्टर तथा रचना हर्ष मालपानी का कैरम में चयन हुआ है।

महिला मंडल ने किये रंगारंग कार्यक्रम

अमरावती. माहेश्वरी महिला मंडल सत्र 201-18 के कार्यकाल की शुरआत श्रावण मास में अध्यक्ष प्रीति डागा व सचिव दीप्ति करवा द्वारा की गई। समाज के सभी महिलाओं को संगठन से जोड़ने का प्रयास किया गया। भवन में स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में श्रावण उत्सव मनाया गया। छोटी तीज व बछ बारस के उजमने का भी आयोजन किया गया। जिसकी प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्यामा लाहोटी, डॉ. रजनी लाहोटी, कृष्णा राठी, वीणा लड्ढा, कंचन झँवर, शांता कलंत्री, शशि लाहोटी थीं। बड़ी तीज के सिंजारे पर परिवर्तन ग्रुप द्वारा तीज की कहानी के थीम पर डेकोरेशन, नृत्य, गेम्स रखे गए। इसमें सरिता मालाणी, गायत्री मोहता, शीतल राठी, रिता लड्ढा, आरती लड्ढा, कीर्ति मानधना व सदस्याओं का सहयोग रहा।

> "आगे बढ़ने वाला व्यक्ति कभी किसी को बाधा नहीं पहुँचाता और किसी को बाधा पहुंचाने वाला व्यक्ति कभी आगे नहीं बढ़ता।"

प्रगति सुदा को सिल्वर मेडल

अमरावती. छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय स्पर्धा मुख्यमंत्री कप सरदार बलवीरसिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम रायपुर में गत 7 से 10 सितंबर तक आयोजित की गई। इसमें अमरावती शहर की मशहूर रंगोली कलाकार माधुरी-सतीश सुदा की सुपुत्री प्रगति सुदा ने किक बॉक्सिंग में सिल्वर मेडल प्राप्त किया। पूरे देश से इसमें 30 टीमें शामिल हुईं। कुल लगभग 2 हजार खिलाड़ियों ने इस राष्ट्रीय स्पर्धा में भाग लिया था। उद्घाटन गौरीशंकर अग्रवाल, अध्यक्ष छग विधानसभा के मुख्य आतिथ्य एवं छगनलाल मूंदड़ा अध्यक्ष किक बॉक्सिंग एसोसिएशन ऑफ छग की अध्यक्षता में हुआ। इसमें महाराष्ट्र से भी 250 लड़के-लड़कियों ने भाग लिया था। प्रगति सुदा इस सफलता का श्रेय कोच आशीष श्रीवास, माँ माधुरी सुदा तथा दादा व दादी जगदीश-इंद्रकांता सुदा को देती हैं।

समीक्षा का उत्कृष्ट खेल के लिए अभिनंदन

नागपुर. शिवाजी नगर जिमखाना द्वारा आयोजित बॉस्केटबॉल खेल प्रतियोगिता में समीक्षा-स्वप्निल चाँडक ने धरमपेठ क्रीड़ा मंडल नागपुर की ओर से अंडर-13 समूह में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उत्कृष्ट खेल के लिए शिवाजी नगर जिमखाना मंडल ने मेडल देकर उनका स्वागत किया। समीक्षा चाँडक-सरोज चाँडक त्रिनयन माहेश्वरी महिला मंडल संगठन नागपुर फाउंडर प्रेसिडेंट तथा घनश्याम चाँडक की पोती हैं।

अक्षत प्रथम प्रयास में बने सीए

इंदौर. इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित सीए फाइनल परीक्षा में इंदौर के अक्षत बाहेती ने सीए की परीक्षा प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण की। अक्षत ने सीए आयपीसीसी की परीक्षा में मप्र में प्रथम एवं ऑल इंडिया में 18वीं रैंक प्राप्त की थी। अक्षत ने सीए-सीपीटी की परीक्षा में भी 85 प्रतिशत अंक प्राप्त किये थे।

अनंत राज्यस्तरीय स्पर्धा में चयनित

उदयपुर. 62वीं जिलास्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में सेंटपाल स्कूल के विद्यार्थी अनंत डागा सुपुत्र प्रेरणा-आशुतोष डागा ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। अब वे राष्ट्रस्तर की स्पर्धा में अपने जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

वैष्णवी को मिले 99.40 प्रतिशत अंक

अमरावती. एसएससी पूर्वार्द्ध के नतीजों में छात्रा वैष्णवी नितिन करवा को 98 फीसदी अंक प्राप्त हुए थे। इसमें पुनर्मूल्यांकन के बाद वैष्णवी को 99.40 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए। इससे वैष्णवी स्कूल में पहले स्थान की हकदार बनीं। इस परीक्षा में वैष्णवी ने महाराष्ट्र में मेरिट में 17वां स्थान प्राप्त किया है।

रश्मि को तिहरी उपलब्धि

पालधी. जलगाँव जिला माहेश्वरी सभा के उपाध्यक्ष विजय झँवर की सुपुत्री रश्मि झँवर ने पुणे से बीकॉम 65.4 प्रतिशत अंकों के साथ, इंटररियर डेकोरेशन डिप्लोमा 68.5 और फ्रेंच लेंग्वेज में डिप्लोमा 80 प्रतिशत अंकों के साथ पूर्ण किया। इस सफलता पर जिला सभा के पदाधिकारियों ने रश्मि को सम्मानित किया है।

रूपेश बीई में प्रथम

चंद्रपुर. कर सलाहकार एडवोकेट दिलीप नारायण राठी के सुपुत्र रूपेश ने पुणे से बीई कम्प्यूटर की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

सुदर्शन को 89 प्रतिशत अंक

पालधी. प्रतिष्ठित उद्योगपति अनिल सोमाणी के सुपुत्र सुदर्शन सोमाणी ने सीबीएसई दसवीं की परीक्षा 89.60 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

> "रेगिस्तान भी हरे हो जाते हैं! जब 'अपने' साथ 'अपने' खड़े हो जाते हैं..!"

रचिता ने उत्तीर्ण की एमडीएम परीक्षा

डांडेली. समाज सदस्य जवाहरलाल-लक्ष्मी बाहेती की सुपौत्री व हुबली निवासी बादल तथा पूजा बाहेती की सुपुत्री रचित बाहेती ने फेशियल सर्जरी की एमडीएम परीक्षा में तृतीय स्थान प्राप्त किया। डिग्री प्राप्त होने पर बेंगलोर कॉलेज में विशेष समारोह में उनका अभिनंदन किया गया।

अंजलि बनीं डेंटिस्ट

सोलापुर. वरिष्ठ समाजसेवक माजी जिल्हा अध्यक्ष गणेशलाल मानधनिया की पौती व सुशीला एवं गोविंदलाल मानधनिया की सुपुत्री अंजलि ने बीडीएस की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है।

MALU ELECTRODES PVT. LTD.
An ISO 9001:2008 Certified Company
Mangalam®
HIGH-TIDE®
ISO 9001 REGISTERED
DNV
Head Office :
Neelkamal, 1249, Central Avenue,
Nagpur - 440 002 (Maharashtra) INDIA.
Ph.: 91-712-2760873, 2767121.
Fax : +91- 712 2761315.
Email : info@maluelectrodes.com.
Web : www.maluelectrodes.com
Registered Office :
Malu Electrodes Pvt. Ltd.
111, Ramkrishna Appt., Chaproo Nagar Square,
Nagpur - 440 008. (Maharashtra) INDIA.
Ph.: 91 - 712-2730399, 2734895.
Fax : +91 - 712 2730719.
Email : info@maluelectrodes.com
Web : www.maluelectrodes.com
Nagpur Works :
Plot No.: S-2, 3 & 4, MIDC Hingna,
Nagpur - 440 016. (Maharashtra) INDIA.
Ph.: 91-712- 2730399, 2734895.
Fax : +91-712 2730719.
Email : info@maluelectrodes.com
Web : www.maluelectrodes.com
Haridwar Works :
Plot No.: 21-27, Sector 3-A,
SIDCUL, IIE, Haridwar - 249 401
(Uttarakhand) INDIA.
Ph.: 91-1334-239398, 323109.
Fax : +91-1334 239414.
Email : haridwar@maluelectrodes.com
Web : www.maluelectrodes.com
Odisha Works :
Malu Electrodes Pvt. Ltd.
IDCO, Plot No. 1, Kholadwar Industrial Area,
Tah : Jatni, Dist.: Khurda - 752055 (Odisha) INDIA.
Ph.: 91-712- 2730399, 2734895.
Email : info@maluelectrodes.com
Web : www.maluelectrodes.com
Sikkim Works :
Malu Electrodes Pvt. Ltd.
4th Mile, Kamarey Bhasmey,
Rangpo Rorathang Road, Post: Rangpo,
Dist.: East Sikkim - 737132 (Sikkim) INDIA.
Ph.: 91-712- 2730399, 2734895.
Email : info@maluelectrodes.com
Web : www.maluelectrodes.com

दिल्ली माहेश्वरी सभा के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बहुत–बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं

कार्यसमिति सदस्य – श्री राधाकिशन जी सोमानी

अध्यक्ष – श्री सत्यनारायण जी चाण्डक

सचिव – श्री अनूप जी माहेश्वरी

कोषाध्यक्ष – श्री ओम जी तापड़िया

संगठन मंत्री – श्री सुशील जी तापड़िया

बधाईकर्ता - शर्मिला राठी दिल्ली
सहमंत्री – उत्तरांचल

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान हमारी वेबसाइट है इसका सही समाधान

High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata

Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata

माहेश्वरी समाज के लिए 60 हजार से अधिक

जैन समाज के लिए 70 हजार से अधिक

अग्रवाल समाज के लिए 1 लाख से अधिक

Website

www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agrawal2agrawal.org

Registration Free

Registration Free

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867

सुदर्शन ब्रज यात्रा ने जगाई सामाजिक चेतना

यमुना की सफाई के बाद महिलाओं ने ओढ़ाई चुनरी

वृंदावन. अभा माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वावधान में उत्तरांचल द्वारा गत 7 से 15 सितंबर तक "सुदर्शन ब्रज यात्रा" का आयोजन वृन्दावन निवासी आचार्य श्री विवेक भारद्वाज के सान्निध्य में किया गया। इसके अंतर्गत विभिन्न धार्मिक स्थलों का भ्रमण तो किया ही गया, साथ ही यमुना शुद्धि के द्वारा नदी संरक्षण का संदेश भी दिया गया।

इस यात्रा की परिकल्पना राष्ट्रीय अध्यक्षा कल्पना गगडानी व राष्ट्रीय समिति प्रमुख शोभा सादानी ने की। इनके साथ ही महामंत्री आशा माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष कौशल्या गट्टानी व संगठन मंत्री मंजु बांगड़ के नेतृत्व में उत्तरांचल उपाध्यक्ष कांता गगरानी व सहमंत्री शर्मिला राठी ने इस कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई। मंजू सोमानी कार्यक्रम की स्वागताध्यक्ष रही। इसकी तैयारी में पद्मा मूंधड़ा, मनोरमा लड्ढा, लता लाहोटी, गीता मूंधड़ा, विमला साबू तथा सुशीला काबरा ने सलाहकार की भूमिका निभाई। यात्रा का यह कार्यक्रम सभी समितियों के अंतर्गत हुआ जिसमें राष्ट्रीय समिति प्रभारी निशा लड्ढा, कलावती जाजू, प्रेमा झँवर तथा कमला मोहता आदि शामिल थीं। महासभा सभापति श्याम सोनी, अशोक सोमानी, कौशल किशोर पलतानी, कमलेंद्र माहेश्वरी व राधाकिशन सोमानी का भी प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष सहयोग रहा।

यात्रा के लिए चार उद्देश्य

इस यात्रा के लिये महिला संगठन द्वारा ध्येय वाक्य दिया गया "आत्म चिंतन, आत्म मंथन, सृजन और समर्पण।" इस पूरी यात्रा में इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में रखकर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा यात्रा में देशभर से आईं करीब दो सौ महिला सदस्याओं ने ब्रज के तीर्थों के दर्शन के साथ समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य भी किया। चौरासी कोस के पड़ावों में पौधारोपण के अलावा उत्सवों को मनाकर आनंदित होने के साथ ही महिलाओं ने राष्ट्रोत्थान के लिए ग्रामीण अंचल की बेटियों को जागरूक कर उन्हें अधिकारों के प्रति सचेत भी किया। यात्रा के हर पड़ाव पर सामाजिक कार्य करने का संकल्प लेकर शुरू हुई चौरासी कोस यात्रा में जहाँ मथुरा महिला मंडल ने तालवन में किशोरियों को रूबैला वैक्सीन लगवाए। वहीं आगरा महिला मंडल ने नुक्कड़ नाटक कर सफाई का महत्व बताया व आगरा से आई विशेषज्ञ ने जैविक खाद की जानकारी दी। रेखा माहेश्वरी, रचना राठी, अलका राठी, पूजा गोदानी समेत अनेक सदस्याओं ने पड़ाव के दौरान ग्रामीण इलाकों में जाकर महिलाओं को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। महिला मंडल में शामिल प्रमिला चोला एवं मंजु हरकुट ने बताया कि चौरासी कोस परिक्रमा में प्रतिदिन भगवान की लीला स्थलियों के दर्शन करने के साथ ही सामाजिक कार्य भी किये गये।

ऐसे हुई थी तैयारी

राष्ट्रीय सहसचिव शर्मिला राठी बताती हैं, जनवरी 2017 को हमें अनुमति मिली कि आप सुदर्शन ब्रज यात्रा को सजायें। बस फिर क्या था? हम दो से एक हुए यात्रा को सजाने में, अपनी भावनाओं को अपने पारिवारिकजन को बताया। हमें जयपुर निवासी डागा परिवार के नवल डागा व श्रीमती शारदा का विशेष साथ मिला। हमारे इस कार्यक्रम में सदस्याओं को पेंसिल से लेकर तीन तरह के बैग, हाथ पंखा, माचिस की डिब्बियाँ, की चेन, कैप, रोटी करने का रेप कपड़ा, राखी झोली सब में अलग तरह के मैसेज देने थे। सोंच थी आप 7-8 दिन में कुछ भी कितने भी सेमिनार कर लें, लेकिन लिखित स्लोगन अलग-अलग तरह से बार-बार पढ़ने से जो रंग में रंग जमाते उसका प्रतिफल 200 लोगों से लेकर 2 हजार में दिखता है।

पूरे उत्साह के साथ शुभारंभ

इस यात्रा को लेकर लंबे समय से महिला संगठन ने व्यापक प्रचार-प्रसार किया था। अतः देशभर से महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महिलाओं के उत्साह का अनुमान इसी के साथ लगाया जा सकता है कि राष्ट्रीय पदाधिकारियों में उपाध्यक्ष सरला काबरा (पूर्वांचल), शैला कलंत्री (दक्षिणांचल), ममता मोदानी (पश्चिमांचल), सहमंत्री फूलकंवर मुंधड़ा (पश्चिमांचल) व मंजू कोठारी (पूर्वांचल) ने भी इस यात्रा में भाग लिया। यात्रा में महिलाओं के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए एम्बुलेंस व मूवेबल टॉयलेट की व्यवस्था की गयी थी। 5-6 सदस्याओं ने समय-समय पर जरूरतमंद साथियों को एक्यूप्रेशर के द्वारा राहत पहुंचाई। इस यात्रा को सफल बनाने में राष्ट्रीय समिति प्रभारी व संयोजिका, उत्तरांचल प्रदेशाध्यक्ष, सचिव व कार्यसमिति सदस्याओं का भी सहयोग रहा। इस यात्रा में 40 वाहनों से 190 सदस्य-सदस्याएँ शामिल हुए, जिनमें 80 वर्ष की वरिष्ठ माताजी से लेकर 22 वर्षीय लड़की तक शामिल थी। समिति प्रभारी कलावती जाजू, निशा लड्ढा, प्रेमा झंवर, मंजू मांधना, समिति संयोजिका मोनिका माहेश्वरी, रजनी हरकुट, अर्चना लाहोटी, मंजू भूतड़ा, प्रमिला चोला, उत्तरांचल प्रदेशाध्यक्ष मंजू सोमानी, विनीता राठी, शशि नेवर, किरन लड्ढा, सुजाता राठी, प्रदेश सचिव मंजू हरकुट, आशा झंवर, विनीता खटोड़, प्रदेश कार्यसमिति संगीता भट्टर, राधा जाजू, प्रदेशाध्यक्ष निर्मला मल, सविता पटवारी, कार्यक्रम संयोजिका रंजना मूंधड़ा, पूनम तोषनीवाल व ममता राठी यात्रा की कड़ी बनती गईं तथा अविस्मरणीय यात्रा का रूप दिया।

पर्यावरण संरक्षण का पूरा ध्यान

प्लास्टिक हमारी पृथ्वी माँ का सबसे बड़ा दुश्मन है। उसका प्रयोग इस यात्रा में नहीं किया गया। सबको पहले दिन ही थर्मस, गिलास, स्टील के बर्तन में खाना व कागज के गिलास में चाय दी गई। पूर्ण यात्रा को पेपर लेस बनाने में अभिषेक राठी (डायरेक्टर maheshwari.org) ने जो सहयोग दिया वो आज की पीढ़ी के लिये एक मिसाल रहा। उन्होंने ऑनलाइन फॉर्म भरवाना, रजिस्ट्रेशन, कमरे बुकिंग, गाड़ी नंबर देना व हमारा आय-व्यय का ब्योरा अपने कम्प्यूटर से कर हमें दे दिया। इस यात्रा में एक पैसा भी फूलों पर खर्च नहीं हुआ। मंच सजाना हो या अपनों का स्वागत करना हो, सभी ने घर से लाई गई चीजों का सदुपयोग कर इसे अपने हाथों से सजाया।

सेवा के साथ संस्कारों की पाठशाला

इस कार्यक्रम को ज्ञानवर्धक प्रश्नोत्तरी के साथ प्रतिदिन के भावों द्वारा बनायी गई पेरोडी, तुरंत तैयार भजन व नृत्य नाटिका से तैयार किया गया। इससे हमारी सदस्याओं की कलात्मकता का बोध हुआ। राष्ट्रीय समिति के कार्यक्रमों का समावेश व अपनी राष्ट्रीय कार्यप्रणाली से सदस्याओं को रूबरू करवाया। स्वास्थ्य शिविर, पौधारोपण, कपि भोज, पुस्तिका दान, वस्त्रदान, तकनीकी शिक्षा, रोजगार शिक्षा, प्रश्नोत्तरी (अध्यात्म) व भ्रमण आदि यात्रा के प्रमुख अंग थे। इसका महत्व समझाया कि समूह में किस तरह से छोटे कार्य बड़े रूप लेते हैं। उनका प्रतिफल कितना अधिक निकलता है, यह इससे व्यक्त हुआ। एक सोच के साथ एक छत के नीचे सभी कम से कम 7-8 दिन साथ रहें व एक-दूसरे को समझें। सभी ने अपनी राष्ट्रीय अध्यक्षा के समक्ष अपनी भावना को प्रेषित किया।

ऐसी चली तीर्थ दर्शन यात्रा

प्रथम दिवस- 7 सितंबर को यात्रा का शुभारंभ राष्ट्रीय महामंत्री आशा माहेश्वरी की उपस्थिति में हुआ। इस यात्रा की विशेषता यही रही कि यह महज यात्रा न होकर सामाजिक समस्याओं के निराकरण हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का कार्य क्षेत्र भी रहा। इस दिन प्रातः सुमित्रा काबरा के द्वारा बांके बिहारी का देहली पूजन व छप्पन भोग व शोभा सादानी द्वारा शृंगार व वस्त्र ठाकुरजी को धराया गया। इसी दिन दोपहर में सुषमा समिति के अंतर्गत केसी घाट पर यमुना सफाई अभियान के बाद यमुना जी की आरती कर भजन गाए गए। वृंदावन निवासी आचार्य विवेक भारद्वाज द्वारा अगले दिन 8 सितंबर के कार्यक्रम व नियमों से सभी को अवगत कराया गया।

द्वितीय दिवस- सर्वप्रथम यमुना जी की पूजा एवं चुनरी मनोरथ

आयोजित किया गया। इसके उपरांत महामंत्री आशा माहेश्वरी, पूर्व अध्यक्षा सुशीला काबरा, कोषाध्यक्ष कौशल्या गट्टानी, संगठन मंत्री मंजू बांगड़, कांता गगरानी, शर्मिला राठी व मंजु सोमानी ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा के लिए गाड़ियों को रवाना किया। सर्वप्रथम बलदेवजी, नंदी आनंदी दर्शन, ठाकुर जी कुलदेवी व ब्रह्मांड मंदिर आदि के दर्शन किये। चिंताहरण महादेव के दर्शन व दोपहर का भोजन, संध्या तक कुछ और दर्शनों के पश्चात मुंबई से पधारे गिरधर डागा द्वारा भजन संध्या प्रस्तुत की गई।

▸▸ **तृतीय दिवस-** 9 सितंबर को आचार्य विवेक महाराज के सान्निध्य में द्वारकाधीश, विश्राम घाट, जन्मभूमि मधुबन आदि के दर्शन किये गये। मथुरा माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा तालवन में बच्चियों को रुबैला टीका का वितरण कर स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। इस अवसर पर आयोजित रंगारंग कार्यक्रमों का मुख्य आकर्षण आगरा माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति थी। इसमें महिलाओं ने शौचालय की आवश्यकता, बेटी बचाओ, लिंग परीक्षण व परिवार नियोजन जैसी समस्याओं को बहुत प्रभावशाली ढंग से नाटक के रूप में प्रस्तुत किया। आगरा से आईं डॉ. साहिबा ने जैविक खाद प्रकल्प को बहुत सरल माध्यम से सभी को बताया। सुलेखा समिति द्वारा तैयार प्रश्नोत्तरी में सभी सदस्याओं ने भाग लिया।

▸▸ **चतुर्थ दिवस-**10 सितंबर को विभिन्न दर्शनीय स्थलों के दर्शन के पश्चात सायंकाल में हैदराबाद की महिलाओं द्वारा सुदर्शन ब्रज यात्रा के वर्णन हेतु स्वरचित गीत सुनाए गए। भ्रमण का मुख्य आकर्षण अलीगढ़ की बहनों द्वारा करवाया गया कपि भोज रहा। शाम को गिरिराजजी में छप्पन भोग (कुण्डवारा) के दर्शन किये। प्रश्नोत्तरी भी आयोजित करवायी गयी।

▸▸ **पंचम दिवस-** 11 सितंबर को सभी महिलाओं को चारधाम के दर्शनों का सौभाग्य प्राप्त हुआ। कामवन के बद्रीनाथ में महिलाओं ने पौधारोपण किया। इसमें 150 पौधे लगाए। वापसी पर डीग फोर्ट में स्थित हनुमान मंदिर के दर्शन कर यात्रा समाप्त हुई। पूर्वी उत्तरप्रदेश की सदस्याओं द्वारा रुक्मिनी मंगल की सुंदर प्रस्तुति दी गई।

▸▸ **षष्ठम दिवस-**12 सितंबर को रामेश्वर धाम, कामाख्या आदि के दर्शन किये व यात्रा को सार्थक किया।

▸▸ **सप्तम दिवस-** 13 सितंबर को बरसाना, नंदगाँव आदि के दर्शन किये। मीरापुर की सदस्याओं द्वारा आशेश्वर आश्रम (नंदगाँव) में स्कूल के बच्चों को पाठ्यसामग्री वितरित की गयी।

▸▸ **अष्टम दिवस-**14 सितंबर को चीरघाट, शेषशायी आदि के दर्शन किये। शाम को सुचिता समिति के अंतर्गत फूलों की होली का कार्यक्रम आयोजित हुआ। प्रदेश पदाधिकारियों का अभिनंदन किया गया।

पितृ पक्ष में रोज यात्रा के सदस्यों को अपने अपने पितृों के श्राद्ध पर ब्राह्मण भोजन की व्यवस्था थी, जिसकी सभी ने बहुत प्रशंसा की।

सामूहिक हवन व गोदान से समापन

15 सितंबर को महिलाओं द्वारा झारी भरी गयी। तत्पश्चात सामूहिक हवन, गोदान व ब्राह्मण भोज का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इसके बाद मंचीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें महासभा अध्यक्ष श्याम सोनी, उत्तरांचल उपाध्यक्ष अशोक सोमानी, उत्तरांचल के पूर्व उपाध्यक्ष राधाकिशन सोमानी, पश्चिम उत्तरप्रदेश अध्यक्ष कमलेंद्र माहेश्वरी, अ.भा.मा. महिला संगठन कोषाध्यक्ष कौशल्या गट्टानी, कार्यक्रम स्वागताध्यक्ष मंजू सोमानी व उत्तरांचल संरक्षिका रेखा माहेश्वरी ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। पर्यावरण जागरुकता संबंधी विशेष सहयोग के लिए नवल डागा व शारदा डागा का रेखा माहेश्वरी ने सम्मान किया। कौशल्या गट्टानी ने कहा कि यह यात्रा पूर्णकर उत्तरांचल ने अ.भा.माहेश्वरी महिला संगठन के मुकुट पर एक और हीरा जड़ दिया है।

Somani SOMANI ISPAT PRIVATE LIMITED

theinner**strength** foryour**construction**

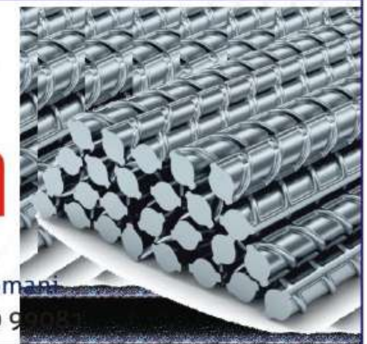

Sanjay Kumar Somani +91 - 92465 34957

Sudhir Kumar Somani +91 - 98490 24065

Aakash Somani +91 - 99080 99081

11-6-27/1, 2 & 3, Opp. IDPL Factory, Balanagar, Hyderabad - 37 (T.S.) INDIA
+91 - 40 - 2377 1877 / 8375 / 2411, contact@somanisteel.com, www.somanisteel.com

HR Coil / TMT De-Coiling Unit & Godown at
Survey No. 76/2, Gundlapochampally
Near Kompally, Hyderabad, Cell : 77022 66065

VIZAG
Plot No. 28, D Block Extn., Behind Sail Yard
Autonagar, Visakhapatnam, Ph : 0891-2754044

GROUP COMPANY

MAHESWARI FASTENERS & BRIGHT PVT. LTD.
Manufactures of : MS & HDG Fasteners (BIS & AP TRANSCO APPROVED)
Plot No. 152 & 154, Medchal Industrial Estate, Hyderabad, Ph : +91 - 40 - 2980 3123

vishalprinter.com

Authorised Dealer of : SAIL, VSP, JSW, JSPL, ESSAR & UTTAM VALUE

आपके मंगलमय पलों के लिये

बेहतरीन मांगलीक कलेक्शन

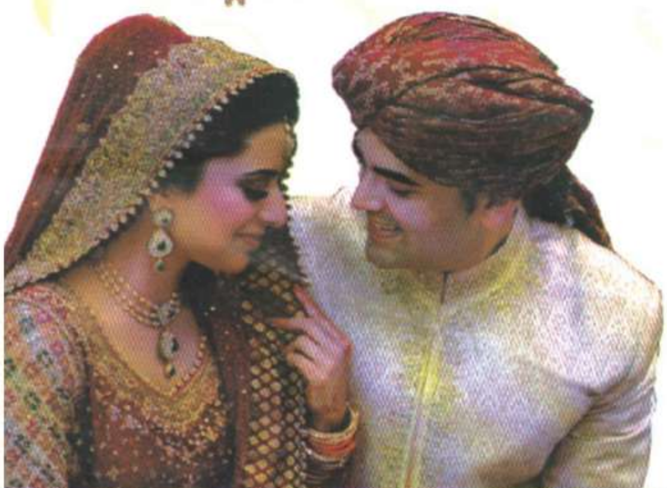

सेवा के ५ दशक

मंगल वस्त्रालय मंगलम्

बुटीक डिझाईनर साडियाँ / घाघरा ओढणी - लाच्छा
मधुबनी / शिफॉन / इटालीयन / जार्जेट / क्रेप
उपाडा सिल्क / पैठणी / कांची सिल्क
इंडोवेस्टर्न / सलवार सुट / कुर्ती

जयस्तंभ चौक, अमरावती. फोन. (मंगल)२५७२६७२ (मंगलम्) २५६४१७२

कैसे करें शास्त्रोक विधि से दीपावली पूजन

▸▸ पं. अखिलेश शर्मा

लक्ष्मीपुत्रों के इस समाज में महालक्ष्मी पूजन का विशेष महत्व है। यदि शास्त्रोक्त ढंग से पूजा की जाए तो वह पूर्ण फल देती है और गलत ढंग से ही की गई पूजा अनिष्टकारी भी हो जाती है। तो आईयें देखें कैसे करें हम शास्त्रोक्त विधि-विधान के अनुसार पूजन।

धनतेरस- धन्वंतरि व यम पूजन

यह त्योहार कार्तिक मास के कृष्णपक्ष की त्रयोदशी को मनाया जाता है। इस दिन यमराज के लिये आटे से निर्मित दीपक बनाकर घर के मुख्य द्वार पर रखने का विधान है। रात्रि को घर की स्त्रियां इस दीपक में तेल डालकर 4 बत्तियां जलाती हैं और जल, रोली, चावल, फूल, गुड़, नैवेद्य आदि सहित दीपक जलाकर यम का पूजन करती हैं। हल जुती मिट्टी को दूध में भिगोकर सेमर वृक्ष की डाली में लगाएं और 3 बार अपने शरीर पर फेरकर कुमकुम का टीका लगाएं व दीप प्रज्ज्वलित करें। इसी दिन भगवान धन्वंतरि का विधिवत पूजन करने का विशेष महत्व है। पुराणों में वर्णित कथा के अनुसार देवताओं व दैत्यों ने जब समुद्र मंथन किया तो उसमें से कई रत्न निकले। समुद्र मंथन के अंत में भगवान धन्वन्तरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए। उस दिन कार्तिक मास के कृष्णपक्ष की त्रयोदशी ही थी, इसलिए तब से इस तिथि को भगवान धन्वन्तरि प्रकटोत्सव मनाए जाने का चलन प्रारंभ हुआ। पुराणों में धनवन्तरि को भगवान विष्णु का अंशावतार भी माना गया है। धनतेरस के दिन भगवान धन्वन्तरि का पूजन करें।

पूजन विधि - सर्वप्रथम नहाकर साफ वस्त्र धारण करें। भगवान धन्वन्तरि की मूर्ति या चित्र साफ स्थान पर स्थापित करें तथा पूर्वाभिमुख होकर बैठ जाएं। उसके बाद भगवान धनवन्तरि कर आह्वान निम्न मंत्र से करें

सत्यं च येन निरत रोग विधूतं अन्वेषित च सविधिं आरोग्यमस्य ।
गूढ़निगूढ़औषध्यरूपम्, धन्वन्तरि च सततं प्रणमामि नित्यं।

इसके पश्चात् पूजन स्थल पर आसन देने की भावना से चावल चढ़ाएं। इसके बाद आचमन के लिए जल छोड़ें। भगवान धन्वंतरि के चित्र पर गंध, अबीर, गुलाल, पुष्प, रोली आदि चढ़ाएं। चांदी के पात्र में खीर का नैवैद्य लगाएं। (अगर चांदी का पात्र उपलब्ध न हो तो अन्य पात्र में भी

नैवेद्य लगा सकते हैं) तत्पश्चात् पुनः आचमन के लिए जल छोड़ें। मुख शुद्धि के लिए पान, लोंग, सुपारी चढ़ाएं। भगवान धन्वंतरि से रोगनाश की कामना के लिए इस मंत्र का जाप करें-

ॐ रं रूद्र रोगनाशाय धन्वन्तर्य फट्।।

इसके बाद भगवान धन्वंतरि को श्रीफल व दक्षिणा चढ़ाएं। पूजन के अंत में कपूर से आरती करें। घर के मुख्य द्वार पर यमराज के निमित्त दीपदान करना चाहिए। रात्रि को एक दीपक में तेल, एक कौड़ी, काजल, रौली, चावल, गुड़, फल, फूल व मीठे के सहित दीपक जलाकर यमराज का पूजन करना चाहिए। दीप प्रज्ज्वलित करते समय निम्न मंत्र के साथ प्रार्थना करनी चाहिए।

मृत्युना पाशहस्तेन कालेन भार्यायि सह।
त्योदश्यां दीपदानात्सूर्यजः प्रीयतामित।।

इस मंत्र के साथ पूजन करने से अच्छे फल प्राप्त होते हैं।

नरक चतुर्दशी-यमराज पूजन

कार्तिक मास की कृष्ण चतुर्दशी को नरक चतुर्दशी कहते हैं। इस दिन यमराज की पूजा व व्रत का विधान है।

पूजन विधि-विधान-यह व्रत कार्तिक मास के कृष्णपक्ष की चतुर्दशी को रखा जाता है। इस दिन शरीर पर तिल के तेल से मालिश करके सूर्योदय के पूर्व स्नान के दौरान अपामार्ग (एक प्रकार का पौधा) को शरीर पर स्पर्श करना चाहिए। अपामार्ग को निम्न मंत्र पढ़कर मस्तक पर घुमाना चाहिए-

सितालोष्ठसमायुक्त सकण्टकदलान्वितम।
हर पापमपामार्ग भ्राम्यमाणः पुनः पुनः ।।

स्नान करने के बाद शुद्ध वस्त्र पहनकर तिलक लगाकर दक्षिण दिशा की ओर मुख करके यम से परिवार के सुख की कामना करें। इसके साथ ही प्रदोषकाल में चार बत्तियों वाला दीपक जलाकर दक्षिण दिशा में रखें और उसका निम्न मंत्र से पूजन करें-

दीपश्चतुर्दश्यां नरक प्रीतये मया।
चतुर्वर्ति समायुक्त र्वपानतये (लिंग पुराण)

अर्थात- आज चतुर्दशी के दिन नरक के अभिमानी देवता की प्रसन्नता तथा सर्व पापों के नाशों के लिये मैं 4 बत्तियों वाला चौमुखा दीप अर्पित करता/करती हूँ।

इस तिथि को सूर्योदय से पूर्व ही प्रातःकाल स्नान करने का बड़ा माहात्म्य माना गया है। श्री ब्रह्म पुराण के अनुसार जो मनुष्य प्रातःकाल स्नान करता है, वह प्रायः निरोगी रहता है, जीवन भर सुखी और संतुष्ट रहता है। इस पर्व पर स्नान करने के पूर्व शरीर पर तिल के तेल की मालिश करने का अधिक माहात्म्य बताया गया है। इस चतुर्दशी के दिन यदि दीपावली हो जाए तो तेल में लक्ष्मी और जल में गंगाजी निवास करती हैं, ऐसा विश्वास किया जाता है। चतुर्दशी को महारात्रि माना जाता है, इसलिए इसमें शक्ति के उपासकों को शक्ति की पूजा करनी चाहिए। इस रात्रि में मंत्र भी सिद्ध किए जा सकते हैं।

दीपावली पर्व- महालक्ष्मी का पूजन

कार्तिक कृष्ण अमावस्या (दीपावली) को भगवती श्री महालक्ष्मी एवं भगवान गणेश की नूतन (नई) प्रतिमाओं का प्रतिष्ठापूर्वक विशेष पूजन किया जाता है। पूजन के लिये किसी चौकी अथवा कपड़े के पवित्र आसन पर गणेश जी के दाहिने भाग में माता महालक्ष्मी की मूर्ति को स्थापित करें। पूजन के दिन घर को स्वच्छ कर पूजा स्थान को भी पवित्र कर लें एवं स्वयं भी पवित्र होकर श्रद्धा भक्ति पूर्वक सायंकाल महालक्ष्मी व भगवान श्रीगणेश का पूजन करें। श्री महालक्ष्मी जी की मूर्ति के पास ही पवित्र पात्र में केसर युक्त चंदन से अष्टदल कमल बनाकर उस पर द्रव्य लक्ष्मी (रूपयों) को भी स्थापित करें तथा एक साथ ही दोनों की पूजा करें। सर्वप्रथम पूर्वाभिमुख अथवा उत्तराभिमुख हो आचमन, पवित्री धारण, मार्जन, प्राणायाम कर अपने ऊपर तथा पूजा-सामग्री पर निम्न मंत्र पढ़कर जल छिड़के-

ॐ अपवित्रः पवित्रों वा सर्वावस्थां गतोपि वा।
यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्मभ्यन्तरः शुचिः ।।

उसके बाद जल अक्षत लेकर पूजन का संकल्प करें-

संकल्प- ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णुः अद्य मासोत्तमे मासे कार्तिक मासे कृष्णपक्षे पुण्याममावस्यायां तिथौ....

वासरे... गोत्रोत्पन्नः (गोत्र का उच्चारण करें) /
गुप्तोहंश्रुतिस्मृतिपुराणोक्तफलावाप्तिकामनया
ज्ञाताज्ञातकायिकवाचिकमानसिक सकलपापानिवृत्तिपूर्वकं
स्थिरलक्ष्मीप्राप्तये श्री महालक्ष्मीप्रीत्यर्थं
महालक्ष्मीपूजनं कुबेरादीनां च पूजनं करिष्ये।
तदङ्त्वेन गौश्रीगणपत्यादिपूजनं च करिष्ये।

ऐसा कहकर संकल्प का जल छोड़ दें।

प्रतिष्ठा- पूजन से पूर्व नूतन प्रतिमा की निम्न रीति से प्राण प्रतिष्ठा करें। बाएं हाथ मे चावल लेकर निम्नलिखित मंत्रों को पढ़ते हुए दाहिने हाथ से उन चावलों को प्रतिमा पर छोड़ते जाएं।

ॐ मना जूतिर्जुषतामाज्यस्य बृहस्पतिर्यज्ञमिमं
तनात्वरिष्टं समिमं दधातु।
विश्वे देवास इह मादयन्तामोम्पतिष्ठ।
ॐ अस्ये प्राणाः प्रतिष्ठन्तु अस्यै प्राणाः क्षरन्तु च।
अस्ये देवत्त्वपमर्चायै मामहेति च कश्चन।।

पूजन - सर्वप्रथम भगवान गणेश का पूजन करें इसके बाद कलश तथा षोडशमातृका (सोलह देवियों का) पूजन करें। तत्पश्चात प्रधान पूजा में मंत्रों द्वारा भगवती महालक्ष्मी का षोडशोपचार पूजन करें।

'ॐ महालक्ष्म्यै नमः' इस नाम मंत्र से भी उपचारों द्वारा पूजा की जा सकती है।

प्रार्थना- विधिपूर्वक श्री महालक्ष्मी का पूजन करने के बाद हाथ जोड़कर प्रार्थना करें-

सुरासरेंद्रादिकिरीटमौक्तिकै- युक्तं सदा यत्तव पादपंकजम्।
परावरं पातु वरं सुमंगल नमामि भक्त्याखिलकामसिद्धये।।
भवानि त्वं महालक्ष्मीः सर्वकामप्रदायिनी।।
सुपूजिता प्रसन्ना स्यान्महालक्ष्मि नमोस्तु ते।
नमस्ते सर्वदेवानां वरदासि हरिप्रिये।
या गतिस्त्वत्प्रपन्नानां सा में भूयात् त्वदर्चनात् ।।
ॐ महालक्ष्म्यै नमः प्रार्थनापूर्वक सनमस्कारान् समर्पयामि।
प्रार्थना करते हुए नमस्कार करें।

समर्पण- पूजन के अंत में-

'कृतोनानेन पूजनेन भगवती महालक्ष्मीदेवी प्रीयताम् न मम।'

यह वाक्य उच्चारण कर समस्त पूजन कर्म भगवती महालक्ष्मी को समर्पित करें तथा जल गिराएं।

दीपावली पर ऐसे करें महालक्ष्मी की आरती

दीपावली पर देवी महालक्ष्मी, भगवान श्रीगणेश , देहली विनायक, दवात, लेखनी, बही, कुबेर, तुला व दीपमाला पूजन के पश्चात् महालक्ष्मी की आरती की जाती है।

आरती के लिए थाली में स्वस्तिक आदि मांगलिक चिह्न बनाकर चावल तथा पुष्पों के आसन पर शुद्ध घी का दीपक जलाएं। एक पृथक पात्र में कपूर भी प्रज्वलित कर वह पात्र भी थाली में यथास्थान रख लें। आरती-थाल से स्वयं की शुद्धि करें (जल छिड़क लें)। पुनः आसन पर खड़े होकर अन्य पारिवारिक जनों के साथ घण्टानादपूर्वक महालक्ष्मीजी की आरती करें।

मंत्र पुष्पांजलि - आरती पश्चात् दोनों हाथों में कमल आदि के पुष्प लेकर हाथ जोड़े और निम्न मंत्र का पाठ करें-

ॐ या श्री स्वयः सुकृतिनां भवनेष्वलक्ष्मीः
पापात्मनां कृतधियां हृदयेषु बुद्धिः।
श्रद्धा सतां कुलजनप्रभवस्य लज्जा
तां त्वां नताः स्म परिपालय देवि विश्वः।।
ॐ श्री महालक्ष्मै नमः मंत्रपुष्पांजलि समर्पयामि।

ऐसा कहकर हाथ में लिए फूल महालक्ष्मी पर चढ़ा दें। प्रदक्षिणा कर प्रणाम करें, पुनः हाथ जोड़कर क्षमा प्रार्थना करें-

आवाहनं न जानामि न जानामि विसर्जनम्।
पूजनं चैव न जानामि क्षमस्व परमेश्वरि।।
यत्पूजितं मया देवि परिपूर्ण तदस्तु में।।
सरजिजनिलये सरोजहस्ते धनतरांशुकगंधमाल्यशोभे।
भगवति हरिवल्लभे मनोज्ञ त्रिभुवनभूतिकरि प्रसीद मम्हम।।

पुनः प्रणाम करके 'ॐ अनेन यथाशक्तयनेन श्रीमहालक्ष्मीः प्रसीदतु।' यह कहकर जल छोड़े दें। ब्राह्मण एवं गुरूजनों को प्रणाम कर चरणामृत तथा प्रसाद वितरण करें।

विसर्जन- पूजन के अंत में अक्षत लेकर श्रीगणेश एवं महालक्ष्मी की नूतन प्रतिमा को छोड़कर अन्य सभी आवाहित प्रतिष्ठित एवं पूजित देवताओं को अक्षत छोड़ते हुए निम्न मंत्र से विसर्जित करें-

यान्तु देवगणाः सर्वे पूजामादाय मामकीम।
इष्टकामसमृयर्थ पुनरागमनाय च।।

ऐसे करें देहली विनायक, दवात-कलम की पूजा

हमारी परंपरानुसार दीपावली पर देवी महालक्ष्मी तथा भगवान श्रीगणेश के साथ ही देहही विनायक ,दवात व कलम की पूजा करने का विधान भी है। इसकी विधि नीचे दी गई है-

देहली विनायक पूजन- व्यापारिक प्रतिष्ठादि में दीवारों पर ॐ श्रीगणेशाय नमः, स्वस्तिक चिह्न, शुभ-लाभ आदि मांगलिक एवं कल्याण शब्द सिंदूर से लिखे जाते हैं। इन्हीं पर "ॐ देहलीविनायकाय नमः" इस नाममंत्र द्वारा गंध -पुष्पादि से पूजन करें।

श्रीमहाकाली (दवात) पूजन- स्याहीयुक्त दवात को भगवती महालक्ष्मी के सामने पुष्प तथा चावल के ऊपर रखकर उस सिंदूर से स्वस्तिक बना दें तथा मौली लपेट दें।

ॐ श्रीमहाकाल्यै नमः से गंध पुष्पादि पंचोपचारों से या षोडशोपचारों से दवात तथा भगवती महाकाली का पूजन करें और अंत में इस प्रकार प्रार्थनापूर्वक उन्हें प्रणाम करें।

पूजन मुहूर्त

बहींखाता क्रय - बहिखाता क्रय करने का शुभ समय प्रातः 7/49 से 9/24 तक 10/24 से 10/30 तक। दोपहर 1/24 से सायं 4/24 तक 5/24 से 6/24 रात्रि 8/24 से 12/24 तक रहेगा।

धनतेरस पूजन - उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र अहोरात्र रहेगा। ब्रह्मयोग सायं 6/01 तक रहेगा। राहुकाल प्रातः 9 से 10/30 तक त्याज्य रहेगा। अतः शुभ समय - प्रातः 7/26 से 8/26 तक 10/30 से दोपहर 1/26 तक दोपहर 2/26 से 3/26 तक सायं 5/26 से रात्रि 8/26 तक रात्रि 9/26 से 10/26 तक श्रेष्ठ मय रहेगा।

दीपावली पूजन - दीपावली 19 अक्टूबर 2017 गुरुवार को कार्तिक कृष्ण अमावस्या का योग रात्रि 24/45 तक रहेगा। दोपहर 1/30 से 3/00 तक राहुकाल त्याज्य है। स्थिर लग्न सायंकालीन वृषभ 16/26 से 21/23 तक, प्रातः 8/35 से 10/50 तक वृश्चिक लग्न तथा निशिथ काल में सिंह लग्न 25/54 से 28/06 तक है। दीपावली पूजन में मुख्य रूप से प्रदोष काल ग्राह्य किया जाता है। जो इस दिन वृश्चिक लग्न के साथ सायं 7/28 से रात्रि 9/46 तक रहेगा। यह समय महालक्ष्मी पूजा के लिए सर्वश्रेष्ठ है। श्रेष्ठ होरा काल प्रातः 6/27 से 7/27, 9/27 से 12/27 सायं 4/27 से 10/27 तक रात्रि 11/27 से 12/27 तक श्रेष्ठ ेरा काल रहेगा। चौघड़ियानुसार - (मध्यमान से) प्रातः 6 से 7/30 प्रातः 10/30 से 12 तक 12 से 1/30 तक सायं 4/30 से 6 तक सायं 6 से 7/30 तक 7/30 से 9 तक पूजन श्रेष्ठ हेगा।

कालिके त्वं जगन्मातर्मसिरूपेण वर्तसे।
उत्पन्ना त्वं च लोकानां व्यवहारप्रसिद्धये ।।
या कालिका रोगहरा सुवन्द्या
भक्तैः समस्तैर्व्यवहारदक्षैः।
जनर्जनानां भयहारिणी च सा लोकमाता मम सौख्यादास्तु।।

लेखनी पूजन- लेखनी (कलम) पर मौली बांधकर सामने रख लें और-
लेखनी निर्मित पूर्व ब्रह्मणां परमेष्ठिना।
लोकांना च हितर्थय तस्मात्तां पूज्याम्यहः।।
ॐ लेखनीस्थायै देव्यै नमः
इस नाममंत्र द्वारा गंध, पुष्प, चावल आदि से पूजन कर इस प्रकार प्रार्थना करें-
शास्त्राणां व्यवहाराणां विद्यानामाप्नुयाद्यातः।
अतस्त्वां पूजयिष्यामि मम हस्ते स्थिरा भव।।

बहीखाता पूजन - बही, तिजोरी तथा थैली में रोली या केसरयुक्त चंदन से स्वस्तिक का चिन्ह बनाएं एवं थैली में पांच हल्दी की गांठ, धनिया, कलमगट्टा, अक्षत, दुर्वा और द्रव्य रखकर उसमें सरस्वती का पूजन करें। सर्वप्रथम सरस्वती का ध्यान इस प्रकार करें-
या कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता
या वीणावरदण्डण्डितकरा या श्वेतपद्मासना।
या ब्रम्हाच्युशंकरप्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता
सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड्यापहा।।
''ॐ वीणापुस्तकधारिण्यै श्रीसरस्वत्यै नमः''
फिर इस नाममंत्र से गंधादि उपचारों द्वारा पूजन करें-

कुबेर पूजन- तिजोरी अथवा रुपए रखे जाने वाले संदूक आदि को स्वस्तिकादि से अलंकृत कर उसमें निधिपति कुबेर का आह्वान करें-
आवाहयामि देव त्वामिहायाहि कृपां कुरू।
कोशं वद्धाय नित्यं त्वं परिरक्ष सुरेश्वर ।।
आह्वान के बाद ''ॐ कुबेराय नमः'' इस नाममंत्र से गंध,पुष्प आदि से पूजन कर अंत में इस प्रकार प्रार्थना करें -
धनदाय नमस्तुभ्य निधिपद्माधिपाय च।
भगवान् त्वत्प्रसादेन धनधन्यादिसम्पदः।।
इस प्रकार प्रार्थनाकर पूर्व पूजित हल्दी, धनिया, कमलगट्टा, द्रव्य,दूर्वादि से युक्त थैली तिजोरी में रखें।

तुला (तराजू) पूजन- सिंदूर से तराजू पर स्वस्तिक बना लें। मौली लपेटकर तुला देवता का इस प्रकार ध्यान करें-
नमस्ते सर्वदेवानां शक्तित्वे सत्यमाश्रिता।।
साक्षीभूता जगद्धात्री निर्मिता विश्वयोनिना।।
ध्यान के बाद ''ॐ तुलाधिष्ठातृदेवतायै नमः''
इस मंत्र से गधाक्षतादि उपचारों द्वारा पूजन करें।

दीपमालिका (दीपक) पूजन- किसी पात्र में ग्यारह, इक्कीस या उससे अधिक दीपकों को प्रज्वलित कर महालक्ष्मी के समीप रखकर उस दीपज्योति का ''ॐ दीपावल्यै नमः'' इस नाममंत्र से गंधादि उपचारों द्वारा पूजन कर इस प्रकार प्रार्थना करें-
त्वं ज्योतिस्त्वं रविश्चनद्रो विद्यदर्निश्च तारकाः।
सर्वेषा ज्योतिषां ज्योतिर्दीपाल्यै नमो नमः।।

दीपमालाओं का पूजन कर संतरा, ईख, धान, इत्यादि पदार्थ चढ़ाएं। धान का लावा (खील) गणेश, महालक्ष्मी तथा अन्य सभी देवी-देवताओं को भी अर्पित करें। अंत में अन्य सभी दीपकों को प्रज्ज्वलित कर उनसे संपूर्ण गृह को अंलकृत करें।

दीपावली के अगले दिन गोवर्धन पूजा होती है। यह पर्व वास्तव में श्रीकृष्ण के द्वारा गोवर्धन पर्वत से ब्रजवासियों की रक्षा किये जाने की स्मृति में मनाया जाता है, लेकिन वर्तमान परंपरा में इसमें गाय के गोबर से गोवर्धन बनाकर उसकी पूजा की जाती है। इसका कारण गोमाता का महत्व ही है। आईये देखें क्यों इतनी महत्वपूर्ण हैं, गोमाता?

क्यों होती है गोवर्धन पूजा

▸▸ SMT टीम

- गोमाता ही एक ऐसा जीव है, जिसकी आँत 180 फुट लंबी होती है, इसके कारण जो चारा यह ग्रहण करती है, उससे दूध में कैरोटीन नामक उपयोगी पदार्थ बनता है, वह भैंस के दूध से दस गुना अधिक होता है।
- एक जर्मन वैज्ञानिक डॉ. जोसिम वेल्ज लिखते हैं कि गोवंश यदि गाँव में नहीं रहेगा तो 10 से 20 करोड़ आदमी प्रतिवर्ष गाँव से शहर में पलायन कर जाएंगे।
- इजरायल ने गिर नस्ल की भारतीय गाय से 12 लीटर दूध प्रतिदिन उत्पादन कर साबित कर दिया है कि भारतीय गाय सर्वश्रेष्ठ है। इस गाय का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है।
- भारतीय नस्ल की गाय में 33 करोड़ देवी-देवताओं का वास माना जाता है जो अन्य किसी जीव में नहीं है। वह इसकी उपयोगिता पर ही आधारित है।
- गरुड़ पुराण में मृत्यु के बाद वैतरणी नदी पार करने का माध्यम गाय को माना गया है।
- प्रो. एनएन गोड़केल के अनुसार गाय के दूध को कार्बोहाइड्रेड, लवण, वसा, क्षार, एल्बुमिनाइड तथा विटामिन होने के कारण एक सम्पूर्ण आहार माना गया है।

- गाय के दूध में स्ट्रांशियम नामक तत्व है, जो अणु-विकिरण का प्रतिरोधक है।
- गाय के दूध में 'सेरीब्रोसाइड' तत्व होता है, जो मस्तिष्क एवं बुद्धि के विकास में सहायक है और अम्लपित्त एवं शरीर की गर्मी को शांत करने का काम करता है।
- गाय के दूध से बनाई गई छाछ, दही, मावा, घी आदि पदार्थ पुष्टिवर्धक, धातुवर्धक, वीर्यवर्धक एवं कांतिवर्धक हैं।
- गाय के घी के हवन से प्राप्त धुएँ से कीटाणु मर जाते हैं।
- गाय के घी को चावल के साथ मिलाकर जलाने पर कई महत्वपूर्ण गैसें बनती हैं, जैसे एथीलीन ऑक्साइड, प्रोपिलीन ऑक्साइड, फॉमेल्हाइड आदि। ये ऑपरेशन थियेटर से लेकर जीवनरक्षक औषधि आदि बनाने में उपयोगी हैं।
- गाय की रीढ़ में सूर्यकेतु नामक नाड़ी होती है, जो सूर्य के प्रकाश में जागृत होती है, इससे यह स्वर्ण के रंग का पदार्थ छोड़ती है, जिससे गाय के दूध का रंग हल्का पीला होता है। गाय के दूध में स्वर्ण तत्व पाया जाता है, जो माँ के दूध के अलावा अन्य किसी में नहीं पाया जाता।
- गाय के दूध से कोलेस्ट्रॉल नहीं बढ़ता, इससे हृदय एवं रक्त की धमनियों के संकोचन का निवारण होता है।
- गाय के दूध में उसी गाय का घी मिलाकर पीने से कैंसर ठीक हो सकता है।
- गाय के घी को दिन में तीन बार सुबह-दोपहर व रात्रि में नाक में डालने से कफ, पित्त और वात के त्रिदोष से मुक्ति मिल जाती है।
- काले छिलके वाली उड़द की दाल 10 ग्राम रात को भिगोकर इसमें 10 ग्राम अरंडी का तेल मिलाकर ताजे गाय के दूध का मक्खन 12 ग्राम मिलाए। यह लेप स्नान के बाद हृदय पर नियमित लगाने से धमनियों के अवरोधक निकल जाएँगे। यह प्रयोग एक महीने करना होगा।
- गाय को शतावरी खिलाकर दूध का उपयोग करने पर टीबी से मुक्ति मिल सकती है।
- गाय के दूध से संग्रहणी एवं मलेरिया रोग का निदान और यौवन तथा संतान लाभ भी प्राप्त किया जा सकता है।

With Best Compliments From

S B RANDER GROUP

RISING FROM THE ROOTS

Sri Bhagirath Textiles Ltd.

(Spinning Unit)

Shrigopal Rameshkumar Sales Pvt. Ltd.

(Cotton Merchant)

Multiurban Infra Services Pvt Ltd.

(Water Supply Contractors and Solution Providers)

Head Office :

Sodaya Cloth Market, Gandhibagh, Nagpur - 440 002 (Maharashtra)
Phone : +91-712-2769035, 2777206, Fax : +91-712-2765845
Web Site : www.srcommodities.com
Email : info@srcommodities.com

Associates At

Coimbatore, Chittorgarh, Mumbai, Ichalkaranji, Indore

Shrigopal Rander

Madhusudan Rander

Ramesh Rander

मारवाड़ी संस्कृति का छः दिवसीय दीपोत्सव

वैसे तो दीपावली पर्व सम्पूर्ण राष्ट्र में मनाया जाता है। फिर भी संस्कृति के अंतर के कारण परम्पराओं का अंतर अवश्य ही होता है। मारवाड़ी संस्कृति में दीपावली पर्व 5 दिवसीय न होकर 6 दिवसीय होता है, जिसका समापन भाईदूज पर न होकर उसके अगले दिन तुलसी विवाह से होता है। आईयें देखें मारवाड़ी संस्कृति के आईने में 6 दिवसीय दीपावली उत्सव।

▸▸ SMT टीम

दीपोत्सव पर होने वाली पूजा-अर्चना में तो राजस्थानी परम्पराओं में अंतर है ही साथ ही इस परम्परा के अनुसार यह उत्सव सिर्फ पाँच दिवसों में ही सम्पन्न नहीं होता बल्कि इसका समापन कार्तिक कृष्ण एकादशी को होता है। तुलसी विवाह के साथ इसका छटे दिन समापन होता है। इसे भी दीपावली की तरह भव्य रूप में मनाने की परम्परा है। राजस्थानी परम्परा में हर पर्व पर महिलाऐं मेंहदी लगाती हैं लेकिन दीपावली पर नहीं लगाई जाती। शायद इसका कारण ऋतु का प्रभाव है।

दीपक व मूंगधना से धनतेरस पूजन

दीपावली की शुरूआत धनत्रयोदसी से होती है। आयुर्वेद के अधिष्ठाता भगवान धन्वन्तरि के प्रकट होने की स्मृति में धनतेरस मनाई जाती है। इस दिन संध्या के समय लक्ष्मी व गहनों का पूजन होता है। विशेषतः सोने की अंगूठी पूजा में रखते हैं। इस दिन ग्यारह दीये जलाते हैं। इस पूजा में मूँगधना भी रखा जाता है। दीपक मुख्य द्वार के दोनों तरफ, मंदिर में व तुलसी के पास रखे जाते हैं। इस दिन कई जगह पर सोना खरीदना भी शुभ माना जाता है।

मांडना-रंगोली से सजावट

धनत्रयोदशी के दूसरे दिन रूप चौदस होती है। इन दिनों सूर्योदय के पहले स्नान करने का विशेष महत्व है। इस दिन को नरक चतुर्दशी भी कहते हैं। इस दिन सूर्योदय के पश्चात् स्नान करें, तो नरक में जाना पड़ता है, ऐसी मान्यता है। उबटन और सुगन्धित साबुन तथा तेल से स्नान करते हैं। सब कन्याएं व महिलाएं सजधज कर मंदिर जाती हैं। इसी दिन लक्ष्मी पूजन के स्थान पर मांडणा मांडते हैं। मुख्य द्वार पर शुभ-लाभ लिखते हैं। द्वार सुंदर रंगोली से सजाया जाता है।

महालक्ष्मी को विशेष भोग

कार्तिक अमावस्या को मुख्य लक्ष्मी पूजन होता है। इस दिन पूरा परिवार एकत्र होता है। नौकरी या कमाई के लिए बाहर गाँव रहने वाले बेटा-बहू भी इस दिन अपने गांव आते है। घरों को गेंदे के फूल और आम्रपत्तों से सजाया जाता है। दीप और दीप के थाल बहुत ही सुंदर सजाते हैं। इस पूजन में बहीखाते, वजन कांटा तथा आजकल कम्प्यूटर की भी पूजा की जाती है। इस दिन नये दीपक और नयी-नयी कपास की बत्ती पूजा में लगाते हैं। पूरे घर के बाहर, छत पर दीप की कतारे लगाते हैं। शुभ मुहूर्त पर विधिवत लक्ष्मीपूजन होता है। सभी लोग आपस में गले मिलते हैं व एक दूसरे को शुभकामनाएं देते हैं तथा बड़ों का आशीर्वाद लेते हैं। गेहूं के आटे की लापसी चांवल, बडी की सब्जी, कढ़ी का भोग लगाते हैं। तरह-तरह के पकवान बनाते हैं। इस दिन विवाहित महिला अपने ससुराल में ही रहती है। इस संदर्भ में यह कहावत प्रचलित है ''घर की लक्ष्मी घर होनु।''

दीपावली के अगले दिन 56 भोग

दीपावली के अगले दिन पड़वा को लोग अपने रिश्तेदार और मित्रों के घर मिलने जाते हैं। इस स्नेह मिलन पर लोग एक-दूसरे को

शुभकामनाएं और सदिच्छा देते हैं। बड़ों का आशीर्वाद लेने की भी परम्परा है। इसे राजस्थान में राम-राम कहते हैं। आजकल शहरों में सामूहिक मिलनी की प्रथा शुरू हो गई है। प्रतिपदा के दिन दुकान पर नये बहीखाते की पूजा होती है। इसी दिन कई जगहों पर अन्नकूट का 56 भोग का प्रसाद लगाते हैं। राजस्थान में नाथद्वारा मंदिर का अन्नकूट प्रसिद्ध है।

भाईदूज का भी आयोजन

प्रतिपदा के दूसरे दिन भैयादूज भी कई स्थानों पर मनाते हैं। बहन अपने भाई को तिलक और अक्षत लगाकर आरती करती है। भाई उपहार स्वरूप भेंट वस्तु देता है। यह भी रक्षाबंधन की तरह ही भाई-बहन के प्रेम का पर्व ही है। बस इसमें और रक्षाबंधन में अन्तर है तो इतना कि रक्षाबंधन में बहन भाई के यहाँ जाकर उसे राखी बाँधती है, वहीं इस पर्व पर बहन भाई को अपने यहाँ बुलाकर भोजन करवाकर उसे तिलक लगाती है।

तुलसी विवाह से समापन

राजस्थानी संस्कृति में ''तुलसी'' को अत्यधिक महत्व दिया गया है। इसके अन्तर्गत हर घर में तुलसी का पौधा होना अनिवार्य माना गया है। सम्भवतः इसके वैज्ञानिक महत्व को देखते हुए ही इसे तुलसी विवाह के पर्व के रूप में मनाया जाता है। दीपावली के पश्चात् कार्तिक कृष्ण एकादशी तक राजस्थान में दीपक जलाने की परम्परा है और इसकी समाप्ति एकादशी पर तुलसी विवाह के साथ होती है। वैसे जिस तरह रक्षाबंधन पर्व के अन्तर्गत पूर्णिमा से जन्माष्टमी तक राखी बाँधी जा सकती है, ठीक उसी तरह तुलसी विवाह भी एकादशी के पश्चात् पूर्णिमा तक किये जा सकते हैं।

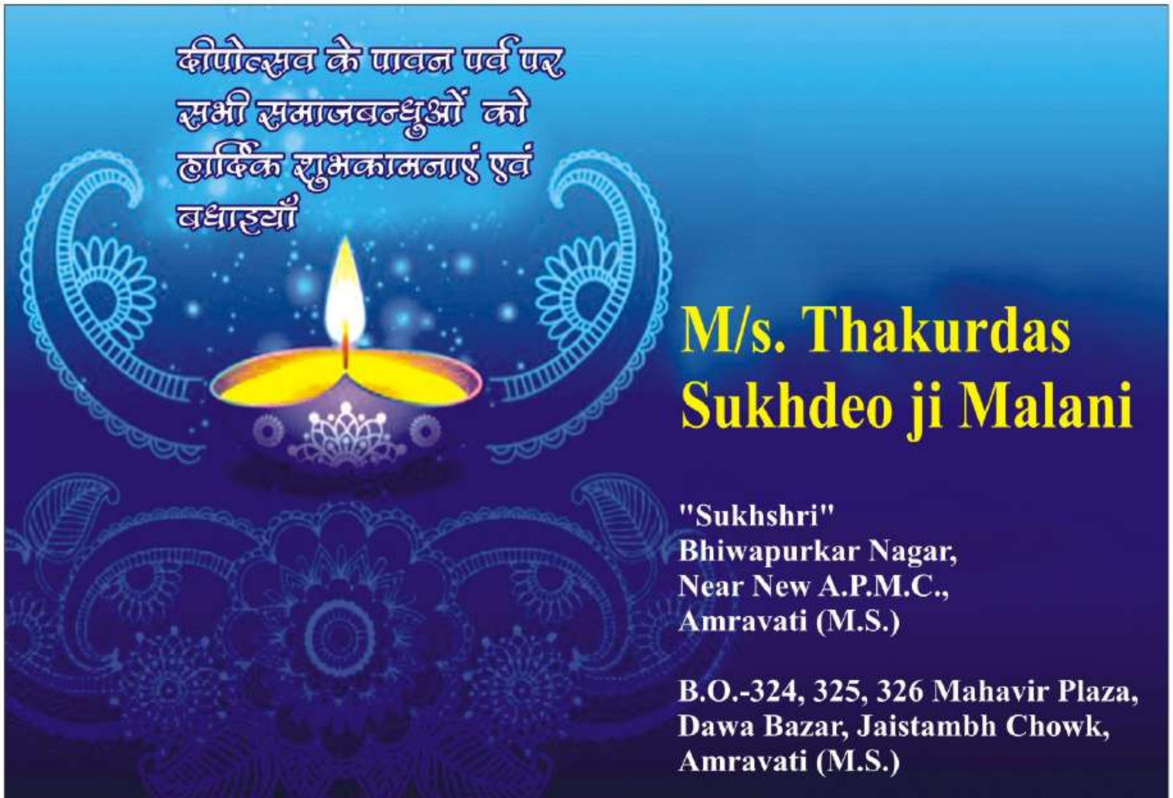

श्री महेश सेवा समिति अमरावती के पदाधिकारी एवं सदस्यों की ओर से

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

समिति द्वारा 31 मार्च 2017 तक समाज एवं अन्य अलग-अलग घटकों को
वितरित की गई सहायता राशि का विवरण

छात्रवृत्ति	- 61,70,000.00	वैद्यकीय सहायता	- 21,25,659.00
शैक्षणिक सहायता	- 8,54,498.00	शल्यक्रिया	- 15,72,325.00
आर्थिक सहायता	- 20,42,216.00	कुल सहायता राशि	- 1,27,74,698.00

अध्यक्ष
कमलकिशोर राठी
मो. 08805788380

उपाध्यक्ष
डॉ. जुगलकिशोर सिकची
मो. 09730604004

कोषाध्यक्ष
विठ्ठलदास जाजू
मो. 09420713187

सचिव
ॲड. आर.बी. अटल
मो. 09422158450

सचिव
प्रवीण चांडक
मो. 09423462694

महेश भवन-महेश अतिथी गृह

बडनेरा, अमरावती (महाराष्ट्र) फोन - 0721-2710752, 2510507

जावंधिया परिवार, छैनी (बनखेड़ी)

नर्मदा शुगर प्रा.लि.

राजेश जावंधिया
मो. 094259-13000

साळी चौका

विनीत जावंधिया
मो. 094259-12000

रामदेव शुगर प्रा.लि.

अशोक जावंधिया
मो. 094259-23000

बनखेड़ी

किशोर जावंधिया
मो. 094259-16000

शक्ति शुगर प्रा.लि.

विवेक जावंधिया
मो. 094250-41414

गाडरवारा

गगन जावंधिया
मो. 094071-23000

श्रीजी शुगर एंड पावर प्रा.लि.

बैतूल

विवेक जावंधिया
मो. 094250-41414

Manufacturers of : High Quality White Crystal Sugar, Co-Generation of Electricity
E-mail : ramdevsugar@yahoo.com

वैभव जावंधिया
मो. 094071-13000

श्रीनाथ ट्रेडर्स

अनिल जावंधिया
फोन : 07576-228730 (दु.)
मो. : 094250-40817

अनाज एवं तिलहन व्यवसायी
बनखेड़ी (म.प्र.)

मो. : 094259-14000
094250-40817
फोन : निवास
228018, 228445
228528, 228330

श्रीजी ट्रेडर्स

जहाँ विश्वास ही परम्परा है

पिपरिया

E-mail shrinathtraders@sify.com

जय गिरराज राईस एंड एग्रो मिल्स प्रा.लि.

खापरखेड़ा

उदित जावंधिया
मो. 081207-14000

उमंग जावंधिया
मो. 076938-14000

हिमालय बिल्डर्स

वेदांश जावंधिया
मो. 086025-11000

भोपाल

वृद्धावस्था, को लेकर आम सोच अत्यंत अधूरी है। इसे जीवन का अंत मान लिया गया है, लेकिन हकीकत में यह तो जीवन की सबसे महत्वपूर्ण अवस्था है। ठीक वैसी ही जैसे विद्यार्थी का परीक्षा परिणाम या पेड़-पौधों का फलना-फूलना। अर्थात् यह तो सही अर्थों में जीवन की सार्थकता है।

▶▶ SMT टीम

अनुभवों की आग में तपा सोना वृद्धावस्था

मनुष्य का बचपन अज्ञान होता है, जवानी नादान होती है और बुढ़ापा परेशान। फिर जीवन कब होता है, किस उम्र में? जीने के साथ हमारा मिलना तो हो ही नहीं पाता। और फिर हमारा विषाद किसी टूटे हुए कवि की वाणी से प्रकट होता है।

"लड़कपन खेल में खोया - जवानी नींद भर सोया
बुढ़ापा देखकर रोया - यही किस्सा पुराना है।"

पूरे जीवन में बुढ़ापा ऐसी अवस्था है जिसे अपने होने का पता चलता रहता है। जैसे ही मध्य आयु आती है, लोग साल गिनना शुरू कर देते हैं। भविष्य की जगह अतीत में अधिक झांकने लगते हैं। लोग मौत से इतना नहीं डरते जितना कि बुढ़ापे से। क्यों? क्योंकि मौत एक बार मारती है, बुढ़ापा बार-बार मारता है, हर रोज मारता है। बुढ़ापे के लिए धन की सुरक्षा तो जुटा लेते हैं, लेकिन मन के खाते में जमा शून्य होती है। बुढ़ापा वस्तुतः परिपक्वता है। बुढ़ापे से डरना ऐसे ही है, जैसे वृक्ष फलों से डरे।

अपनी सोच को बदलें

अब समय आ गया है, जीवन की पुरानी परिभाषाओं बचपन, जवानी और बुढ़ापे को लेकर समाज की धारणाओं को तोड़ें और उन्हें खिलने की अनवरत धारा की भांति देखें। वृद्ध होना, सिद्ध होना होता है, अनुभवों से सिंचित तथा ज्ञान से लबरेज होना। हमें अपने अनुभवों को बदलते समय के साथ देखना और नया करना है, तो उम्र का अंतर मिट जाता है। आप कुछ न कुछ ऐसा करें, ताकि आप इतनी ऊर्जा बांट सकें कि सारे अनुभव सार्थक हो जाएं। आपकी सृजन शक्ति से समाज लाभान्वित हो, नई पीढ़ी को दीर्घ अनुभवों की रोशनी मिले तथा वे भी आपकी-उनकी नई बनती दुनिया को अपनी नजरों से समझें।

जीवन के अलग-अलग रंग

यों जो जीवन की थाह किसने पाई है, लेकिन जिसे हम जीवन कहते हैं-जन्म से लेकर मृत्यु तक वह उम्र लंबे सफर के अलावा कुछ नहीं है। मनुष्य का जीवन ठीक वैसा ही है, जैसे बीज की फूल या फल तक की यात्रा होती है। उम्र के मोड़ वैसे ही हैं, जैसे खिलने की अलग-अलग अवस्थाएँ हैं, बचपन, किशोरावस्था, जवानी, मध्य आयु, बुढ़ापा। इन्हें हम इसी तरह देखें बीज, अंकुर, पत्ते, कली, फूल और फल। वृक्ष की भिन्न-भिन्न भंगिमा से नफरत करें और किसी पर नाज करें जो पूरी खिलावट वृक्ष हासिल कैसे करेगा? वृक्ष के पास मन नहीं है, इसलिए वृक्ष इन मूढ़ताओं से बच जाता है लेकिन आदमी की स्थिति ऐसी नहीं है। वह निरंतर चुनाव करता रहता है कि बचपन अच्छा है, जवानी कठिन है, या जवानी अच्छी है और बुढ़ापा बदसूरत।

सभी अवस्था का अपना महत्व

जीवन से परिचित हो लें। परिचय के मायने हैं, संपूर्ण जीवन से परिचित हों। सच पूछें तो जीवन के हिस्से करना भ्रांतिपूर्ण है। उम्र के पड़ाव मिल के पत्थर हैं लेकिन वे एक दूसरे से टूटे नहीं हैं। एक ही रास्ते से जुड़े हैं। जीवन को टुकड़ों में बांटा नहीं जा सकता। हर आयु में शरीर और मन के सम्यक विकास के लिए जो भी शारीरिक-मानसिक पोषण चाहिए वह उसे मिल जाए तो व्यक्ति दूसरी स्थिति में स्वस्थ होकर प्रवेश करता है। जीवन को एक वैज्ञानिक की दृष्टि से देखें, तो उम्र का हर दौर प्रयोगशाला लगेगा।

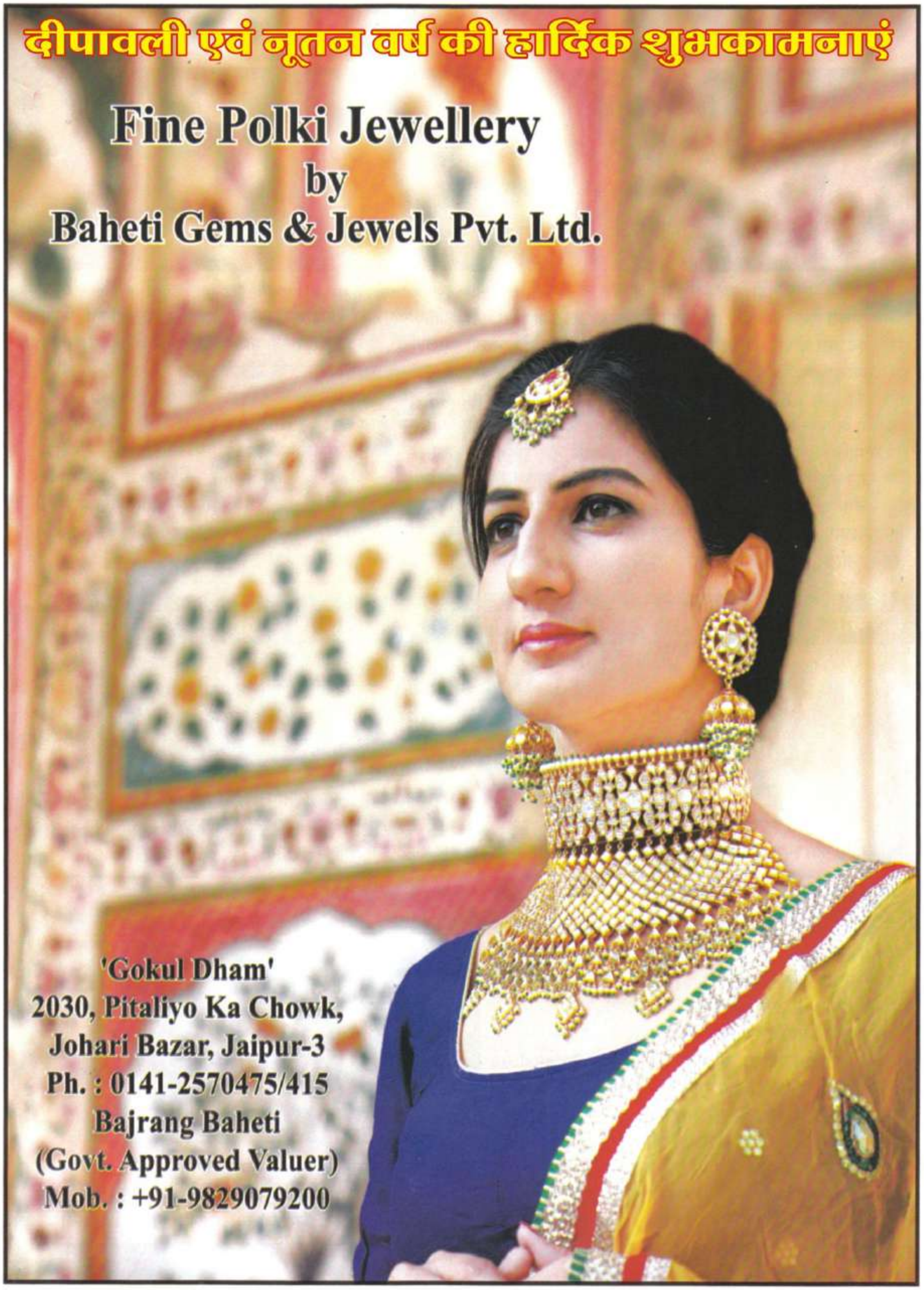
दीपावली एवं नूतन वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
Fine Polki Jewellery
by
Baheti Gems & Jewels Pvt. Ltd.
'Gokul Dham'
2030, Pitaliyo Ka Chowk,
Johari Bazar, Jaipur-3
Ph. : 0141-2570475/415
Bajrang Baheti
(Govt. Approved Valuer)
Mob. : +91-9829079200

वरिष्ठ अवस्था वास्तव में अनुभव की परिपक्वावस्था है, लेकिन इस अनुभव की उपयोगिता तभी है, जब यह समय के अनुकूल हो। जब वरिष्ठजन समयानुकूल तकनीकों व आवश्यकताओं के अनुरूप अपने को तैयार करेंगे, तो ही समय के साथ चल सकेंगे और फिर बन जाएँगे 'बिल्कुल खास''। आईयें देखें क्या-क्या किया जा सकता है?

समय के साथ–साथ चलें वरिष्ठजन

▸▸ SMT टीम

आप अपने एरिया की या अन्य किसी भी स्वयंसेवी संस्था की सप्ताह में या दो सप्ताह में एक बार अवश्य विजिट करें। आप चाहें तो अपने साथ दो-तीन सहयोगियों को भी रखें। इसे आप अपना सामाजिक दायित्व समझें। आप अपनी सीमा में इनके सहयोगी बन सकते हैं। यह अवश्य ध्यान रखें कि बिना मांगे सलाह या सुझाव नहीं दें। इससे आपके जनसंपर्क भी बढ़ेंगे और अपने आपको समयानुकूल तैयार करने में मदद मिलेगी।

अपनी विशेषज्ञता को तय करें

आपको अपने मनचाहे विषय का विशेषज्ञ बनना चाहिए ताकि उस विषय पर लोग आपकी राय लें। जैसे आप रेलवे के नियमों की जानकारी रख सकते हैं, भ्रमण तीर्थ या ऐतिहासिक स्थलों की जानकारी रख सकते हैं, ताकि आप इच्छुक व्यक्ति का मार्गदर्शन कर पायें। यह समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इसके लिये आप अपनी पसंद का क्षेत्र तय कर सकते हैं। स्वाभाविक है, आपका इस क्षेत्र में विशेष ज्ञान तो होगा ही और जो भी कोई कमी है, उसे अपने खाली समय का उपयोग कर दूर किया जा सकता है।

अपने आपको रखें अपडेट

आजकल टीवी भी बहुत तरह के उपयोग होने लगे हैं। अब यह मात्र सीरियल या पिक्चर देखने तक सीमित नहीं रह गया है। सैकड़ों चैनल अलग-अलग भाषाओं में दिन-रात मनोरंजन और समाचारों से अवगत कराते रहते हैं। और तो और अब हम अपना मनचाहा सीरियल या पिक्चर रिकॉर्ड करके रख भी सकते हैं और फिर अपनी सुविधानुसार जब चाहें देख सकते हैं। इनके अलावा इसके विविध उपयोग कर सकते हैं।

मोबाइल से भी हों तैयार

मोबाइल अब केवल फोन पर बातें करने तक सीमित नहीं रहा है। यह मात्र टेलीफोन नहीं है। मोबाइल फोन के जरिये हम एक-दूसरे को संदेश भेज सकते हैं या प्राप्त कर सकते हैं। हम इसके जरिये फोटो खींच सकते हैं या एलबम बना कर रख सकते हैं। फिल्मी गाने या भजन सुन सकते हैं। हम इसका टेलीफोन की डायरेक्ट्री के रूप में भी उपयोग कर सकते हैं। हम इसे अलार्म के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। हम इसका केल्क्यूलेटर के रूप में उपयोग भी कर सकते हैं। हम इसमें कम्प्यूटर गेम्स भी खेल सकते हैं। अपना टाइम-टेबल बना सकते हैं। इसमें कैलेंडर बना रहता है। और भी न जाने इसके क्या-क्या उपयोग हो सकते हैं। बस जरूरत है, तो मात्र इसके उपयोग करने की जानकारी हासिल करने की और व्यवहार में लाने की, आप पहुँच जाएंगे नई पीढ़ी के दायरे में। वर्तमान में एंड्राइड मोबाइल का जमाना है। इससे तो आज इंटरनेट का उपयोग भी कर सकते हैं।

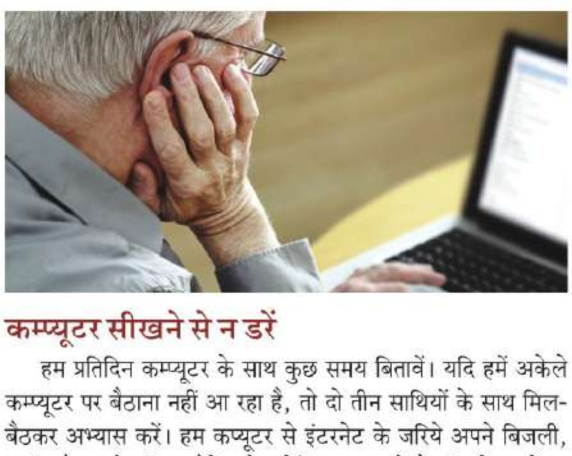

कम्प्यूटर सीखने से न डरें

हम प्रतिदिन कम्प्यूटर के साथ कुछ समय बितावें। यदि हमें अकेले कम्प्यूटर पर बैठाना नहीं आ रहा है, तो दो तीन साथियों के साथ मिल-बैठकर अभ्यास करें। हम कप्यूटर से इंटरनेट के जरिये अपने बिजली, पानी, गैस, फोन बिल जैसे अनेक पेमेंट कर सकते हैं। जिनके बच्चे या संबंधी विदेश में रहते हैं, उनके साथ इस तरह रूबरू बात कर सकते हैं, जैसे आमने-सामने बैठे हों। हम गुगल जैसी साइट पर जाकर कोई भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। कम्प्यूटर के अनगिनत उपयोग हैं। सच मानिये इसमें हमें बहुत मजा आएगा। इससे समाज में परिवार में हमारा मान बढ़ेगा। लोग कहेंगे वाह! इस उम्र में भी कम्प्यूटर का ज्ञान है।

WITH BEST COMPLIMENTS FROM

THE PACKAGING PEOPLE

Kraft Paper Mill
Shriniwas Board and Paper Pvt Ltd, Dewas

Corrugated Box:
Shree Packers (MP) Pvt Ltd, Ujjain an ISO 9001-2008 Certified Co
Vyanktesh Corrugators Pvt Ltd,Ujjain an ISO 9001-2008 Certified Co
Automatic 3/5 Ply Plant

HDPE Container & Accessories
Arpit Plastics Pvt Ltd, Ujjain
Shriji Polymers Pvt Ltd, Ujjain
Caps & Bottle for Pharmaceuiticals
(President's Award Winning Unit)

Manufacturers of All types of Corrugated Boxes, Dye Cut Boxes, Laminated and Offset Printed Cartons for Domestic & Export for Textile, Cosmetics, Engineering, Automobile, Pharmaceuticals, Food & Beverages , DMF approved facility for Bottles and CR Caps.

Contact Number:0734-2527320-23 Fax Number:0734-2519691
Email:anand@packingpeople.com Website:www.packingpeople.com

दुर्लभ डाक टिकट व नोट संग्रह का जो शौक मालेगाँव निवासी लक्ष्मीनारायण मालपानी को बचपन से था, वह वृद्धावस्था के मुहाने पर और भी परवान चढ़ने लगा। चाहे किसी बुक ऑफ रिकॉर्ड में उनका नाम दर्ज न हो लेकिन आपको आश्चर्य होगा उनके पास 150 से अधिक देशों के कई दुर्लभ नोट व सिक्के तथा देश के डाक टिकटें संग्रहित हो चुकी हैं।

▶▶ सुमीता मूंदड़ा, मालेगांव

डाक टिकट और नोट के संग्रहकर्ता लक्ष्मीनिवास मालपानी

मालेगांव निवासी 62 वर्षीय लक्ष्मीनारायण मालपानी की पहचान वैसे तो एक व्यवसायी के रूप में रही है, लेकिन अब उम्र के इस मुहाने पर इसमें परिवर्तन आ चुका है। बचपन में रहा उनका नोट, सिक्के व डाक टिकट संग्रह का शौक अब उनकी पहचान बनता जा रहा है। युवावस्था में जब संग्रह करने की इच्छा तीव्र थी तो व्यापार से समय निकालना मुश्किल होता था और कभी-कभार हाथ भी तंग हो जाता था। अब व्यापार से लगभग अवकाश ले चुके हैं तो समय की कोई पाबंदी नहीं रही और आर्थिक स्थिति भी बहुत अच्छी हो गई है। पर अब स्वास्थ्य और उम्र इनके संग्रह के शौक में अड़चन बन रही है। फिर भी हौसला बहुत है और भरपूर कोशिश करते हैं, इनके संग्रह में जिन डाक-टिकटों, नोटों और सिक्कों ने जगह नहीं ली है वो भी किसी भी कीमत पर इन्हें मिल जाए। पूरे विश्व के डाक-टिकटों, नोटों, सिक्कों की पूरी जानकारी और अदला-बदली की कीमत उनको मुंहजबानी है।

नोट के लिए घंटों संघर्ष

मालेगांव निवासी लक्ष्मीनिवास मालपानी का जन्म 22 जनवरी 1965 जसवंतगढ़, राजस्थान में स्वर्गीय मालचंदजी-रुक्मादेवी की पांचवीं संतान के रूप में हुआ। कोलकाता से ग्रेजुएशन कर संयुक्त परिवार के जूट के व्यापार से जुड़ गये। वर्ष 1978 में सूर्यकांता इनकी धर्मपत्नी बनी। बचपन से ही मालपानी जी को डाक टिकट और नये-पुराने सिक्के और नोट जमा करने का शौक था। शुरुआत में तो इनका शौक इतना परवान चढ़ा हुआ था कि कक्षा नवमीं और दसवीं में 2-3 किलोमीटर पैदल चलकर 5 घंटे रिजर्व बैंक में लाइन लगाकर नये और खास नंबर के सिक्के और नोट जमा करते थे। इतना ही नहीं जब किसी के पास कोई खास नोट सिक्का या डाक-टिकट होता था तो उसको हासिल करने के लिए उन्होंने कभी-कभी तो उसकी 10 गुनी और कभी 100 गुनी कीमत भी चुकाई। पर धीरे-धीरे पढ़ाई और दूसरी जिम्मेदारियों के कारण शौक पर विराम लग गया। विवाह के बाद 1988 में सपत्नी मालेगांव में सूत के व्यापार के लिए बस गये।

इस तरह जीवंत हुआ फिर शौक

1992 में मालेगांव में किसी विवाद के कारण 15 दिन के लिए कर्फ्यू लगा। इसमें समय व्यतीत करने के लिए बचपन में जमा किये डाक-टिकटों, सिक्कों और नोटों को यादें ताजा करने निकले यहीं से इनका पहला प्यार और शौक फिर से जीवंत हो गया। श्री मालपानी को इसके अलावा बस एक ही शौक हैं, घूमने-फिरने का। अब तक भारत भ्रमण तो 2 से 3 बार कर चुके हैं और यूरोप भी घूम चुके हैं। इन्होंने भारत ही नहीं अधिकांश देशों के पर्यटन-नक्शे भी अपने संग्रह में जमा किये हैं। इनके पास विभिन्न देशों के समाचार पत्रों का भी बड़ा संग्रह था पर कुछ वर्ष पूर्व वह दीमक की भेंट चढ़ गया, जिसका अफसोस उनको आज भी है। एक बार सिर्फ भारत के 10 रुपये से लेकर 1000 रुपये के नोट उनके संग्रह से चोरी भी हो गए, बहुत मुश्किल से उन्होंने उनको फिर से जमा किया। यह जानकर आश्चर्य होगा कि यूरो सिक्के सुरक्षित रखने के खास अलबम उन्होंने मोनाको से मंगवाये हैं जिसकी कीमत दस हजार रुपये प्रति अलबम है।

बहुत दुर्लभ है उनका संग्रह

श्री मालपानी के पास आज 150 देशों के 2000 नोट और 2500 सिक्के हैं। लगभग 7000 डाक-टिकट है। वर्ष 1840 के ईस्ट इंडिया कंपनी से लेकर आज वर्ष 2017 तक के कोरे नये पोस्टकार्ड, अंतरदेशीय पत्र एवं लिफाफे हैं। 200 तरह के नये (अप्रयुक्त) मेघदूत पोस्टकार्ड भी शामिल हैं। 1965 से 1970 के पहले दिन जारी किए गये सभी डाक-टिकट खास कवर के साथ संग्रह में हैं। यही नहीं 1965-70 में भारत सरकार द्वारा जारी किये गये फाफड़ा नोट के सिलपेक पैकेट भी इनके पास हैं। मुगलकालीन, शिवकालीन और ब्रिटिशकालीन मुद्राएं भी हैं। खाड़ी देशों के 50 सालों के नोट और सिक्के भी संग्रह का हिस्सा हैं। राजस्थानी मंडल, मालेगांव के सौजन्य से 2001 से 2010 तक श्री मालपानी ने संग्रहालय की प्रदर्शनी भी लगाई है। नाशिक में महापेक्स प्रदर्शनी में 2014 और 2016 में इन्होंने हिस्सा लिया था। नाशिक ग्रामीण में मांगीतुंगी के खास तीन लिफाफे निकाले गये थे। डिजाइन श्री मालपानी ने पास करवाई और छपवाने की अनुमति भी प्राप्त की।

परिवार का पूरा सहयोग

उनके परिवार में पत्नी, एक पुत्र अभिषेक, पुत्रवधू श्रुति और दो पौत्री हैं। सभी श्री मालपानी के इस शौक का सम्मान करते हैं। उन पर गर्व करते हैं और संग्रह करने में यथासंभव सहयोग भी करते हैं। पुत्र अभिषेक गुड़गांव में वीडियोकॉन कंपनी में उच्च पद पर कार्यरत हैं। श्री मालपानी की अब एक खास इच्छा है कि परिवार का कोई सदस्य उनकी धरोहर को संभाले और उनके संग्रहालय का विस्तार करे। श्री मालपानी से एक प्रश्न किया गया कि आपने गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपना नाम अब तक दर्ज क्यों नहीं करवाया? संतुष्ट स्वभाव वाले श्री मालपानी का संतुष्टि भरा उत्तर था कि कोशिश बहुत की थी, पर गिनीज बुक में नाम दर्ज करवाने के लिए लंबी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है और इसके लिये अब उनकी उम्र और तबीयत सहयोग नहीं दे रही है। जो भी संग्रह किया है और कर रहा हूँ वह मेरे शौक और आत्मिक संतुष्टि के लिए है और मैं इससे बहुत खुश हूं। मुझे इससे ज्यादा कुछ उपलब्धि नहीं चाहिए।

कर्म, भाग्य व प्रारब्ध

शरद गोपीदास जी बागड़ी
नागपुर

हमारी यह सृष्टि अनगिनत वर्षो से एक समान चल रही है, हमने शास्त्रों, पुराणो में सतयुग, द्वापर कुलयुग की बहुत बाते विस्तार से पढ़ी सुनी है। सब के सार में मूलभूत सिद्धांत काफी समान है। हमारे पुराणों में पाप और पुण्य की बहुत व्याख्या की हुई है। हम इंसान अपनी मर्जी के मालिक है व अपनी बुद्धि, विवेक, ज्ञान, शिक्षा का उपयोग अपने फायदे नुकसान के हिसाब से करते है। वह सिर्पु डर से डरता है अर्थात जहां उसका खुद का नुकसान दे वह काम करने से पहले सोचत जरूर है। हमारे किसी कार्य से दूसरे का दिल दुख, नुकसान हो या उसका हक मारा जाये वह पाप है।

कहावत है - वैष्णव जन तो तैने कहिये, जो पीर पराई जाने... इंसान कर्मप्रधान जीवन जीत है, कई बार इंसान बहुत मेहनत करताहै परन्तु उसे मेहनत के हिसाब से फल नहीं मिलता, दूसरी तरफ वो देखता हे उसके आसपास किसी परिचित को बैठे बिठाये बिना मेहनत या कम मेहनत बहुत फायदा हो जाता है। पहला इंसान उदास हो जाता है व तरह तरह की धारणा बना लेता है। हर इंसान जनम के साथ अपना खुद का प्रारब्ध साथ लेकर आताहै। एक ही घर में एक ही माता पिता की संताने अलग-अलग व्यवहार, स्वभाव, रूचि रखते है व बड़े होकर भी उनकी सामराजिक, आर्थिक दशा मानसिक सोच अलग अलग होती हैव। सबाके अपने अपने संचित कर्मों,ख भाग्य व प्रारब्ध अनुसार फल मिलताहै। दूसरे की तरक्की देखकर दुखी होने, जलने, अपेन आप को कोसने से आप अपना ही नुकसान करत हे। बाहर वाला दुसरा कोई आपको दुखी, अपमानित, सुखी नहीं कर सकता। एक छोटा सा उदाहरण आप अपने हाथ में नोकदार धारदार चाकू लेकर उसे दिवाल पर फेके, चाकु दिवाल से टकराकर मुडकर वापस नीचे गिर जायेगा। वही चाकु आप खरबुजे, पपीते या सोफे पर फेके चाकु वही, फेकने वाला वही पर परिणाम एकदम अलग। कोई अपनाम रूपी चाकु आपको मारता है, अगर आपका भाग्य कमजोर है तो आपका अपमान होगा वरना कोई आपका अपना नहीं कर सकता, भाग्य व परिणाम को समझने के लिये एक साधारण सा उदाहरण हे। हमारे पास बैक का लॉकर होता है। उसकी एक चाबी हमारे पास होती है व दूसरी चाबी बैंक मैनेजर के पास रहती है। हम लॉकर खोलने जाते है और हमारे चाबी लॉकर में लगाते है लॉकर नहीं खुलता अर्थात हम कर्म करत है परन्तु फल नहीं मिलता। लॉकर जब खुलता है जब बैंक मैनेजर आकर हमारी चाबी के साथ खुद की चाबी लगाता है। अर्थात हम मेहनत करते है साथ में हमारा प्रारब्ध भी मिलता है तब हमें फल मिलता है। प्रारब्ध हमारे पिछले कई जनमों का संचित कर्मों का लेखा जोखा होता है। जीवन में हमारे आपसपास कई बार हम देखते है कि कोई इंसान बहुत सीधा सादा साफ सुथरा इमानदारी से सबका भला करते हुए रहता है फिर भी उसे हमेशा अपमान ताने इलजाम सुनने को मिलते है उसके उलट कोई इंसान सब कुछ गलत बेईमानी करते हुये भी सुख सुविधा व मान का जीवन जीता है यह सब हमारे पिछले जनम के संचित कर्मों का फल है।

भगवान की बनाई यह दुनिया सुपर कम्प्यूटर है जहा हमारी हर सूक्ष्म से सूक्ष्म विचार, सोच, कर्मों की रिकॉर्डिंग हो जाती है। और उसी अनुसार हमें भविष्य में सजा या पुरस्कार मिलता है अर्थात हमारा भाग्य प्रारब्ध बनता है।

हमारे रोज के जीवन में कर्म भाग्य का एक और उदाहरण है, दो इंसान राम व श्याम एक साथ बैंक जाते है वहा सेल्फ का पचार हजार का चेक लिखकर काउंटर पर देते है, कैशियर राम को इज्जत से बुलाकर पचार हजार देता है प्रथम दृष्टि में देखे तो बैंक जाने, चेक लिखने की मेहनत दोनों ने समान की परन्तु पैसे सिर्फ राम को मिले कारण सके खाते में पैसे जमा थे। और इसके आगे सोचे तो श्याम ने कैशियर से कहा भाई कल तो मैने खाते में एक लाख जमा किये थे। कैशियर लेजर चेक कर बोला है कि वो तो आपके ओवर ड्राफ्ट में ऐडजष्ट को गया अर्थात हम मेहनत करत है, अच्छा कर्म करते है फिर भी हमें अच्छा फल/अपमान मिला हे कारण हमारे इस जनम के अच्छे कर्म पिछले जनम के बुरे/गलत कर्मों का ओवरड्राफ्ट में ऐडजस्ट होते जाते हैं

कर्म भाग्य व प्रारब्ध का ताजा उदाहरण हमारे सामने है, श्री रामनाथ जी कोविंद अपने भाई बहनों के साथ एकी परिस्थिति में दूर दराज छोटे से गांव में रहते थे। अपने पुरुषार्थ व मेहनत से अपने भाई से अलग मुकाम हासिल किया। आगे रामनाथजी ने सरकारी नौकरी के लिये आईएस की परीक्षा कई बार दी परन्तु फेल हो गये। बाद में दो बार सांसद का चुनाव लड़े परन्तु हार गये कारण भाग्य में कुछ और ही लिखा था। अगर सरकारी परीक्षा पास कर लेत तो आज कहीं अफसर बनकर बैठे होते, अगर सांसद का चुनाव जीत जाते तो सांद ही रहते या कोई मंत्री बन जाते परन्तु उनके प्रारब्ध में राष्ट्रपति बनना लिखा था।

रोज रात को सोने के पहले दस मिनिट अपने आप से संवाद कर दिन भर की बातों पर गौर करे, अपनी गलतीया, कमियों को यादकर दूसरे दिन सुधारने की कोशिश करें, आप अच्छा करते जाई, धीरे धीरे आपके पुराने संचित कर्म प्रारब्ध कटते जायेंगे व नया अच्छा प्रारब्ध बनते जायेंगे।

80 वर्ष में युवा सी ऊर्जा
के.जी. माहेश्वरी

80 वर्षीय स्फूर्ति से सम्पन्न समाजसेवी एवं शिक्षाविद् के.जी. माहेश्वरी का नाम आते ही हर समाजजन का मस्तक सम्मान से झुक जाता है। इन्हीं के परिश्रम से स्थानीय समाज जो पहले दो गुटों में विभक्त था, अब एक होकर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। मथुरा जैसी धार्मिक नगरी में माहेश्वरी समाज का ऐसा अपना कोई सदन नहीं था जिसे वह पूर्णतः अपना कह सके। कहने तो यहाँ हमारे पूर्वजों की बनाई लगभग 50 धर्मशालाएँ हैं, पर सभी अनाधिकृत तौर पर व्यक्तिगत संपत्ति सी हो गई थीं और बाहर से आने वाले बंधुओं को उनसे कोई लाभ नहीं मिल पाता था। यही पीड़ा माहेश्वरी समाज को सताती रहती थी, लेकिन अब स्थिति बदलती जा रही है। यह श्री माहेश्वरी के प्रयासों का ही प्रतिफल है कि अब इस नगरी में भी एक लघु परंतु सभी सुविधाओं से युक्त अपना भवन बनने जा रहा है, जिसका लोकार्पण शीघ्र प्रस्तावित है।

पारिवारिक संस्कार बने शक्ति

के.जी. माहेश्वरी का पूरा नाम है कृष्णगोपाल माहेश्वरी। श्री माहेश्वरी का जन्म स्व. श्री बौहरे देवकीनंदन व श्रीमती राधादेवी माहेश्वरी के यहाँ 16 सितंबर 1938 को मुरसान (हाथरस) में हुआ। दोनों ही धार्मिक प्रवृत्ति के थे। अतः इन्हीं संस्कारों के साथ वे पले और बढ़े। मुरसान से 1955 में बारहवीं पास करने के बाद स्नातक की डिग्री किशोरी रमण कॉलेज मथुरा से 1957 में व स्नातकोत्तर परीक्षा अर्थशास्त्र में आरा कॉलेज आगरा से 1959 में उत्तीर्ण की। इसके बाद बीएड बारहसैनी कॉलेज अलीगढ़ से वर्ष 1960 में किया। 17 नवंबर 1959 को श्रीमती प्रेमलता के साथ परिणय-सूत्र में बंध गए। उनका तीन पुत्र एवं एक पुत्री का भरापूरा परिवार है। सभी अपने-अपने स्थान पर सम्मानजनक पदों पर कार्यरत हैं। श्री माहेश्वरी की श्रीराम एवं रामचरित मानस में अटूट श्रद्धा है। वे इस ग्रंथ में मानव जीवन के सभी सूत्रों की उपलब्धता मानते हुए इस ग्रंथ को मानव जीवन जीने की कुंजी कहते हैं।

शिक्षाविद् के रूप में ख्याति

श्री माहेश्वरी 15 जुलाई 1960 से 31 अगस्त 1962 तक राजस्थान शासन अंतर्गत जिला सांख्यिकी निरीक्षक पद पर रहे। फिर शिक्षाविद् के रूप में कॅरियर चुना और 1 सितंबर 1962 से 22 जून 1966 तक उमावि में वरिष्ठ अध्यापक रहे। 24 जून 1966 से 30 सितंबर 1998 तक केंद्रीय विद्यालय संगठन के अंतर्गत विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों में इलाहाबाद, मथुरा, बीकानेर, आगरा, जयपुर एवं भरतपुर में स्नातकोत्तर शिक्षक, सहायक शिक्षाधिकारी, उपप्राचार्य एवं प्राचार्य के पदों पर सेवाकार्य किया। श्री माहेश्वरी ने केंद्रीय विद्यालय मथुरा रिफायनरी नगर के प्राचार्य पद से 30 सितंबर 1998 को अवकाश ग्रहण किया। वर्तमान में ज्ञानदीप शिक्षा भारती सीनियर सेकंडरी स्कूल में निदेशक (शैक्षिक) के पद पर कार्यरत हैं। अपने सेवाकाल के दौरान सीबीएसई एवं राष्ट्रीय मुक्त विवि नईदिल्ली के विभिन्न गोपनीय कार्यों का संचालन किया। सीबीएसई द्वारा निर्धारित सहोदय काम्प्लेक्स मथुरा चेप्टर के संरक्षक भी रहे। केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा आयोजित विभिन्न शैक्षिक गोष्ठियों का निर्देशन भी किया और विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं की शिक्षक चयन समिति के अध्यक्ष, सदस्य, संयोजक भी रहे।

समाजसेवा में योगदान

श्री माहेश्वरी अपनी तमाम व्यस्तताओं के बावजूद समाजसेवा के क्षेत्र में भी अपना योगदान देते रहे हैं। इसके अंतर्गत संस्थापक अध्यक्ष माहेश्वरी समाज मथुरा, अध्यक्ष माहेश्वरी सभा सेवा समिति मथुरा रहे हैं। माहेश्वरी धर्मार्थ होम्यो चिकित्सालय के संस्थापक अध्यक्ष तथा अध्यक्ष श्री महेश सेवा ट्रस्ट मथुरा के रूप में सेवा दे रहे हैं। साहित्य मंडल-श्रीनाथद्वारा शिक्षा साहित्य मनीषी की उपाधि से सम्मानित किया गया। रोटरी क्लब मथुरा सेंट्रल के निदेशक, केंद्रीय विद्यलाय नं. 3 मथुरा की प्रबंध समिति के सदस्य रहे हैं तथा केंद्रीय विद्यालय पूर्व अधिकारी संघ की मथुरा शाखा के संयोजक हैं। इसके अलावा इंडियन कैंसर विनर एसोसिएशन दिल्ली के आजीवन सदस्य तथा विकलांगों एवं नेत्र रोगियों को समर्पित संस्था कल्याण करोति, मथुरा के संरक्षक व अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती के संरक्षक सदस्य हैं। उन्होंने दुबई की 17 दिवसीय विदेश यात्रा की। आकाशवाणी मथुरा, आगरा से उनकी लगभग 50 वार्ता/भेंट वार्ता/ परिचर्चा का प्रसारण हुआ है। शिक्षक दिवस पर कई शिक्षा संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जा चुका है।

मथुरा माहेश्वरी समाज के लिए के.जी. माहेश्वरी एक ऐसे व्यक्तित्व का नाम है, जिन्हें अपनत्व की ज्योति जलाने में महारथ हासिल है। यह उनकी इसी विशेषता का नतीजा कहा जा सकता है कि दो गुटों में बंटा स्थानीय समाज आज हर कदम पर साथ-साथ है।

▸▸ अजय माहेश्वरी, मथुरा

जिनके लिये लक्ष्य एक जुनून
बी.एल. माहेश्वरी

भीलवाड़ा निवासी बीएल माहेश्वरी समाज के ऐसे वरिष्ठ सदस्य हैं, जिनका ऊर्जावान व्यक्तित्व न सिर्फ पूरे समाज व वरिष्ठ बल्कि युवाओं के लिए भी मिसाल बना हुआ है। वर्तमान में श्री माहेश्वरी समाज ही नहीं बल्कि कई अन्य समाजसेवी संस्थाओं से भी सम्बद्ध होकर 74 वर्ष की इस अवस्था में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इनमें उनकी ऊर्जा को देखकर हर कोई उनसे प्रभावित हुए बिना नहीं रहता। उनकी समाजसेवा ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण जीवन यात्रा भी इसी तरह एक प्रेरणा की खुली किताब ही कही जा सकती है।

जुनून ने बनाया इंजीनियर

श्री माहेश्वरी का जन्म 13 अक्टूबर 1943 को स्व. श्री मांगीलाल जैथलिया निवासी मसूदा (अजमेर) के यहाँ हुआ। हायर सेकंडरी तक शिक्षा पूर्ण करने के उपरांत स्व. श्री सुगनचंद काबरा निवासी ब्यावर की सुपुत्री शांता जी के साथ 21 मई 1962 को परिणय सूत्र में बंध गए। पारिवारिक आर्थिक परेशानी के कारण आगे पढ़ाई करना संभव नहीं था। फिर भी शादी में प्राप्त सहयोग से बिना परिवार की सहमति के अजमेर पोलोटेक्निक कॉलेज में विद्युत अभियांत्रिक में प्रवेश ले लिया। 1965 में पढ़ाई पूर्ण होने पर राजकीय सेवा में कनिष्ठ अभियंता के पद पर नियुक्ति हुई। कड़ी मेहनत एवं निष्ठापूर्वक सेवारत रहने से अधिशासी अभियंता पद तक पदोन्नति मिली। इसी पद से से वे सेवानिवृत्त हुए।

समाजसेवा में विशिष्ट योगदान

अपनी तमाम व्यवस्तताओं के बावजूद श्री माहेश्वरी समाजसेवा में भी दीर्घ अवधि से अपना सक्रिय योगदान दे रहे हैं। संजय कॉलोनी माहेश्वरी समाज संस्थान भीलवाड़ा के अध्यक्ष, श्री महेश सेवा समिति भीलवाड़ा (महेश शिक्षा सदन) के मंत्री व श्री नगर माहेश्वरी सभा के कार्यसमिति सदस्य रहे। वर्तमान में कार्यसमिति सदस्य प्रांतीय माहेश्वरी सभा एवं कार्यकारी मंडल सदस्य अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के रूप में सेवा दे रहे हैं। सेवा के प्रति समर्पित श्री माहेश्वरी अध्यक्ष वरिष्ठ नागरिक मंच (संस्थान) जिला भीलवाड़ा, सलाहकार राजस्थान पेंशनर्स मंच जिला भीलवाड़ा आदि पद पर सेवारत हैं। साथ ही कई धार्मिक, सामाजिक संस्थाओं में भी अपनी सहभागिता निभा रहे हैं। उन्हीं की तरह उनका भरापूरा परिवार भी सांस्कृतिक, सेवाभावी गतिविधियों में सक्रिय है।

वैसे तो सेवानिवृत्त इंजीनियर बीएल माहेश्वरी 74 वर्षीय वरिष्ठ हैं, लेकिन उनकी ऊर्जा को देखकर कोई ऐसा कह नहीं सकता कि उनकी उम्र इतनी है। स्वयं के जीवन की सफलता में भी उनका यही ऊर्जावान जुनून रहा है, तो सेवानिवृत्ति के बाद समाजसेवा में भी इसी के कारण वे युवाओं के युवा बने हुए हैं। श्री माहेश्वरी आगामी 13 अक्टूबर को अपना 75वाँ जन्मदिन मनाने जा रहे हैं।

▸▸ शंकर सोनी, भीलवाड़ा

KOTHARI
AGENCY
2037-38 Silk City Market, Ring Road
Surat- 395 002 (Guj.) INDIA
Ph. : +91-261-2330738, 3002050, 3014514
E-mail : kotharіagency1975@gmail.com

Rajesh Kothari
Director
093747-16126

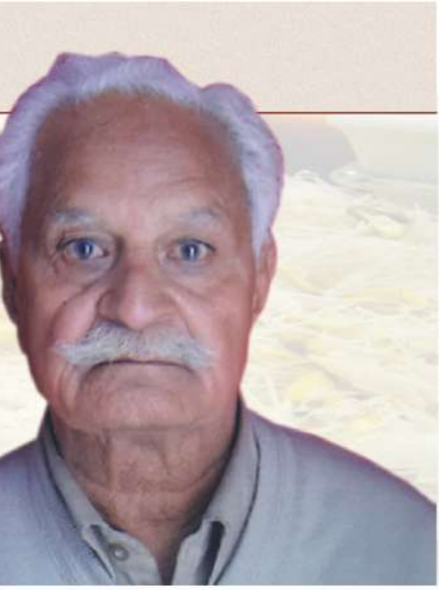

आम व्यक्ति के बीच वैसे तो समाज के वरिष्ठ कल्याणमल झँवर की पहचान के.के. फैनी वाले तथा शहर को प्रथम मिठाई की दुकान की सौगात देने वाले व्यवसायी के रूप में है। लेकिन उनकी ''मिठाई निर्माण के गुरु'' के रूप में विशिष्ट पहचान से भी शहर ही नहीं बल्कि आसपास के लगभग अधिकांश मिठाई निर्माता परिचित हैं।

मिठाई निर्माण के गुरु
कल्याणमल झंवर

▸▸ शंकर सोनी, भीलवाड़ा

भीलवाड़ा में फैणी का जिक्र आते ही केके फैणी वाले तथा मिठाई का नाम आते ही हर किसी की जुबान पर के.के. मिष्ठान भंडार का नाम सहज ही आ जाता है। इसका कारण उनके उत्पादों की उत्कृष्ट क्वालिटी तो है ही, साथ ही इस क्षेत्र में उनका योगदान भी है। उनका परिवार पैतृक रूप से मिठाई निर्माण से जुड़ा हुआ है। पिता स्व. श्री नंदलाल झँवर व दादाजी स्व. श्री गोकुललाल झँवर भी इसी व्यवसाय से सम्बद्ध थे। भीलवाड़ा शहर के सबसे प्राचीन मिठाई व्यवसायी होने का गौरव आप ही के परिवार को प्राप्त है, जो पांचवीं पीढ़ी में भी इस व्यवसाय से जुड़े हैं।

सरकारी नौकरी की जगह पैतृक व्यवसाय

कल्याणमलजी बचपन से पढ़ाई में भी तेज थे। अतः उनका राजकीय सेवा में अध्यापक के पद पर चयन हो गया। लेकिन उनके मन में तो सपना था अपने पैतृक व्यवसाय को शिखर पर पहुँचाना। बस उन्होंने नौकरी की राह न चुनते हुए अपने पैतृक व्यवसाय में ही कदम रख दिया। फिर समर्पित भाव से जो कदम आगे बढ़े तो सफलता के सौपान लिखते चले गये। आपके प्रमुख प्रतिष्ठान जो गुल मंडी में है उन्हें आप के दोनों छोटे भाई संभालते हैं। अभी के दो प्रतिष्ठान बाद में आपने और शुरू किये जो एक प्रताप टॉकीज रोड स्थित केके मिष्ठान भंडार, दूसरा केके फीणी एवं मावा भंडार हरणी रोड शास्त्री नगर पर हैं। इन्हें आपके तीनों पुत्र कैलाशचंद्र, रमेशचंद्र, मुकेशचंद्र झँवर व्यवसाय को संभालते हैं। आपके तीन पौत्र में से दो पंकज झँवर, प्रदीप झँवर सीए होकर बाहर सर्विस में हैं जबकि एक पवन झँवर इसी व्यवसाय को संभाल रहे हैं।

मिठाई निर्माताओं के गुरु

शहर ही नहीं आसपास के कई क्षेत्रों में श्री झँवर की पहचान मिठाई निर्माण के गुरु के रूप में भी है। कारण यह है कि इस व्यवसाय को भी उन्होंने एक शिक्षण संस्थान की तरह ही संचालित किया है। उनकी दुकान मिठाई निर्माण की ऐसी पाठशाला है, जिसने सैकड़ों युवाओं को हलवाई के कार्य में दक्ष किया। आज कई युवा आपके ही इन्हीं संस्थानों में कार्य कर निणुता हासिल करके अपना स्वव्यवसाय कर रहे हैं, और भीलवाड़ा में ही नहीं अपितु दूरदराज के कई क्षेत्रों में भी अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। इनमें कई प्रतिष्ठित होटल, मिष्ठान भंडार, हलवाई, कैटरिंग व्यवसायी भी शामिल हैं।

घेवर-फैणी का स्वाद चखाया

मुख्य रूप से फैणी एवं घेवर में आपके प्रतिष्ठान की ख्याति एवं साख सर्वविदित है। फैणी, घेवर का नाम आते ही केके फैणी वाले का नाम शहरवासियों की जुबां पर होता है। कारण यह है कि श्री झँवर ने ही सबसे पहले शहर को घेवर फैनी का स्वाद चखाया था। श्री झँवर बताते हैं कि मैंने सन् 1905 में मिठाई की दुकान सर्वप्रथम चालू की थी। मेरे दादाजी सन् 1915 में फैनी उदयपुर से सीख के आये थे। मुझे यह बहुत ही बढ़िया लगी। मैंने फैणी बनाने का काम दादाजी से सीखा और इसी को लोगों की जीभ का स्वाद बनाने का निश्चय कर लिया। सुबह 3 बजे उठकर मैं मेहनत करता था। धीरे-धीरे लोगों ने फैणी को पसंद किया। इसी के साथ-साथ मैंने मावा और घेवर बनाना भी शुरू किया और फैणी मावा और घेवर में केके फैणी का नाम लोगों की जुबान पर आ गया।

हार्दिक शुभकामनाएं..........

Dalia's™
High in Quality, Rich in Taste

श्री निवास एंड ब्रदर्स
SRINIVAS & BROTHERS

किराणा एवं सूखे मेवे व सभी किस्म के मुरब्बे तथा अचार एगमार्क शहद उपवन ब्रेड-ए
सच्चा साबू एगमार्क साबुदाना सुपर कोकिला मेहंदी

14-7-371/17, बेगम बाजार, राजाबहादुर बिल्डिंग के सामने, हैदराबाद-500012
फोन-24745570, 24606726, 24615438
▸▸ e-mail : contact@dalias.in ▸▸ web : www.dalias.in

मानवता की सेवा वास्तव में कोई उपकार नहीं बल्कि हमारी जिम्मेदारी है। जब यही सोच हो तो फिर समाजेसवा या मानवता की सेवा स्वत: परमानंद बन जाती है। ऐसे ही आनंद को खोजने वाले वरिष्ठ समाजसेवी हैं, मुरैना निवासी सुशीलकुमार माहेश्वरी।

▸▸ अश्विनी कुमार सोमानी

सेवा ही जिनका लक्ष्य
सुशील कुमार माहेश्वरी

समाज ही नहीं बल्कि मुरैना के साथ-साथ ग्वालियर में समाज के वरिष्ठ सुशीलकुमार माहेश्वरी (भट्टड़) की व्यावसायिक रूप से पहचान एक प्रतिष्ठित इलेक्ट्रॉनिक्स व्यवसायी के रूप में है। मधु इलेक्ट्रॉनिक्स के नाम से श्री माहेश्वरी के ग्वालियर व मुरैना दोनों शहर में शोरूम हैं। जिनमें उपभोक्ताओं की आवश्यकता के लगभग सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण उपलब्ध होते हैं और वे भी पूर्ण विश्वसनीयता के साथ उचित मूल्य पर। इसी ने उनके व्यवसाय को एक विशिष्ट पहचान दिलवाई है और ग्राहकों का विश्वास भी। व्यवसायिक सफलता के बावजूद उनके अंदर की विशिष्ट संवेदना हर पीड़ित मानव के प्रति हिलौरे ले रही है। आपके तीन पुत्र हैं, एक मुरैना का व्यवसाय देखते हैं, एक ग्वालियर का और एक मुंबई में अपना व्यवसाय कर रहे हैं।

सेवा के बदले सिर्फ आत्मशांति

श्री माहेश्वरी का यह स्वभाव है कि उन्हें कोई बेसहारा, जरूरतमंद दिखा तो वे उसकी यथासंभव मदद करने से अपने आपको कभी रोक नहीं पाते। आखिर उनके जीवन की सच्ची प्रसन्नता ही यही है। इसमें वे जरूरतमंद की मदद भी इस तरह करते हैं कि कई बार तो सामने वाले को पता भी नहीं चलता कि उनकी मदद किसने की। यह राज सिर्फ उन तक ही सीमित रहता है। एक बार एक माहेश्वरी विधवा परिवार भारी आर्थिक संकट में था। इसके बावजूद परिवार का स्वाभिमान सीधे मदद लेने से रोक रहा था। ऐसे में श्री माहेश्वरी यह कहकर उन्हें राशन भिजवाते रहे कि कलेक्टर कार्यालय से आया है, अन्यथा वो मदद लेने को तैयार ही नहीं थीं। आपने माहेश्वरी लड़कियों को हायर एजुकेशन के लिए भी प्रेरित किया व उनकी फीस देकर मदद की। मुरैना में संचालित गौशाला की देखभाल में सहयोग देना भी उनकी जिम्मेदारियों में शामिल है।

सेवा के वृहद आयाम

वर्तमान में आप ग्वालियर में निवास कर रहे हैं। वहाँ तीन वर्ष पूर्व माहेश्वरी मित्र मंडल का गठन करवाकर माहेश्वरी विधवाओं को सिलाई मशीन आदि देकर स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया। मित्र मंडल के माध्यम से कमजोर आर्थिक स्थिति वाले माहेश्वरी परिवारों की शिक्षा के साथ ही बीमारियों के इलाज के लिए भी मदद करते रहे। जरूरतमंदों को आपने शासकीय सहायता भी दिलवाई। आप बिना किसी पद पर रहे भी, माहेश्वरी समाज ग्वालियर की एकजुटता के लिए मित्र मंडल द्वारा कार्यक्रम आयोजित करते रहे।

PETERS PRINCE PHENYLE

Disinfectant
Best
By Test

Manufacturers of Disinfectants & Antiseptics:

NATH PETERS HYGEIAN LIMITED

REGD. OFFICE: 17-1-200, SAIDABAD, HYDERABAD - 500 059 T. S. INDIA
PHONE NO: 040- 24534-523/524/525 FAX: +91-40-24530299
E-mail: sales@nathpeters.com Website: www.nathpeters.com
CIN NO. U24110TG1992PLC014256
An ISO 9001:2008 Certified Company

For Distributorship Enquiries Please Contact
Mr. Raju on Cell No. 09701343335

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

बाबाओं री महिमा

खम्म घणी सा हुक्म आजकल बाबाओं रा यौन शोषण कांड देखने गुरुओं री छवि दिमाग मे बदलती जा रही है अगर आपा शास्त्र पढा तो गुरु रो मतलब यों है जो अपणे शिष्य,जनता ने ज्ञान दे जिन्हें शिष्य या जनता सुण ने भवपार हूँ जावे पर जिण हिसाब सुं गुरुओं री विस्फोटक संख्या आपाणे देश मे गाजरघास या जलकुंभी री तरह पसरती जा रही है उन्हें देख न लागे हुक्म जनसँख्या रो अधिकांश हिस्सों गुरुओं सुं भरग्यों है, हर कोई अपने आपने गुरु कहलाणों या मनवाणों चाहवे, भले ही उण वास्ते उने कोई भी हथकंडों भी क्यों न अपनाणों पड़े ।

या बात नही है हुक्म कि आज देश मे असल गुरु नही है आपा अगर इन्हें समझा तो आपाणा गुरु दो भाग में बंट ग्या एक तो वे जिका ईश्वर ने प्राप्त करणे निकलया वानें ईश्वर- चिंतन और ध्यान सुं ही फुर्सत नही वे आपरी भक्ति में ही आनन्दित रेहवे जिका आपा कुंभ मेला में देखा अखाड़ा में टोळा में आवे और कुंभ खत्म होते ही पाछा तपस्या करण ने चला जावे ।

दूसरा गुरु वे जो नकली, ढोंगी, पाखंडी,आडम्बरी,जो गुरु रे नाम पर जीवतो कलंक ढावे और पूरी बेशर्मी सुं ढावे। ये गुरु ईश्वर ने पावण वास्ते संसार त्याग दियों पर न तो वे ईश्वर प्राप्त कर पाया न संसार छोड़ पाया बल्कि आपाणी भाषा में केहवा हुक्म तो ये गुरु एक गृहस्थ सुं कहीं अधिक सांसारिकता रे कीचड़ में पड़ीया है। हुक्म यों एक चोळो है जिने पहन ने मिस्टर इंडिया री तरह कमाल हूँ सके । ये गुरु कोई मनोकामना री पूर्ति ग्रह बाधाओं रो निवारण कोई मनचाही वस्तु री पूर्ति रे करावण वास्ते शिष्य ओर भगवान रे बीच मे दलाली रो काम करे कोई वीआईपी और पूंजीपतियों ने कुर्सी और वैभव रा सपना दिखा ने आपरो साम्राज्य बणा रिया है।

आजकल ढोंगी गुरु वशीकरण मंत्र विद्या सीख ने जनता ने ऐड़ा अंधभक्त बणा दिया कि शिष्य पूरे परिवार ने लेने बाबाओं रे डेरे में ही जीवन बितावण में ही अपने आप ने धन्य समझ रिया है और हजारों औरता ऐड़ा गुरुओं रे हाथों शोषण हो रही है और धड़ल्ले सुं बाबाओं री बाजारी मार्केट में चाल रही है ज्यों कोई इन डेरों पर एगमार्क लाग्योड़ो है या कोई ब्रांड रो ठप्पो लाग्योड़ो है।

आस्था रे इण देश में साधुओं रे कारनामों सुं देश री छवि बिगड़ रही है साथ मे संत समाज भी बदनाम हो रियों है।

जागो भारतवासियों ,कबीर, रैदास, तुलसीदास, नानक जेड़ा महान संत जिण देश मे हुया, वो देश में ढोंगी साधु आपरी सता रे बलबूते अपने आपमें संत री उपमा देवे इनमें जनता री जागरूकता री कमी है जो इण ढोंगी साधुओं ने तवज्जों देवे और आपरो सर्वस्व समर्पण कर देवे।

मुलाहिज़ा फरमाइये

ज़रा पाने की चाहत में
बहुत कुछ छूट जाता है,
नदी का साथ देता हूं,
समंदर रूठ जाता है.

बुलंदियों में यक़ीनन,
यक़ीन रखता हूँ...
मगर मैं पांव के नीचे
ज़मीन रखता हूँ....!

हम बुजुर्गों की दुआओं
के खजाने वाले,
हर घड़ी मांगने वालों
से घिरे रहते हैं.

बहुत ग़जब का नज़ारा है
इस अजीब सी दुनिया का,
लोग सबकुछ बटोरने में लगे हैं
खाली हाथ जाने के लिये.

'नफ़रत का, खुद का अपना
कोई वजूद नहीं होता है।
यह तो मोहब्बत की
ग़ैर मौजूदगी का नतीजा है।'

▸▸ ज्योत्सना कोठारी, मेरठ

श्री सेवल्या माता का विशाल जागरण एवं भजन संध्या

कार्तिक सुदी 7 सम्वत् 2074, 27 अक्टूबर 2017, शुक्रवार ■ रात्रि 7 बजे से ■ स्थान – मंदिर प्रांगण

श्री सेवल्या माता परिवार की वार्षिक बैठक

28 अक्टूबर 2017, शनिवार प्रातः 9 बजे

महाप्रसादी (भण्डारा) मध्यान्ह 12 बजे से

विशाल भजन संध्या

भजन गायिका – स्वर कोकिला डॉ. सुमन जी सोनी, भीलवाड़ा

27 अक्टूबर 2017, शुक्रवार रात्रि 7.00 बजे से स्थान मंदिर प्रांगण

मुख्य अतिथि

श्री श्यामसुन्दर जी सोनी
(सभापति अ.भा. मा.म.सभा)

श्री रामपाल जी सोनी
(पूर्व सभापति अ.भा. मा.म.सभा)

विशिष्ठ अतिथि

श्री कैलाशचन्द्र सोनी, जयपुर
(अध्यक्ष – पूर्वांचल राज.प्रादेशिक माहेश्वरी सभा)

श्री सतीश सोनी, मुम्बई
(निदेशक – पर्यटन विभाग महाराष्ट्र शासन)

अध्यक्षता

श्री कैलाशचन्द्र कोठारी, भीलवाड़ा
(अध्यक्ष – दक्षिणांचल राज.प्रादेशिक माहेश्वरी सभा)

ऐसे बने सहयोगी - मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है। इसमें जो भी श्रद्धालु सहयोगी बनना चाहते है वे आर्थिक सहयोग प्रदान कर सकते है। इसके लिए निम्नांकित में से किसी भी बैंक में मंदिर के खाते में सहयोगी राशि जमा की जा सकती है –

Bank of Baroda (Sanganer Branch, Bhilwara)
A/c. No. - 25020200003037
IFSC Code - BARBOBHISAN

Punjab National Bank (Bagor)
A/c. No. - 03574002100057190
IFSC Code - PUNB0357400

Yes Bank (Bhilwara)
A/c. No. - 0033946000070
IFSC Code - YESB0000033

सम्पर्क सूत्र

श्री कैलाश जी कोठारी, भीलवाड़ा
Mo. : 09829047936, 09783899999

श्री रामजस जी सोनी, बागौर
Mo. : 09461297789

श्री शान्तिलाल जी कोठारी, अहमदाबाद
Mo. : 09428422810

श्री दिलीप सोनी, औरंगाबाद
9422203462

श्री जितेन्द्र जी कोठारी, बड़ौदा
Mo. : 09426049974

श्री कुन्दनमल जी सोनी, जोधपुर
Mo. : 09252491325

स्थापना वर्ष 1969 ।ज्ञानम् विज्ञान सहितम्।। फोन नं. 2575110

श्री. ब्रजलाल बियाणी शिक्षा समिति

सत्र 2012-13 से भाषिक (हिंदी) अल्पसंख्यांक दर्जा प्राप्त

बियाणी शैक्षणिक परिसर, शिलांगण रोड, अमरावती - 444605

संचालित संस्थाएं

- ब्रजलाल बियाणी विज्ञान महाविद्यालय (वरिष्ठ महाविद्यालय) - बी.एससी., बी.बी.ए., बी.सी.ए., बी.कॉम., एम.एससी.
- ब्रजलाल बियाणी विज्ञान महाविद्यालय (कनष्ठि महाविद्यालय) - विज्ञान शाखा
- नारायणदास लड्ढा हाईस्कूल, अमरावती - सेमी अंग्रेजी
- सावित्रीदेवी बियाणी विद्या मंदिर, अमरावती - हिन्दी प्राथमिक शाला
- रघुनाथमल कोचर बालक मंदिर, अमरावती - हिन्दी बालमंदिर
- भंवरीलाल सामरा इंग्लिश हाईस्कूल, अमरावती - अंग्रेजी माध्यम
- मोहनलाल सामरा मॉन्टेसरी एवम् प्राथमिक शाला, अमरावती - अंग्रेजी माध्यम

अॅड. अशोक राठी
अध्यक्ष

राजेन्द्रकुमार नावंदर
सचिव

सुनीलकुमार गोयनका
सहसचिव

विनोदकुमार सामरा
कोषाध्यक्ष

विजयकुमार कासट
उपाध्यक्ष

विजयकुमार करवा
उपाध्यक्ष

कार्यकारिणी समिति सदस्य

ओमप्रकाश लड्ढा, प्रकल्प राठी, सुनील लड्ढा, अशोक अग्रवाल, अशोक कुमार सोनी, डॉ. सतीश अग्रवाल, राजेन्द्र गगलानी, देवदत्त शर्मा, ओमप्रकाश नावंदर, संजयकुमार ककरानिया, प्रशांत राठी

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

सौ. ब्रजलता वि. मोहता

कापूस व धान्य अडते

कृषि उत्पन्न बाजार समिति, हिंगणघाट जिला वर्धा

फोन - 07153-244686

मो. - 9422140826

श्रीनाथ ट्रेडर्स

चुकारा मिळण्याचे ठिकाण

मेन रोड, हिंगणघाट

मो. 9422140826

प्रकृति प्रदत्त रूप से अत्यंत शुभ माने जाने वाले ग्रह बृहस्पति गत 12 सितंबर को कन्या से तुला राशि में प्रवेश कर चुके है। बृहस्पति 9 ग्रहों में अत्यंत प्रभावशाली ग्रह हैं। अत: उनका राशि परिवर्तन भी जीवन में आमूलचूल परिवर्तन करता है। आईये देखें क्या-क्या करेंगे तुला के बृहस्पति?

डॉ. महेश शर्मा जयपुर मो. - 94143-70518

क्या शुभ फल लेकर आऐं तुला के बृहस्पति

अपने शत्रु शुक्र की राशि तुला में गुरु का भ्रमण अगले 13 माह तक रहेगा, इस दौरान गुरु चित्रा, स्वाति एवं विशाखा नक्षत्र में भ्रमण करेंगे। चित्रा नक्षत्र का स्वामी मंगल, स्वाति का राहु एवं विशाखा का स्वामी स्वयं गुरु है। राहु गुरु का मित्र नहीं है। अतः यह तब हानि पहुंचाएगा जब स्वाति नक्षत्र में होगा। गोचर फलित के अनुसार जब गुरु आपकी राशि से 1, 4, 8 अथवा 12वें स्थान पर आते हैं तो कष्टदायक, हानिप्रद व व्यवसाय में असफलता प्रदान करते हैं। गुरु के तुला राशि में परिभ्रमण से यह तुला, कर्क, मीन तथा वृश्चिक राशि के लिए क्रमशः 1, 4, 8 व 12वां होने के कारण अशुभ फलदायक होगा। अन्य राशि के जातकों के लिए गुरु गोचर में प्रायः शुभफल प्रदान करेगा। गोचर में गुरु द्वारा प्रदत्त शुभाशुभफल जन्म कुंडली में स्थित ग्रहों के योगायोग तथा दशान्तर्दशा के अधीन होते हैं। गुरु के राशि परिवर्तन से विवाह योग्य कन्याओं के लिए विवाह मुहूर्त प्रभावित होते हैं।

तुला में गोचरीय भ्रमण से गुरु की कुंभ, मेष व मिथुन राशि पर क्रमशः 5, 7 व नौवीं पूर्ण दृष्टि रहेगी। तुला राशि में भ्रमणवश गुरु 11 अक्टूबर को पश्चिम में अस्त होकर 6 नवंबर को पूर्व में उदय होंगे। इस दौरान मांगलिक और शुभ कार्य वर्जित रहेंगे।

बृहस्पति का गोचर फल-

गोचर भ्रमणवश बृहस्पति आपकी राशि से दूसरे, पांचवें, सातवें, नवें और ग्यारहवें स्थान पर रहने से शुभ फल देते हैं। पंचम, सप्तम एवम नवमस्थ हो तो जातक की क्रियात्मक शक्ति प्रखर होती है। द्वितीय तथा एकादश स्थान में बृहस्पति विशेष धन, ऐश्वर्य तथा भौतिक सुख सुविधा प्रदान करता है। तुला में गतिशील गुरु मिथुन, मेष, कुंभ राशि के लिए क्रमशः पंचम, सप्तम एवम् नवमस्थ रहेगा और कन्या, धनु राशि के लिए क्रमशः द्वितीय, एकादश स्थान में गति करेगा। कर्क राशि के जातकों के लिए चतुर्थस्थ बृहस्पति इस अवधि में स्थान परिवर्तन, मानसिक उद्वेग, चित्त की अशांति, व्यवसाय में अस्थिरता तथा कुटुम्बियों द्वारा यातना दिलाता है। गुरु के राशि परिवर्तन से इनके शुभाशुभ फलों से प्रायः सभी राशियां प्रभावित होंगी। गुरु के व्रत, दान, जप, विष्णु सहस्त्रनाम आदि के पाठ करने से इनकी अशुभता में कमी आकर शुभ फलों की प्राप्ति होती है।

गोचर फलित ग्रह की प्रवृति -

गुरु द्वारा प्रदत्त शुभाशुभ फल उसकी प्रवृत्ति पर निर्भर करता है। अपनी प्रवृत्ति से गुरु आध्यात्मिक एवं न्यायप्रिय ग्रह है। यह ज्ञान, सुख, धन तथा अनुशासन का अधिष्ठाता है। अतः शुभ गुरु के प्रभाव से व्यक्ति अनुशासन में रहना पसंद करते हैं और दूसरों से भी अनुशासन की अपेक्षा करते हैं। ऐसे व्यक्ति महत्वाकांक्षी होते हैं। सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक तथा अध्ययन-अध्यापन में इनकी रुचि होती है। अशुभ गुरु क्षेत्राधिकार वाले सभी क्षेत्रों को प्रभावित करते हैं। फलस्वरुप धनाभाव, संतान पीड़ा, अज्ञानता, अनैतिकता तथा अनुशासनहीनता के कारण व्यक्ति कष्ट पाता है। अशुभ गुरु के प्रभाववश कफ, जलोदर, संग्रहणी, पाचन क्रिया के रोग तथा वसा से उत्पन्न रोग हो सकते हैं।

भारतीय ज्योतिष में बृहस्पति को सर्वाधिक शुभ ग्रह कहा गया है। बृहस्पति अज्ञान को दूर कर सद्‌गति की राह पर चलने के लिए जातक को उत्प्रेरित करते हैं।

तुला राशिस्थ गुरु का राशियों पर प्रभाव-

मेष-सप्तम गुरु के प्रभाव से उद्योग व्यापार में सफलता, भाग्योदय, धन लाभ होगा।

वृष- छटे शत्रु भाव से गुरु के भ्रमण के कारण रोग एवं गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें। खर्च में बढ़ोतरी तथा निकट बंधु-बांधवों से वृथा तकरार से तनाव पैदा हो सकता है।

मिथुन- पंचमस्थ गुरु के कारण भाग्योन्नति, धन लाभ, भूमि-वाहन आदि सुखों की प्राप्ति के योग बनेंगे।

कर्क- चतुर्थस्थ बृहस्पति स्थान परिवर्तन, मानसिक उद्वेग, चित्त की अशांति, व्यवसाय में अस्थिरता तथा कुटुम्बियों द्वारा यातना दिलाता है।

भाग्योन्नति में अवरोध एवं धन के दुरुपयोग से मन अशांत रहेगा। चोटादि का भय, खर्चों में वृद्धि के योग हैं। सावधानी बरतें।

सिंह- तृतीयस्थ गुरु के प्रभाव से स्थान परिवर्तन, स्वजनों से पीड़ा, धन खर्च, कार्यों में विघ्न आदि योग बनेंगे।

कन्या- गोचरीय गुरु के शुभ प्रभाव में आने से धर्म में प्रवृत्ति, धन लाभ व उन्नति के अवसर मिलेंगे। शत्रु परास्त होते हैं।

तुला- गुरु के जन्म राशि में आने से धनहानि, स्त्री, संतान, बंधु वर्ग को पीड़ा रहेगी।

वृश्चिक- वाराही संहिता के अनुसार 12वें बृहस्पति के कारण शारीरिक दुर्बलता की शिकायत तथा कठोर परिश्रम से अल्प धन की प्राप्ति होगी, खर्च बढ़ेगा।

धनु- गुरु के 11वें लाभ भाव में आने से पदोन्नति, धन लाभ, उत्साह में वृद्धि, मांगलिक कार्य होंगे।

मकर- राज्य स्थान में गुरु की शुभ स्थिति से धन धान्य का लाभ, सम्मान, मांगलिक कार्य, प्रभाव में वृद्धि। परंतु तनाव और चिंताओं से मन में अशांति रहेगी। स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

कुंभ- नवम भाव पर गुरु के गुजरने से भाग्योन्नति होगी। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी।

मीन- आठवें गुरु के कारण रोग, भय, स्वजनों से विवाद, कलह, विघ्न बाधा एवं धन अपव्यय का योग बनेगा।

गुरु प्रतिकूलता के कुछ उपाय -

गोचरवश देवगुरु बृहपति के तुला राशि में प्रवेश से तुला, कर्क, वृश्चिक तथा मीन राशि के जातकों के लिए गोचर प्रतिकूल रहने की आशंका रहती है। गोचर, जन्मकुंडली और दशान्तर्दशा तीनों स्थितियों में गुरु के अशुभ प्रभाव में होने पर उसके उपाय करने से जातक को राहत मिलती है।

गुरु के व्रत - गुरुवार का व्रत रखें। भीगी चने की दाल गाय को खिलाएं। पांच पीले वस्त्रों के साथ विष्णुपुराण का दान करें। केसर का तिलक लगाएं।

गुरु के दान- गुरु की प्रिय वस्तुओं-शर्करा, शहद, घी, हल्दी पीले वस्त्र, धार्मिक पुस्तक, पुखराज, नमक, पीत पुष्प, केसर, पीले लड्डू आदि का सामर्थ्य अनुसार दान करें।

गुरु के मंत्र - ओम ऐं क्लीं बृहस्पतये नमः'' अथवा ''ओम ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरुवे नमः'' मंत्र का संध्याकाल में जप करें। जप संख्या 19000। गुरुवार व पूर्णिमा को विष्णु सहस्रनाम के पाठ करें। गजेंद्र मोक्ष के पाठ नियमित रूप से करें। केले की जड़ का ताबीज बनाकर विधिपूर्वक धारण करें। पिता, गुरु, ब्राह्मण एवं बुजुर्गों की सेवा करें। आशीर्वाद प्राप्त करें। कन्या भोजन कराएं। गौशाला में दान दें। प्रथम रोटी गाय को खिलाएं। केला अथवा पीपल के गुरुवार को दर्शन करें। इन्हें हल्दी मिश्रित जल से सींचें और घी का दीपक जलाकर शुभ प्राप्ति की प्रार्थना करें। गुरुवार को केलों का दान करें। स्वयं इस दिन केले नहीं खाएं।

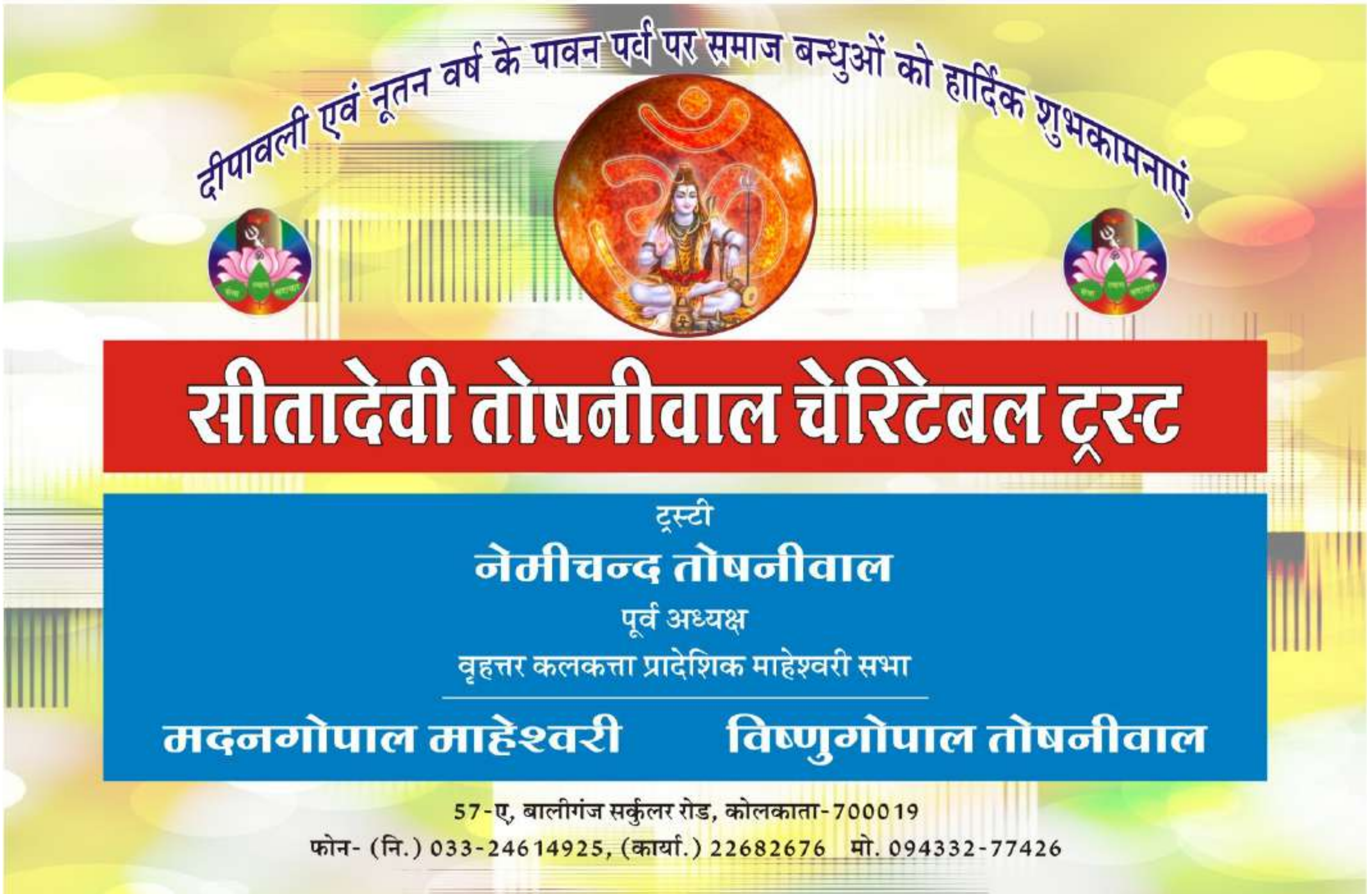

मानवता की सबसे बड़ी सेवा देहदान

देहदान को लेकर कई भ्रांतियाँ हैं, लेकिन हकीकत देखी जाए तो यह मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। एक पार्थिक देह से कितने चिकित्सक प्रशिक्षित होते हैं, इसका अनुमान लगाना भी कठिन है। ये चिकित्सक ही मानवता की सेवा करते हुए हमें रोगमुक्त रखने में अपना योगदान देते हैं। वास्तव में देखा जाए तो इससे बड़ा कोई पुण्य नहीं है।

▶▶ रामेश्वर सोनी, वृन्दावन

पाप कमाने की इच्छा कोई नहीं करता है। हर कोई पुण्य ही कमाना चाहता है। ''परहित सरिस धर्म नहीं भाई'' हिंदू धर्म शास्त्र के विशेष सूत्रों में यह सूत्र मुख्य माना जाता है और माना जाना भी चाहिए। मतलब हुआ कि पुण्य कमाने के वास्ते कुछ परहित का कार्य करना पड़ेगा। जैसे विद्यालय, दवाखाना, धर्मशाला, सार्वजनिक लंगर आदि चलाना तथा और भी कई सेवा कार्य हैं। इन कार्यों के करने के लिये धन की आवश्यकता है, लेकिन देहदान एक ऐसा पुण्य है, जिसमें बिना धन के भी कई लोगों को नवजीवन दिया जा सकता है। मृत्यु के बाद शरीर तो पंचभूतों में विलीन हो जाता है, यह सब जानते हैं। लेकिन इस बात से बहुत कम लोग परिचित हैं कि यदि वही शरीर किसी चिकित्सा महाविद्यालय को दान कर दिया जाए तो वह चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के काम आ सकता है। मरणोपरांत शरीर के कुछ अंगों जैसे नेत्र का दान कर देने से किसी दृष्टिहीन मनुष्य को नेत्रज्योति भी मिल सकती है।

धार्मिक मान्यताएँ देहदान में बाधक

ऐसा नहीं कि लोग इस विषय में सोचते नहीं, लेकिन विभिन्न धर्मों की मान्यताएँ उन्हें अंत्येष्टि के मोह में देहदान करने से रोकती हैं। अंत्येष्टि नहीं हुई तो स्वर्ग अथवा मोक्ष नहीं मिलेगा। यह सोच देहदान की राह में सबसे बड़ी बाधा है। हमारे समाज में प्रचलित प्रथा है कि मरणोपरांत दाहक्रिया करने से मृत व्यक्ति को मोक्ष मिलता है। मोक्ष मिलता है या नहीं यह तो सिर्फ ईश्वर ही जानता है परंतु देहदान से होने वाले ऊपर बताए गए पुण्य कार्य से हजारों लोगों का आशीष तो जरूर मिल ही जाता है। आज समय की मांग है कि समाज के अधिक से अधिक लोग इस विषय पर मनन करें। स्वयं देहदान करें और दूसरों को भी इस ओर प्रेरित करें।

देहदान के लिए प्रेरित करती संस्था

अनेक संस्थाएँ इस बारे में सकारात्मक कार्य करते हुए देशवासियों को लगातार प्रेरित कर रही हैं कि वे मरणोपरांत अपने देहदान का संकल्प लेकर मानवता के कल्याणार्थ अपना सहयोग करें। ऐसी ही एक संस्था है ''दधीचि देहदान समिति'' नई दिल्ली। इसी संस्था के प्रयत्नों एवं साध्वी ऋतुभराजी की पावन प्रेरणा से वात्सल्य परिवार, वात्सल्य ग्राम-वृंदावन के सदस्यों ने वर्ष 2010 में सौ से अधिक संख्या में देहदान का संकल्प लिया था। इतनी बड़ी संख्या में देहदान का यह संकल्प एक कीर्तिमान था। अभी तक इनमें से तीन सदस्यों की मृत्यु पश्चात उनकी अंतिम इच्छानुसार देहदान की जा चुकी है।

सावधानी से रखें खुशी बरकरार

SMT टीम

दीपावली पर्व मनाने में पटाखे परम्परा में शामिल हैं। ये अपने आप में खुशियों का पैगाम हैं, लेकिन तब तक जब तक सावधानी बरती जाए। अन्यथा इन्हें परेशानी का सबब बनने में भी देर नहीं लगती है।

बच्चों को रखें दूर

दीपावली के दिन कितने लोगों के जलने के मामले आते हैं। इनमें से कुछ गंभीर रूप से जले हुए होते हैं और कुछ की बांह, हथेली, पैर या चेहरे का कुछ हिस्सा जला हुआ होता है। बच्चों को तो पटाखे जलाने ही नहीं चाहिए। आतिशबाजी का मजा लेना है तो बड़े स्वयं चलाएं और बच्चें दूर खड़े होकर आनंद लें या बच्चे बड़ों की देख-रेख में पटाखे चलाएं। ध्यान रखें कि पटाखे हमेशा खुली जगह पर चलाएं। हमेशा अच्छी कंपनी के पटाखें खरीदें। बच्चों को सूती कपड़े पहनाएं लेकिन वे बहुत ढीले-ढाले न हों। छोटी बच्चियों को दुपट्टा, घाघरा आदि ऐसे मौके पर कभी न पहनाएं।

बुझे पटाखे से भी रहें दूर

पटाखों में आग लगाकर दोबारा न छुएं। तेज आवाज करने वाले पटाखों को जलाएं क्योंकि तेज आवाज की वजह से आग लगाने वाला व्यक्ति दूर भाग जाता है। अनार आवाज नहीं करता इसलिए 75 फीसदी घटनाएं इसकी वजह से होती हैं। कई बार बच्चे अनार हाथ में लेकर जलाते हैं और वह हाथ में फट जाता है।

क्या करें दुर्घटना पर

अगर किसी असावधानी की वजह से आग लग गई हो तो तुरंत जमीन पर लेटकर पलटी मारें। इससे आग हवा के संपर्क में नहीं आएगी और जल्दी बुझ जाएगी। भागने या चलने से आग तेजी से फैलती है। अमूमन देखने में आता है कि लोग जलने के बाद कंबल ढूंढने में समय बरबाद करते हैं जिससे त्वचा ज्यादा क्षतिग्रस्त हो जाती है। आग बूझने के तुरंत बाद कम से कम 15-20 मिनट के लिए बाल्टी या टब में वह हिस्सा डुबा देना चाहिए या चलते नल के नीचे रख देना चाहिए, जब तक आग की गर्मी कम न हो जाए। ऐसी स्थिति में पहनी हुई धातु की सभी वस्तुएं उतार देनी चाहिए जैसे-घड़ी, अंगूठी, पायल और चेन आदि।

जले व्यक्ति के घाव पर साबुन न लगाऐं

जले कपड़े बिना खीचें आराम से हटा दें। घाव को साफ कपड़े से ढंके। आग लगने के बाद घाव पर किसी किस्म का मरहम, घी, तेल न लगाएं क्योंकि इससे डॉक्टर को जख्म की गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता। जले व्यक्ति की त्वचा पर यदि फफोले पड़ जाएं तो घबराएं नहीं और न ही उसे फोड़े। वे स्वयं ही बैठ जाते हैं।

आँखों को भी बचाऐं

दीवाली के दिन आतिशबाजी से आँखों में चोट लगने की आशंका बहुत ज्यादा होती है। अतः पटाखे चलाते समय हमेशा एक दूरी बनाए रखें। यदि आँखों में जहरीला धुआं या पटाखे का कोई अंश चला गया हो तो सबसे पहले उसे नल के साफ पानी से धोएं। यदि आँख से खून निकल रहा है, तो उसे साफ करके तुरंत पट्टी लगाएं। आँख में आए खून को तुरंत साफ करना जरूरी है। इसकी वजह से सेकेंडरी ग्लूकोमा हो सकता है।

यह रखें विशेष सावधानी

कई बार चोट लगने की वजह से ऑप्टिकल नर्व पर भी असर पड़ता है। आँखों में चोट लगने पर तुरंत डॉक्टर के पास जाएं। आँख में ज्यादा चोट लगने पर कुछ न खाये-पिएं क्योंकि ऑपरेशन भी करना पड़ सकता है और खाने-पीने की वजह से उल्टी आने की आशंका बनी रहती है।

खुश रहें... खुश रखें...

परिवार बचाना हो तो प्रेम जरूर बचाएँ

एक सवाल उठता है कि परिवार क्यों अशांत हो जाता है। दरअसल, परिवार बनता है अनेक सदस्यों से। पति-पत्नी, पिता-पुत्र, माँ-बेटी सबमें अपना-अपना अहंकार और अपनी-अपनी कामनाएँ होती हैं। कम या अधिक हो सकती हैं पर होती जरूर हैं। देखा जाए तो प्रेम ही परिवार का आधार है। परिवार में जितना अधिक प्रेम होगा उतनी अधिक शांति और स्वर्ग की अनुभूति होगी। परिवार के प्रेम को ठिकाने लगाने के लिए अहंकार और स्वार्थ कैंची की तरह काम करते हैं।

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

अहंकार के कारण परिवार के सदस्य एक-दूसरे पर अपना अधिकार जमाने का प्रयास करते हैं और स्वार्थ के कारण हर सदस्य अपने हित व सुख की बात सोचने लगता है। ऐसे में सदस्यों के बीच जो पारिवारिक राग होता है वह द्वेष में बदलने लगता है और प्रेम बैर का रूप ले लेता है। देखा गया है कि मतभेद की शुरुआत हँसी-मजाक के साथ टीका-टिप्पणी से शुरू होती है और यहीं से अंतरमन में दरारें पड़नी शुरू हो जाती हैं।

व्यक्तिगत टिप्पणियाँ व्यक्तियों के बीच दूरी बढ़ाती है। इस दौर में द्वेष को प्रवेश की जगह मिल जाती है। परिवार में अधिकांश संबंध राग से शुरू होते हैं। जिन्हें लोग प्रेम कहते हैं किंतु यह विशुद्ध प्रेम नहीं होता, सिर्फ राग होता है। राग धीरे-धीरे द्वेष में बदलता है और इसमें अहंकार की बड़ी भूमिका रहती है।

अहंकारी के मन का स्वभाव होता है कि वह अपने मनपसंद काम कराने के लिए दूसरों को बाध्य करता है। ठीक यही बात दूसरे सदस्य के मन में भी होती है। यदि इसका उल्टा हो, मन में प्रेम, सेवा अपनेपन की भावना हो तो सामने वाले में भी वैसी भावना जागने लगती है। मन संक्रमण करता है। इसीलिए परिवार बचाना हो तो प्रेम बचाएँ और प्रेम को अहंकार तथा राग से बचाएँ।

किचन का खज़ाना

दीपावली के स्पेशल व्यंजन

तिल बादाम के रोल

सामग्री- घी में तली कद्दूकस की हुई बादाम-75 ग्राम, घी में तली हुई बादाम-75 ग्राम, दूध में भीगी हुई केसर-1/4 छोटा चम्मच, ईलायची दाने का पावडर-एक छोटा चम्मच, घी में तवे पर तले सफेद तिल-दो छोटे चम्मच, घी 250 ग्राम, मैदा-100 ग्राम, शक्कर-स्वादानुसार, बेसन-दो बड़े चम्मच।

यूं बनाएं -कड़ाही में पानी गरम कर शक्कर डाल चाशनी बना लें। कहाड़ी में घी गरम कर बादाम, बेसन एवं मैदा डाल सुनहारा होने तक सेंक लें। कांच के प्याले में मिश्रण निकाल निवाया होने पर उसमें शक्कर की चाशनी, ईलायची पावडर, तिल, गरम घी एवं केसर मिला लें। हाथ पर घी लगा मन चाहे आकार के रोल बना लें। रोल पर बादाम एवं तिल लगा लें। तिल बादाम के रोल पर केसर, ईलायची पावडर से सजा कर खिलायें।

मंजू जैसलमेरिया

Net Protector
NPAV
Total Security
PC, Laptop
Tablet, Mobile
सुरक्षा
PC Kaa Doctor
Net Protector
AntiVirus
WEST COAST LABS CHECKMARK
Internationally Tested & Certified
ISO 9001:2008
WhatsApp
92.72.70.70.50
98.22.88.25.66

Computerised Horoscope
Most Advanced Mathematical Software in India
Windows based Software
- Accurate Calculations
- Accurate Charts
- Full Screen VIEW Facility
- Use any printer - Dot Matrix or Inkjet or Laser.

Call: 922.566.48.17
98.22.88.25.66

Choice of 6 Languages
English
Marathi
Hindi
Gujarati
Kannada
Telugu

Kundali 2018
www.kundalisoftware.com

सभी देशवासियों को दीपावली पर्व एवं नववर्ष की
हार्दिक शुभकामनाएँ
आदर्श शीतगृह प्रा. लि.
ASG
बनवारीलाल जाजू
अध्यक्ष- गीता भवन ट्रस्ट, इन्दौर
भू.पू. उपसभापति- अ.भा. माहेश्वरी महासभा
ADARSH SHEET GRAH PVT.LTD.
Regd. off.: 115-B, Industrial Estate, INDORE-452 003
Cold Storage : Sanatorium Road. RAU -453 331 (M.P.)
PH.: (Off.) 2421014,2330564,2330810,
Rau-2856201,2856102 Resi.: 2516540-41-42-44

आयुर्वेद अमृत है, इसे अपनाये
स्वस्थ रहें – मस्त रहें
HITKAR
PdL
GMP
अब आकर्षक
पेट बॉटल में उपलब्ध
Hazma Hazam
Hing Tikia
Anardana Goli
Jeera
P.D.L. HITKAR PHARMACY
Ajmer Road, Subhash Nagar, Bhilwara (Raj.)
Customer Care No. : 01482-222479, website : www.pdlhitkar.com

समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाएं
ANKIT BANGER
GROUP
अनिल कुमार माहेश्वरी
प्रदेश व. उपा. राज. न्यायिक, कर्मचारी संघ
+91 94 610 56 410
अंकित बांगड़
जिलाध्यक्ष, हिन्दु जागरण मंच, भीलवाड़ा
+91 78 910 30 000
SBJ
NAMKEEN
रॉयल दर्जी
ROYAL Darjee
A COMPLETE STITCHING SOLUTION
Royal Dream Builders
• MINING • REAL ESTATE • FOOD PRODUCT • TEXTILE • RETAILS
महिला आश्रम स्कूल रोड, कृषि उपज मण्डी चौराहे, निवार फैक्ट्री के सामने वाली गली, भीलवाड़ा
111/ए, बिल्डिंग नं. 2, मित्तल इण्डस्ट्रीयल स्टेट, अंधेरी ईस्ट, मुंबई (महाराष्ट्र) - 400059

श्री ॐ गं गणपतये नमः

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष-इस माह सुख, समृद्धि में वृद्धि होगी। अतिथियों का आगमन, मित्रों के साथ हर्षोल्लास का वातावरण एवं सामाजिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। घर में मांगलिक कार्य संपन्न होंगे। शत्रु परास्त होंगे। संतान से संबंधित शुभ समाचार मिलेंगे। घर परिवार में उत्सव का माहौल बना रहेगा। नौकरी में पद-प्रतिष्ठा के योग प्रबल होंगे। रुका धन प्राप्त होगा। अविवाहित जल्द ही विवाह सूत्र में बंधेंगे, किंतु जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। अनावश्यक खर्च होगा।

वृषभ- इस माह आपकी अधिकारियों से अनुकूलता बनी रहेगी। साहित्य, संगीतकला के क्षेत्र में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। व्यापार में निरंतर लाभ नौकरी में उन्नति और पद की प्राप्ति होगी। मित्रों से मुलाकात, भवन निर्माण का कार्य करेंगे। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी व संतान भी सहायता करनी पड़ेगी। मानसिक तनाव से दूरी रखें। खान-पानी पर नियंत्रण बनाये रखें। यात्रा विशेष फलदायक रहेगी।

मिथुन- यह माह सफलता, मान, यश मिलेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार आयेगा। जमीन की खरीददारी करेंगे। शुभ समाचार मिलेगा। वृद्धों की सेवा से आशीर्वाद का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग के चक्कर से दूर रहें। यात्रा होगी। किसी पर विश्वास करना हानिकारक सिद्ध होगा। पैसे के लेन-देन में सावधानी रहे। कार्य में सफलता से मन प्रसन्न होगा। व्यापार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। विरोधियों से सतर्क बन रहें।

कर्क- इस माह आप सामाजिक समारोह एवं पार्टी में शामिल होंगे। नये प्रस्ताव मिलेंगे। धन लाभ, मन के अनुरूप कार्य होंगे एवं सफलता भी मिलेगी। जीवन साथी से संबंध सामान्य बने रहेंगे। विरोधी परास्त होंगे। विद्यार्थी एवं खिलाड़ी वर्ग अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे। विपरीत योनी की ओर रुझान बनेगा। किसी प्रियजन से धोखा मिलेगा। घर परिवार में शांति बनाकर रखें।

सिंह- यह माह आपको मन के अनुसार लाभ मिलेगा। पिता के सुख में वृद्धि होगी। सामाजिक धार्मिक कार्य में यश, मान प्रतिष्ठा मिलेगी। विरोधी परास्त होंगे। मित्र सहायक एवं भाग्योदयकारक सिद्ध होंगे। अचानक यात्रा होगी। घर परिवार में सुख-शांति एवं प्रसन्नता का माहौल रहेगा। संतान की ओर से परेशानी बनी रहेगी। व्यवसाय में परेशानी तथा साझेदारी से धोखा मिलेगा। नौकरी में उन्नति तथा स्थान परिवर्तन के योग बनते हैं। संगीत में रुचि बनी रहेगी।

कन्या- इस माह खर्च की अधिकता बनी रहेगी। जीवन साथी से वैचारिक मतान्तर बने रहेंगे। एकाएक यात्रा करनी पड़ेगी। घर में मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। नया व्यवसाय आरंभ कर लाभ पायेंगे। मित्र से मन-मुटाव व गलतफहमी बन सकती है। वाद-विवाद से बचें। जीवन साथी के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें। सामाजिक-धार्मिक कार्य में रुचि बनी रहेगी। शत्रु परास्त होंगे। स्थान परिवर्तन होगा एवं नौकरी में उन्नति, प्रमोशन के योग रहेंगे।

तुला- इस माह आपको संतान की ओर से खुशी मिलेगी। धन लाभ-तरक्की एवं मान-सम्मान बढ़ेगा। रुका धन मिलेगा। कार्यों में सफलता, रुका काम पूरा होगा। अतिथि के आने की सम्भावना के कारण अधिक दौड़-धूप बनी रहेगी। शुभ कार्य होंगे। जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। अचानक यात्रा के अवसर, किंतु मन में तनाव बना रहेगा। स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें। स्थायी सम्पत्ति खरीदने के योग प्रबल होंगे।

वृश्चिक- यह माह आपके लिये मिश्रित फलदायक रहेगा। स्पष्टवादिता के कारण शत्रु बढ़ेंगे। परिवार में अस्वस्थता के कारण परेशानी रहेगी। खर्च की अधिकता किंतु नये प्रस्ताव से धन लाभ भी होगा एवं कार्य क्षेत्र में जिम्मेदारियां भी बढ़ेगी। खान-पान पर ध्यान रखना आवश्यक रहेगा। संतान को आपकी आवश्यकता महसूस होगी। स्वयं के धन से मकान का निर्माण करेंगे। आपका अपनों से मन-मुटाव बना रहेगा। चर्म रोग कष्ट से सावधान रहें।

धनु- यह माह सामान्य व्यतीत होगा। बच्चों की चिंता बनी रहेगी। दाम्पत्य जीवन सामान्य रहेगा। नौकरी में व्यवधान उत्पन्न होंगे। आपकी इच्छा के अनुरूप कार्य नहीं हो पायेगा। उतावलापन परेशानी का कारण रहेगा। जाति, समाज में मान-सम्मान प्राप्त होगा। यात्रा को टालें। विपरीत योनी की ओर रुझान से परेशानी उठानी पड़ेगी। शत्रु परास्त होंगे। जीवन साथी के प्रति लगाव बना रहेगा।

मकर- इस माह पदोन्नति, धन की प्राप्ति, दूर के मित्रों से मुलाकात होगी। सुखद समाचार मिलेगा। स्पष्टवादिता के कारण बनते कार्य बिगाड़ लिया करेंगे। अधिकारियों से अनुकूलता बनी रहेगी। कोई भी आपके क्रोध का फायदा उठाकर अपने कार्य कर लेंगे। माता-पिता का विशेष ध्यान रखें। भौतिक सुख-सुविधा के लिये खर्च अधिक करेंगे। मकान, वाहन खरीदेंगे।

कुंभ- यह माह आपके नये कार्य प्रारंभ करेंगे। धन लाभ होग, घर में मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। शत्रु परास्त होंगे। अज्ञात भय से परेशानी बनी रहेगी। संतान से संबंधित कार्यों से शुभ समाचार प्राप्त होगा। घर परिवार में उत्सव का वातावरण रहेगा। अचानक धन या अभिष्ट वस्तु की प्राप्ति होगी। अविवाहित के विवाह योग प्रबल बनेंगे। नौकरी में मनवांछित पद एवं लाभ के योग, समाज में मान-सम्मान मिलेगा।

मीन- इस माह धैर्य व शांति रखें। व्यर्थ के खतरे न उठाकर कार्य करें। व्यापार में श्रेष्ठतम सफलता नौकरी में उन्नति व स्थान परिवर्तन मन के अनुसार होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर में मांगलिक कार्य सम्पन्न होगे। कला, संगीत के क्षेत्र में विशेष रुचि बनी रहेगी। अतिरिक्त धन कमाने के रास्ते दिखेंगे। जीवन साथी से वैचारिक मतांतर बने रहेंगे। वाहन, मकान प्राप्ति के योग प्रबल बनते हैं।

श्री दीपककुमार केला

धामणगांव रेलवे. गजानन ऑइल मिल के संचालक एवं श्री रामदेवबाबा मंदिर देवस्थान के ट्रस्टी श्री दीपककुमार केला का गत 23 जुलाई को 61 वर्ष की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से असामयिक निधन हो गया। आप अपने पीछे पत्नी, दो पुत्र प्रकाश एवं रोशन 1 पौत्र व 5 बहनों सहित भरपूरा परिवार छोड़ गए हैं।

श्री रमेशचंद्र टावरी

धामनगाँव रेलवे. सक्रिय समाजसेवी श्री रमेशचंद्र जानकीलाल टावरी का गत दिनों 65 वर्ष की अवस्था में असामयिक निधन हो गया। आप गंगोत्री तीर्थ दर्शन पर गये थे। वहाँ हृदयगति रुक गई। आप अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

श्री शरद राठी

अमरावती. करंजा तहसील मोर्शी निवासी श्री शरद नंदलाल राठी का 55 वर्ष की अवस्था में दुःखद निधन हो गया। आप अपने पीछे 2 पुत्र तथा 3 भाई व 1 बहन का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

श्रीमती शांतादेवी डाड

भीलवाड़ा. वरिष्ठ समाज सदस्य व नगरवासी रतनलाल डाड की धर्मपत्नी व महावीरप्रसाद, कैलाशचंद्र, सुरेशचंद्र, मुकेश कुमार की माता श्रीमती शांतादेवी डाड का स्वर्गवास गत 29 अगस्त को 85 वर्ष की अवस्था में हो गया। श्रीमती डाड धार्मिक, व्यावहारिक, मिलनसार महिला थी और अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

श्री राधेश्याम सोमानी

तराना. वरिष्ठ समाजसेवी राधेश्याम सोमानी का 82 वर्ष की आयु में गत 23 अगस्त को निधन हो गया। श्री सोमानी ने 50 वर्ष तक समाज के मानद सचिव व 5 वर्ष तक अध्यक्ष रहे। गत 25 वर्षों अंतिम समय तक से गीता प्रचार समिति के कोषाध्यक्ष पद पर रहे।

श्रीमती राधाबाई मूंधड़ा

धामणगांव रेलवे (अमरावती). स्थानीय माहेश्वरी समाज की सबसे वयोवृद्ध सदस्या तथा फत्तेलाल रामनारायण मूंधड़ा फर्म के संचालक अशोककुमार एवं राजेंद्रकुमार मूंधड़ा की माता श्रीमती राधाबाई-फत्तेलाल मूंधड़ा का 97 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया। आप अपने पीछे दो पुत्र, तीन पुत्री तथा चार पौत्र आदि से भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

।। प्रथम पुण्य स्मरण ।।
8/10/2017
ब्रीजमोहन श्यामसुन्दर मालपाणी

लक्ष्मीनारायण श्यामसुन्दर मालपाणी
9325621051
यशोदा एग्रो इंडस्ट्रीज
होटल किंग तुवर दाल
एवं त्रिमूर्ति तुवर दाल के निर्माता
ब्रीजमोहन श्यासुन्दर मालपाणी
किन्ही रोड बायपास कारंजा लाड, जिला वाशीम
मो. 9423128333, 7775028333

हार्दिक शुभकामनाएँ

KAMAL
MICRO REFINED
RICE BRAND OIL
Available in 15 Ltrs., 15 Kgs. & 5 Ltrs. (Can) and 1 Ltrs. (Pouch)

KAMAL SOLVENT
Extractions Pvt. Ltd.

दामोदरदास मूँदड़ा
पूर्व अर्थमन्त्री,
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

Regd. Office : "Mundra Niwas" Rajnandgaon - 491 441 INDIA
Phone : 07744 - 241719, 224619, 224719 Cable : "Mundra" Fax : 07744 - 226319

Works : G.E. Road, Village khuteri (Somni), Rajnandgaon - 491441
Phone : 07744 - 220621, 220651, 220761, 220771

दीप पर्व एवं नूतनवर्ष पर सभी समाजबन्धुओं को हार्दिक मंगलकामनाएं

स्व.श्री गोपीदासजी बागड़ी

स्व.श्रीमती केसरदेवी जी बागड़ी

।। नमन ।।

आदरणीय बाबूजी एवं मातुश्री के श्रीचरणों में नमन
जिनकी प्रेरणा आशीर्वाद, संस्कार व मार्गदर्शन
हर दम बने मेरा सम्बल
उन्हीं की कृपा से मिला समाज की सेवा
करने का सुअवसर

शरद गोपीदास बागड़ी
पोर्टफोलियो कंसल्टेन्ट
लेखक व समाजसेवी

"Gokul" 2nd Floor, Behind Vazalwar Lawns,
Khare Town, Dharampeth, NAGPUR (Mah.)
Mo. : 93256-56776

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Dispatch Date - 02 OCTOBER 2017

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah),
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. 0734-2526561, 2526761, Mo. : 94250 91161
E-mail : smt4news@gmail.com

FREE REGISTRATION AT www.srimaheshwarimelapak.com